



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

१९१९
मई

सं. 111]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 8, 2002/फाल्गुन 17, 1923

No. 111]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 8, 2002/PHALGUNA 17, 1923

वाणिन्य और उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 मार्च, 2002

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) नियम, 2002

सा.का.नि. 176 (अ).—केन्द्रीय सरकार, माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों पर प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात् :—

भाग 1

अध्याय 1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) नियम, 2002 है।

(2) वे उस तारीख को प्रवृत्त होंगे, जिसको अधिनियम प्रवृत्त होगा है।

2. परिभाषा :—(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) "अधिनियम" से माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 अभिप्रेत है;
- (ख) "अभिकर्ता" से धारा 76 के अधीन प्राधिकृत व्यक्ति अभिप्रेत है;
- (ग) "भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन" के अंतर्गत उसमें अंतर्विष्ट माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन भी है;
- (घ) "भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय" से नियम 4 में यथाविनिर्दिष्ट, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का सुसंगत कार्यालय अभिप्रेत है;

(ङ) "कारबार" के अंतर्गत उस माल का जिससे भौगोलिक उपदर्शन संबंधित है, यथास्थिति, व्यापार, व्यवहार, उत्पादन समुदाय बनाना या विनिर्माण करना भी है;

(च) "वर्ग फीस" से पहली अनुसूची की प्रविधिस्त सं. 1 में विहित फीस अभिप्रेत है;

(छ) "अभिसमय देश" से धारा 84 की उपधारा (1) के अधीन उस रूप में अधिसूचित देश अभिप्रेत है;

(ज) "अभिसमय आवेदन" से धारा 84 के आधार पर भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किया गया आवेदन अभिप्रेत है;

(झ) "विभाजन संबंधी आवेदन" से विभिन्न वर्ग के माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आरंभिक आवेदन के विभाजन द्वारा किया गया विभाजित आवेदन अभिप्रेत है ;

(अ) "विभाजन संबंधी फीस" से पहली अनुसूची में इस प्रकार विहित फीस अभिप्रेत है;

(ट) "प्ररूप" से दूसरी या तीसरी अनुसूची में वर्णित प्ररूप अभिप्रेत है ;

(ठ) "आलेखी समाकृति" से कागज रूप में माल के भौगोलिक उपदर्शन की समाकृति अभिप्रेत है;

(ड) "जनल" से भौगोलिक उपदर्शन जनल अभिप्रेत है;

(ढ) "अधिसूचित तारीख" से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको नियम प्रवृत्त होंगे;

(ण) "विरोध" के अंतर्गत यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण का विरोध है;

(त) "भारत में कारबार का मुख्य स्थान" से नियम 3 में यथा विनिर्दिष्ट भारत में सुसंगत स्थान अभिप्रेत है ;

(थ) "प्रकाशन" से भौगोलिक उपदर्शन जनल में प्रकाशन अभिप्रेत है ;

(द) "रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता" से ऐसा भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता अभिप्रेत है जिसका नाम नियम 102 के अधीन रखे गए भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता रजिस्टर में वास्तव में दर्ज है;

(ध) "नवीकरण" से अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत है यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी या भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता द्वारा भौगोलिक उपदर्शन का नवीकरण;

(न) "अनुसूची" से नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है ;

(प) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है ;

(फ) "विनिर्देश" से उस माल का नामनिर्देशन अभिप्रेत है जिसकी बाबत भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रीकृत किया जाता है या रजिस्ट्रीकृत करने का प्रस्ताव है;

(घ) उन अन्य सभी शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं और अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके अधिनियम में हैं।

(2) इन नियमों में, जैसा अन्यथा उपदर्शित है उसके सिवाए, किसी धारा के प्रति निर्देश अधिनियम की उस धारा के प्रति निर्देश है, किसी नियम के प्रति निर्देश इन नियमों के उस नियम के प्रति निर्देश है, अनुसूची के प्रति निर्देश इन नियमों की उस अनुसूची के प्रति निर्देश है और किसी प्ररूप के प्रति निर्देश, यथास्थिति, दूसरी या तीसरी अनुसूची में वर्णित उस प्ररूप के प्रति निर्देश है।

3. भारत में कारबार का मुख्य स्थान—भारत में कारबार के मुख्य स्थान से अभिप्रेत है—

- (i) जहां कोई व्यक्ति किसी भौगोलिक उपदर्शन वाले सम्बद्ध माल का कारबार करता है,
- (क) यदि कारबार भारत में केवल एक ही स्थान पर किया जाता है, वहां वह स्थान;
- (ख) यदि कारबार भारत में एक से अधिक स्थानों पर किया जाता है वहां उसके द्वारा भारत में कारबार के मुख्य स्थान के रूप में वर्णित स्थान;
- (ii) जहां कोई व्यक्ति किसी भौगोलिक उपदर्शन वाले सम्बद्ध माल का कारबार नहीं कर रहा है, वहां—
- (क) यदि वह भारत में केवल एक स्थान पर कोई अन्य कारबार कर रहा है, तो वह स्थान;
- (ख) यदि वह भारत में एक से अधिक स्थानों पर कोई अन्य कारबार कर रहा है तो उसके द्वारा भारत में कारबार के मुख्य स्थान के रूप में वर्णित स्थान; और

(iii) जहां कोई व्यक्ति भारत में कोई कारबाहर नहीं करता है किन्तु भारत में उसका निवास स्थान है, वहां भारत में ऐसा निवास स्थान।

4. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय :— (1) धारा 11(1) के अधीन भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 17(1) के अधीन प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने या यथास्थित, धारा 14 की उपधारा (1) या 17 की उपधारा (3) (छ) के अधीन विरोध की सूचना देने के लिए अथवा धारा 27 के अधीन परिशोधन के लिए आवेदन फाइल करने के लिए अथवा अधिनियम और नियमों के अधीन किन्हीं अन्य कार्यवाहियों के प्रयोजनों के लिए “भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय”—

ऐसे भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में जिसके रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् किया जाता है, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का वह कार्यालय होगा जिसका क्षेत्रीय सीमाओं के भीतर—

- (i) आवेदक का भारत में कारबाहर का मुख्य स्थान जो उसके आवेदन में प्रकट किया गया है या व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम की दशा में ऐसे आवेदक का भारत में कारबाहर का मुख्य स्थान जिसका नाम आवेदन में पहले इस रूप में वर्णित है कि उसका कारबाहर का ऐसा स्थान स्थित है;
- (ii) जहां, यथास्थिति, न तो आवेदक का और न व्यक्तियों या उत्पादकों के किसी संगम का भारत में कारबाहर का मुख्य स्थान है वहां आवेदन में यथाविनिर्दिष्ट भारत में तामील के लिए पते में वर्णित स्थान स्थित है।

(2) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, अधिनियम या नियमों द्वारा भेजे जाने, तामील किए जाने, छोड़े जाने या संदर्भ किए जाने के लिए प्राधिकृत या अपेक्षित सभी आवेदन, संसूचनाएं, दस्तावेज या फीस असंभ में केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित रजिस्ट्री के प्रधान कार्यालय को और बाद में उस समुचित कार्यालय को भेजी या पर संदर्भ की जाएगी जो समयानुसार अधिसूचित किया जाए।

5. कारबाहर के मुख्य स्थान या तामील के लिए पते में परिवर्तन से समुचित कार्यालय की अधिकारिता में परिवर्तन नहीं होगा :— ऐसे किसी भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में, जिसके लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् किया जाता है, रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक या व्यक्तियों अथवा उत्पादकों के किसी संगम के, यथास्थिति, भारत में कारबाहर के मुख्य स्थान या भारत में तामील के लिए पते में उस तारीख के पश्चात् किए गए किसी परिवर्तन से भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय की अधिकारिता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

6. रजिस्टर में समुचित कार्यालय की प्रविष्टि :—नियम 4 के उपनियम (2) के अधीन रहते हुए, अधिसूचित तारीख के पश्चात् रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक भौगोलिक उपदर्शन की बाबत रजिस्टर भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के रजिस्टर में प्रविष्टि कराएगा और रजिस्ट्रार, किसी भी समय, इस प्रकार की गई प्रविष्टि में किसी श्रुटि को सही कर सकेगा।

7. दस्तावेजों आदि को छोड़ना :—नियम 4 के उपनियम (2) में जैसा अन्यथा उपर्युक्त है उसके सिवाए, अ नियम या नियमों द्वारा भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री को किए जाने, तामील किए जाने, छोड़े जाने या भेजे जाने अथवा उस पर संदर्भ किए जाने के लिए प्राधिकृत या अपेक्षित सभी आवेदन, संसूचनाएं, कथन या अन्य दस्तावेज अथवा कोई फीस भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय को किए जाएंगे, तामील किए जाएंगे, छोड़े जाएंगे या भेजे जाएंगे अथवा उस पर संदर्भ की जाएगी।

8. दस्तावेज आदि जो ऐसे कार्यालय में फाइल की गयी या छोड़ी गई है जो समुचित कार्यालय नहीं है :—नियम 7 के उपर्युक्तों के अधीन रहते हुए, ऐसी आपादिक दशा में जहां अधिनियम या नियमों द्वारा प्राधिकृत या अपेक्षित कोई आवेदन, कथन या अन्य दस्तावेज या कोई फीस अनवधानता से किसी ऐसे कार्यालय को या पर किया जाता है, छोड़ा जाता है, भेजा जाता है या संदर्भ की जाती है जो भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय नहीं है और जब भी नियम 4 के उपनियम (2) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा इस अधिनियम के अधीन ऐसा कोई कार्यालय अधिसूचित किया जाता है तब रजिस्ट्रार लिखित अनुरोध पर ऐसे आवेदन, कथन या दस्तावेज को समुचित कार्यालय को लौटा सकेगा यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसे मामलों में आवेदक की ओर से वह सद्भावपूर्वक भूल थी :

परन्तु उस अवधि को जिस तक ऐसा आवेदन या कथन या दस्तावेज ऐसे कार्यालय द्वारा प्रतिधारित किया जाता है जो समुचित कार्यालय नहीं है, परिसीमा की अवधि की संगणना करने के प्रयोजन के लिए अपर्याप्ति किया जाएगा जहां ऐसा कोई आवेदन, कथन या दस्तावेज विहित अवधि के भीतर चेष्ठा किया जाना अपेक्षित है :

परन्तु रजिस्ट्रार ऐसे किसी अनुरोध को नामंजूर करने से पूर्व सुने जाने का अवसर प्रदान करेगा।

9. सूचनाओं आदि का जारी किया जाना :—नियम 4 के उपनियम (2) के अधीन रहते हुए, इस अधिनियम या नियमों के अधीन किसी आवेदन, विषय या कार्यवाही से संबंधित कोई सूचना या संसूचना सामान्यतः भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय से जारी की जाएगी किन्तु इसके अलावा भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के किसी कार्यालय के कार्यालय प्रमुख द्वारा भी जारी की जा सकेगी।

10. फीसें:—(1) अधिनियम या नियमों के अधीन आवेदनों, विरोधों, रजिस्ट्रीकरण, नकीकरण या किन्हीं अन्य विषयों की बाबत संदर्भ विनिर्दिष्ट की जाने वाली फीसें वे होंगी जो पहली अनुसूची में हैं जिन्हें इसमें इसके पश्चात् विहित फीसें कहा गया है।

(2) जहां किसी विषय की बाबत नियमों के अधीन किसी फीस का संदर्भ किया जाता अपेक्षित है वहां उसके लिए प्रस्तुप या आवेदन या अनुरोध याचिका के साथ विहित फीस दी जाएगी।

(3) फीस या तो नकद संदर्भ की जा सकेगी या भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रार को सम्बोधित मनीआर्डर द्वारा या उस स्थान पर जहां भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय स्थित है, किसी अनुसूचित बैंक द्वारा पुरोधृत बैंक ड्राफ्ट या उस के द्वारा दिए गए चैक द्वारा भेजी जा सकेगी और यदि डाक द्वारा भेजी गई है तो वह उस समय संदर्भ को गई समझी जाएगी जब मनीआर्डर या समुचित रूप से सम्बोधित बैंक ड्राफ्ट या चैक डाक के मामूली अनुक्रम में परिदृष्ट किया जाता है।

(4) बैंक ड्राफ्ट और चैक क्रास किए जाएंगे और भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय में रजिस्ट्रार को संदेश बनाए जाएंगे तथा वे उस स्थान पर जहां भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय स्थित है, अनुसूचित बैंक के नाम जारी किए जाएंगे।

(5) जहां दस्तावेज़ फाईल किए जाने की बाबत फीस संदेश है और या तो दस्तावेज़ विभागी फीस के फाईल किया जाता है या अपर्याप्त फीस के साथ फाईल किया जाता है वहां ऐसा दस्तावेज़ नियमों के अधीन किसी कार्यवाही के प्रयोजन हेतु फाईल भ किया गया समझा जाएगा।

(6) जहां रजिस्ट्रार किसी पक्षकार द्वारा संदर्भ किसी फीस को वापस किए जाने का अधिनियम या नियमों के किसी उपबंध के अधीन आदेश करता है वहां रकम मनीआर्डर द्वारा प्रतिदाय की जा सकेगी और उस दशा में मनीआर्डर का घटीशन ऐसी रकम से काट लिया जाएगा।

(7) रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में अधिसूचना के पश्चात् ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो उस निर्भित विनिर्दिष्ट की जाएं, इलेक्ट्रॉनिक फीस अंतरण सुविधाएं उपलब्ध करा सकेगा।

11. प्रस्तुप:—(1) दूसरी और तीसरी अनुसूची में वर्णित प्रस्तुप उन सभी दशाओं में प्रयोग किए जाएंगे जिनमें वे लागू होते हैं और अन्य दशाओं से निपटने के लिए उनमें रजिस्ट्रार द्वारा यथानिर्देशित उपांतरण किए जा सकेंगे।

(2) जब कोई भी प्रस्तुप भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय में फाईल किया जाए तब उसके साथ विहित फीस होगी।

(3) अनुसूची में यथावर्णित किसी प्रस्तुप का उपयोग करने के लिए इस विभाग के अधीन किसी अपेक्षा की पूर्ति उपयोगकर्ता द्वारा या तो उस प्रस्तुप की प्रतिकृति द्वारा की जाएगी या उस प्रस्तुप द्वारा जो रजिस्ट्रार द्वारा स्वीकार्य है और उसमें अनुसूची में यथावर्णित प्रस्तुप द्वारा अपेक्षित जानकारी अंतर्विष्ट है और ऐसे प्रस्तुप के उपयोग के बारे में किसी निदेश का पालन करता है।

(4) रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में अधिसूचना के पश्चात् ऐसे प्रस्तुपों को विनिर्दिष्ट कर सकेगा जो मशीन में पठनीय प्रस्तुप में प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित हैं उसके पश्चात् ऐसे प्रस्तुप ऐसी रीति से जैसे करेक्टर रिकाग्निशन या स्केनिंग द्वारा। पूरे किए जाएंगे जो कंप्यूटर में स्वैच्छिक की अंतर्वस्तु को अनुज्ञात करने के लिए विनिर्दिष्ट की जाए।

12. दस्तावेजों का आकार आदि:—(1) ऐसे किन्हीं अन्य निदेशों के अधीन रहते हुए जो रजिस्ट्रार द्वारा दिए जा सकेंगे, भौगोलिक उपदर्शन के सिवाए, अधिनियम या नियमों द्वारा भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री को किए जाने, तामील किए जाने, छोड़े जाने या भेजे जाने के लिए अपेक्षित सभी आवेदन, सूचनाएं, कथन या अन्य दस्तावेज़ मजबूत कागज पर और शपथपत्रों की दशा में के सिवाय, लगभग 33 सें. मी. × 20 सें. मी. के आकार पर केवल एक तरफ हिन्दी या अंग्रेजी में बड़े और सुपाद्य अक्षरों में गहरी और अमिट स्वाही में लिखे होंगे, टंकित होंगे या स्लिथोग्राफ किए होंगे और इसके बारे हाथ पर 4 सें. मी. से अन्यून्य का हासिया होगा।

(2) यदि रजिस्ट्रार द्वारा किसी भी समय ऐसी अपेक्षा की जाये तो भौगोलिक उपदर्शन की प्रतियों सहित दस्तावेजों की दूसरी प्रतियां भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में फाईल की जायेंगी।

(3) रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में अधिसूचना के पश्चात् नियमों के अधीन अपेक्षित सभी आवेदनों, सूचनाओं, कथनों या अन्य दस्तावेजों ताँत्र व्रक्तियों के आकार को, मशीन से पठनीय रूप के अनुरूप बनाने के लिए परिवर्तित कर सकेगा।

4. रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में अधिसूचना के पश्चात् आवेदनों, कथनों, सूचनाओं या अन्य दस्तावेजों के इलेक्ट्रॉनिक में अधीन रहते हुए फाईल किए जाने को अनुज्ञात कर सकेगा जिन्हें वह या तो साधारणतः या जर्नल में प्रकाशित सूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करने या किसी विशिष्ट मामले में ऐसे व्यक्तियों को लिखित सूचना द्वारा विनिर्दिष्ट कर सकेगा जो ऐसे साधनों द्वारा ऐसा कोई दस्तावेज़ फाईल करना चाहते हैं।

13. दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना:—(1) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए ऐसे आवेदन पर जो व्यक्तियों या उत्पादकों के किसी संगम द्वारा फाईल किए जाने के लिए तात्पर्यहै, ऐसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए उनके संगम के प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा या उसके अधीन स्थापित निकाय या किसी संगठन या किसी प्राधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए

जाने के लिए तात्पर्यित दस्तावेज पर ऐसे संगठन के मुख्य कार्यपालक या प्रबंध निदेशक या सचिव अथवा अन्य मुख्य अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे । भागीदारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाने के लिए तात्पर्यित किसी दस्तावेज पर कम से कम एक भागीदार द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे । किसी व्यक्ति ने व्यक्तियों के किसी संगम या निगमित निकाय की ओर से दस्तावेज पर जिस हैसियत से हस्ताक्षर किए हैं वह उसके हस्ताक्षर के नीचे लिखी जाएगी ।

(2) किसी आवेदन और किन्हीं अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षरों के साथ अंग्रेजी या हिन्दी में और स्पष्ट अक्षरों में हस्ताक्षरकर्ता का नाम भी दिया जाएगा ।

14. दस्तावेजों की तामील—(1) अधिनियम या नियमों द्वारा भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री, को या रजिस्ट्रार को या किसी अन्य व्यक्ति को किए जाने, उस पर तामील किए जाने, छोड़ जाने या भेजे जाने के लिए प्राधिकृत या अपेक्षित अपने अध्यावेदनों सहित कागज या अन्य दस्तावेज डाक से पूर्व संदर्भ पत्र द्वारा भेजे जा सकेंगे ।

(2) इस भांति भेजे गए किसी आवेदन या किसी दस्तावेज की बाबत यह समझा जाएगा कि वह उस समय दिया गया तामील किया गया, छोड़ गया या भेजा गया था जब वह चिट्ठी जिसके साथ थे हैं, डाक के मामूली अनुक्रम में परिदृश्य की जाती है ।

(3) यह बात कि वह ऐसे भेजा गया है सिद्ध करने के लिए केवल यही सिद्ध करना पर्याप्त होगा कि पत्र पर ठीक पता लिखकर डाक में डाल दिया गया था ।

15. आवेदकों और अन्य व्यक्तियों के पते आदि में अन्य विशिष्टियाँ—(1) व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम, प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं और अन्य व्यक्तियों के नाम और पते पूरे दिए जाएंगे जिनके साथ उनकी राष्ट्रिकता आजीविका और ऐसी अन्य विशिष्टियाँ होंगी जो उनकी पहचान के लिए आवश्यक हों ।

(2) निगमित निकाय की दशा निदेशक बोर्ड के पूरे नाम और राष्ट्रिकता का कथन किया जाएगा ।

(3) ऐसे विदेशी आवेदकों और व्यक्तियों की दशा में जिनका भारत में कारबाह का कोई मुख्य स्थान नहीं है, उनके अपने देश वाले पते भी भारत में तामील के लिए उनके पतों के अतिरिक्त दिए जाएंगे ।

(4) तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा या उसके अधीन स्थापित निगमित निकाये किसी संगठन या प्राधिकारी की दशा में, यथास्थिति, निगमन का देश या रजिस्ट्रीकरण की प्रकृति, यदि कोई हो, दी जाएगी ।

16. आवेदन में भारत में कारबाह के मुख्य स्थान का कथन—(1) भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन में आवेदक या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के भारत में कारबाह के मुख्य स्थान का, यदि कोई है अथवा, व्यक्तियों या माल के उत्पादकों के संगम की दशा में उनके जिनका भारत में कारबाह का मुख्य स्थान है, कारबाह के मुख्य स्थान का कथन किया जाएगा ।

(2) नियम 17, 18 और 20 के उपबंधों के अधीन रहते हुए किसी आवेदक या उसके अधिकर्ता या किसी प्राधिकृत उपयोगकर्ता या उसके अधिकर्ता अथवा व्यक्तियों के संगम की दशा में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के संबंध में किसी मामले में कार्य करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति या उसके अधिकर्ता को आवेदन में उसके द्वारा दिए गए भारत उसके कारबाह के मुख्य स्थान के पते पर भेजी गई प्रत्येक लिखित संसूचना के बारे में यह समझा जाएगा कि उस पर सही पता लिखा है ।

17. तामील के लिए पता—(1) निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा भारत में तामील के लिए पता दिया जाएगा ।

(क) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक ऐसे आवेदक या भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता द्वारा जिसका भारत में कारबाह को कोई मुख्य स्थान नहीं है;

(ख) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम की दशा में यदि उनमें से किसी का भारत में कारबाह का मुख्य स्थान नहीं है;

(ग) भौगोलिक उपदर्शन के लिए ऐसे आवेदक द्वारा जिसका रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने की तारीख को भारत में कारबाह मुख्य स्थान था किन्तु आद में उसका ऐसा कोई स्थान नहीं रहा है; और

(घ) अधिनियम या नियमों के अधीन किसी कार्यवाही में प्रत्येक आवेदक या प्राधिकृत उपयोगकर्ता द्वारा और विरोध की सूचना फाइल करने वाले का प्रत्येक ऐसे व्यक्ति द्वारा जिस का भारत में मुख्य स्थान नहीं है;

(ङ) ऐसे प्रत्येक व्यक्ति द्वारा जिसे नियम 67 के अधीन मद्यक्षेप करने की इजाजत दी गई है (मद्यक्षेपी);

(च) रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के प्रत्येक स्वतःधारी द्वारा जो रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के विधिमान्यकरण या परिशोधन के लिए रजिस्ट्रार को किए गए किसी आवेदन की विषय-वस्तु है।

(छ) धारा 27 की उपधारा (1) और (2) के अधीन भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता से संबंधित रजिस्टर में किसी प्रविष्टि को रह करने, निकालने, परिवर्तित करने के लिए प्रत्येक आवेदक द्वारा ।

(2) किसी व्यक्ति को, उसके द्वारा दिए गए पूर्वोक्त रूप में भारत में तामील के लिए किसी पते पर संबोधित कोई लिखित संसूचना समुचित रूप से संबोधित समझी जाएगी।

(3) जब तक कि उप नियम (1) में अपेक्षित भारत में तामील के लिए पता नहीं दिया जाता तब तक रजिस्ट्रार कोई ऐसी सूचना जो अधिनियम या नियमों द्वारा अपेक्षित हो, भेजने के लिए बाध्य नहीं होगा और कार्यवाहियों में कोई पश्चात्वर्ती आदेश या विनिश्चय सूचना की किसी कमी या तामील न होने के आधार पर प्रश्नगत नहीं किया जाएगा।

18. आवेदन और विरोध कार्यवाहियों में तामील के लिए पता.—(1) भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक या विरोध की सूचना फाइल करने वाला विरोधी इस बात के होते हुए भी कि उसका भारत में कारबाह का मुख्य स्थान है, उस दशा में जिसमें ऐसा करने की उसकी इच्छा है, रजिस्ट्रार को भारत का ऐसा पता दे सकेगा जिस पर ही आवेदन या विरोध संबंधी कार्यवाहियों के संबंध में सूचना भेजी जा सकेगी। जब तक कि आवेदक या प्राधिकृत उपयोगकर्ता या विरोधी का ऐसा पता आद में रह नहीं किया जाता तब तक वह यथास्थिति आवेदक या प्राधिकृत उपयोगकर्ता या विरोधी का वास्तविक पता होगा और आवेदन या विरोध की सूचना संबंधी सभी संसूचनाओं और दस्तावेजों की तामील उन्हें, यथास्थिति, आवेदक या प्राधिकृत उपयोगकर्ता या विरोधी के ऐसे पते पर छोड़कर या डाक द्वारा भेज कर की जा सकेगी।

19. तामील के लिए पते का उपलब्ध न होना.—(1) रजिस्ट्रार को जब कभी रजिस्टर में प्रविष्ट भारत में तामील के लिए पते की लगातार उपलब्धता के संबंध में कोई शंका उद्भूत हो जाती है, उस व्यक्ति से जिसके निमित्त यह रजिस्टर में प्रविष्ट किया गया है, रजिस्टर में प्रविष्ट कसी अन्य पते पर भेजे गए पत्र द्वारा अथवा यदि रजिस्टर में कोई ऐसा पता प्रविष्ट नहीं किया गया है तो उस पते पर जिसकी बाबत रजिस्ट्रार का यह व बार है कि उस पते से पत्र ऐसे व्यक्ति को मिल जाएगा, यह प्रार्थना करेगा कि वह भारत में तामील के लिए पते की पुष्टि करे और यदि ऐसे प्रार्थना नहरने के दो मास के भीतर ऐसी पुष्टि रजिस्ट्रार को प्राप्त न हो तो वह भारत में तामील के लिए पते विषयक जो प्रविष्ट रजिस्टर में हैं, उसे काट सकेगा और ऐसे व्यक्ति से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह व्यक्ति भारत में तामील के लिए नया पता या भारत में कारबाह के मुख्य स्थान का, यदि उस समय उसका कोई है, अपना पता दे।

20. अधिकरण.—(1) धारा 76 के प्रयोजनों के लिए अधिकर्ता का प्राधिकार प्ररूप भौ.उ. 10 में या ऐसे अन्य लिखित प्ररूप में अनुदित किया जाएगा जैसा रजिस्ट्रार पर्याप्त और ठीक समझे।

(2) ऐसे प्राधिकार की दशा में, कार्यवाहियों या विषय से संबंधित किसी दस्तावेज की अधिकर्ता पर तामील की आबत यह समझा जाएगा कि वह उसे ऐसे प्राधिकृत करने वाले व्यक्ति पर तामील है। कार्यवाही या विषय से संबंधित सभी संसूचनाएं जिनकी बाबत यह निर्दिष्ट है कि वे ऐसे व्यक्ति को भेजी जाएं, ऐसे अधिकर्ता को संबोधित हो सकेंगी और रजिस्ट्रार के सम्मुख तत्संबद्ध हाजिरी ऐसे अधिकर्ता द्वारा या उसके माध्यम द्वारा की जा सकेंगी।

(3) किसी विशिष्ट दशा में रजिस्ट्रार किसी आवेदक, विरोधी, प्राधिकृत अधिकर्ता या अन्य व्यक्ति के निजी हस्ताक्षर या वैयक्तिक उपस्थिति की अपेक्षा कर सकेगा।

21. माल का वर्गीकरण.—(1) भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के प्रयोजनों के लिए, माल को चौथी अनुसूची में उल्लिखित रीति में वर्गीकृत किया जाएगा।

(2) चौथी अनुसूची में वर्णित माल केवल ऐसे साधनों का उपबंध करता है जिनके द्वारा अंकित अंतर्राष्ट्रीय वर्गों की साधारण अंतर्वस्तु को शीघ्र पहचाना जा सके। वे प्रत्येक वर्ग की मुख्य अंतर्वस्तु के तदरूप हैं और माल के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण के अनुसार निःशेषित किए जाने के लिए आशयित नहीं हैं। विशिष्ट माल के वर्गीकरण का अवधारण करने के लिए और अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण की अंतर्वस्तु के पूरे प्रकटन के लिए धारा 8 की उपधारा (3) के अधीन रजिस्ट्रार द्वारा प्रकाशित माल की वर्णानुक्रम में अनुक्रमणिका, यदि कोई हो, या विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा प्रकाशित व्यापार चिन्हों के रजिस्ट्रीकरण के प्रयोजन के लिए माल के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण के चालू संस्करण अथवा किसी पश्चात्वर्ती संस्करण जो उपलब्ध हो, के प्रति निर्देश किया जा सकेगा।

(3) जहां एक से अधिक वर्ग का माल आवेदन में वर्णित है जिसके लिए केवल एक आवेदन फीस का संदाय किया गया है वहां रजिस्ट्रार आवेदक से माल को एकल वर्ग तक निबंधित करने के लिए आवेदन का संशोधन करने की अपेक्षा करेगा।

22. तत्वाशी के लिए रजिस्ट्रार से निवेदन.—कोई व्यक्ति रजिस्ट्रार से प्ररूप भौ.उ. 5 में यह निवेदन कर सकेगा कि रजिस्ट्रार चौथी अनुसूची के किसी एक वर्ग में रखे गए विनिर्दिष्ट माल की बाबत यह अभिनिश्चय करने के लिए खोज कराए कि कोई ऐसा भौगोलिक उपदर्शन अभिलेख में दर्ज है जो उसे व्यापार घिह के सदृश्य है जिसकी दो समाकृतियां प्ररूप के साथ हैं। रजिस्ट्रार ऐसी खोज कराएगा और ऐसी खोज के परिणाम को आवेदक को सूचित करेगा।

भाग-2

भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रक्रिया

23. आवेदन का प्ररूप और हस्ताक्षरण.—(1) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन विहित प्ररूप में किया जाएगा और उस पर आवेदक या उसके अधीकर्ता द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे तथा पक्षकथन की तीन प्रतियों के साथ तीन प्रति में किया जाएगा।

(2) किसी एक वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए भौगोलिक उपदर्शन को रजिस्टर करने के लिए आवेदन प्ररूप भौ. उ.—1 में किया जाएगा।

(3) किसी अभिसमय देश से किसी एक वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए धारा 84 (1) के अधीन भौगोलिक उपदर्शन की रजिस्टर करने के लिए आवेदन प्ररूप भौ. उ.—1 में किया जाएगा।

(4) धारा 84 (1) के अधीन अभिसमय देश से विभिन्न वर्गों के माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन प्ररूप भौ. उ.—1 में किया जाएगा।

(5) माल के विभिन्न वर्गों के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन प्ररूप भौ.उ.—1 में किया जाएगा।

(6) माल के भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन निम्नलिखित शर्तों को पूरा करेगा :—

(क) भौगोलिक उपदर्शन पर्याप्त रूप से स्पष्टतः परिभाषित किया जाएगा जिससे भौगोलिक उपदर्शन के उत्तराधिकार के संबंध में अनुतोष प्राप्त करने का अधिकार अवधारित किया जा सके;

(ख) ग्राफीय समाकृति उसके संबंध में नमूने की आवश्यकता के बिना भौगोलिक उपदर्शन का स्थान लेने में समर्थ होनी चाहिए;

(ग) यह युक्तियुक्त रूप से व्यवहारिक होना चाहिए कि रजिस्टर का निरीक्षण करने वाले या भौगोलिक उपदर्शन जर्नल पढ़ने वाले ग्राफीय समाकृति से इस बारे में समझ सकें कि भौगोलिक उपदर्शन क्या है;

(घ) त्रि-विभिन्नीय भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर उस रूप में तब तक कार्रवाई नहीं की जाएगी जब तक कि रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में उस आशय का कथन न हो ;

(ङ) जहां रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में भौगोलिक उपदर्शन के एक तत्व के रूप में रंग समुच्चय का दावा किया जाता है वहां उस पर तब तक कार्रवाई नहीं की जाएगी जब तक आवेदन में उस आशय का कथन न हो और रंगों को विनिर्दिष्ट न किया गया हो।

(7) धारा 15 के परंतुक के अधीन आवेदन को विभाजित करने के लिए संशोधन प्ररूप भौ. उ.-5 में किया जाएगा।

(8) प्रत्येक आवेदन यथास्थिति, माल के वर्ग या वर्गों के, केवल एक भौगोलिक उपदर्शन की आवश्यकता होगा भले ही उक्त माल के कई वर्ग किए जा सकते हों।

(9) रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन के अधिक संक्षिप्त विवरण की अपेक्षा कर सकेगा यदि वह रंग समुच्चय, त्रि-विभिन्नीय भौगोलिक उपदर्शन, डिजाइन के संबंध में हैं जो माल या पैकेज के भौगोलिक उपदर्शन में सारभूत अधिकारों के मानांकन के लिए एक निश्चित संकल्पना या आकृति के प्रतीक हैं।

(10) जहां आवेदक एक या अधिक वर्गों के लिए एकल आवेदन फाइल करता है और रजिस्ट्रार यह अवधारण करता है कि वह माल जिसके लिए आवेदन किया गया है, उन वर्गों के अतिरिक्त जिनके लिए आवेदन किया गया है, किसी वर्ग या वर्गों में आता है वहां आवेदक माल के विनिर्देश को आवेदित वर्ग तक निर्भायत रख सकेगा या समुचित वर्ग फीस और विभाजन फीस के संदाय पर अतिरिक्त वर्ग या वर्गों को जोड़ने के लिए आवेदन का संशोधन कर सकेगा। विभाजन के माध्यम से सुजित नया वर्ग मूल आवेदन फाइल करने की तारीख के फायदे को कायम रखता है या किसी अभिसमय देश से आवेदन की दशा में, धारा 84 की उपधारा (1) के अधीन अभिसमय आवेदन की तारीख उसी दावे को उपलब्ध कराती है जो मूल आवेदन में उचित रूप से प्रकथित किया गया था।

24. अभिसमय ठहराव के अधीन आवेदन.—(1) जहां किसी भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन धारा 84 के अधीन किसी अभिसमय देश से आवेदक द्वारा फाइल किया जाता है वहां अभिसमय देश के भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री या उस कार्यालय के सक्षम प्रधिकारी द्वारा प्रमाणपत्र, यथास्थिति, नियम 23 के उपनियम (3) या उपनियम (4) के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में सम्मिलित किया जाएगा और इसमें भौगोलिक उपदर्शन, उक्त देश और अभिसमय देश में प्रथम आवेदन फाइल करने की तारीख या तारीखों की विशिष्टियां और रजिस्ट्रार द्वारा यथाअपेक्षित अन्य विशिष्टियां भी होंगी।

(2) जब तक कि रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन फाइल करने के समय ऐसा प्रमाणपत्र फाइल नहीं किया गया है तब तक, यथास्थिति, नियम 23 के उपनियम (3) या उपनियम (4) के अधीन आवेदन फाइल किए जाने से दो माह के भीतर रजिस्ट्रार के सामाधान के लिए आवेदन

फाइल करने की तारीख, देश भौगोलिक उपदर्शन की समाकृति, आवेदन के अंतर्गत आने वाले वर्ग और माल को प्रमाणित और सत्यापित करते हुए फाइल किया जाएगा।

(3) उपनियम (1) के अधीन अवलंबित आवेदन अभिसमय देश में उसी भौगोलिक उपदर्शन के लिए और उस आवेदन के अधीन सभी या किसी माल के लिए आवेदक का प्रथम आवेदन होना चाहिए। आवेदन में विदेशी आवेदन जिसका अवलंब किया गया है, फाइल करने की तारीख, उस अभिसमय देश जहां यह फाइल किया गया था, क्रम संख्या, यदि उपलब्ध हो, का संकेत और कि अभिसमय आवेदन की तारीख जिसका दावा किया गया है, संकेत देने वाला कथन होगा।

(4) जहां अभिसमय देश से धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन माल के किसी एक या अधिक वर्गों के लिए भौगोलिक उपदर्शन की बाबत एकल आवेदन प्राप्त होता है वहां आवेदक को सभी वर्गों में अभिसमय आवेदन तिथि के लिए नियमित विधिमान्य आधार स्थापित करना होगा।

25. आवेदनों में उपयोगकर्ता का विवरण.—भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्टर करने के लिए आवेदन में उस अवधि का जिसके दौरान और उस व्यक्ति का जिसके द्वारा आवेदन में वर्णित माल की आबत उसका उपयोग किया गया है, कथन होगा आवेदक ऐसे आयोगकर्ता का साक्ष्य देते हुए एक शपथपत्र और उसके साथ उस भौगोलिक उपदर्शन को दर्शित करते हुए प्रदर्श फाइल करेगा कि उनका कितना उपयोग हुआ है या उस भौगोलिक उपदर्शन के अधीन उसके विक्रय में कितनी मात्रा है, देश का निश्चित गण्यक्षेत्र क्या है, उस देश में प्रदेश या क्षेत्र कौन सा है जिससे भौगोलिक उपदर्शन संबंधित है और ऐसी अन्य विशिष्टियां भी होंगी जिनकी रजिस्ट्रार आवेदन का परिशीलन करते समय आवेदकों से मांग कर सकेगा।

26. भौगोलिक उपदर्शन की समाकृति.—भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन में और जहां आवेदन की अतिरिक्त प्रतियां अपेक्षित हों वहां ऐसी प्रत्येक प्रति में आवेदन प्रस्तुत रूप में उस प्रयोजन के लिए उपबंधित स्थान पर भौगोलिक उपदर्शन की समाकृति होगी और प्रत्येक ऐसी समाकृति का आकार 33 सेंटीमीटर × 20 सेंटीमीटर से अधिक नहीं होगा और उसके बाएं हाथ की ओर 4 सेंटीमीटर का पार्श्व होगा।

27. अतिरिक्त समाकृतियां.—(1) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन, इसमें इसके पश्चात् उपबंधित के सिवाय, तीन प्रतियों में किया जाएगा और उसके साथ भौगोलिक उपदर्शन की पाँच अतिरिक्त समाकृतियां होंगी। आवेदन पर और उसकी प्रतियों में से प्रत्येक प्रति पर की भौगोलिक उपदर्शन की समाकृति या और अतिरिक्त समाकृति या ठीक एक-दूसरे के सदृश्य होंगी। अतिरिक्त समाकृतियां सभी अवस्थाओं में उसी माल के जिसके लिए रजिस्ट्रीकरण चाहा गया है, विनिर्देश और वर्ग, आवेदक के नाम और पते तथा उसके अधिकर्ता के नाम और पते, यदि कोई हो, उपयोग की कालावधि और ऐसी अन्य विशिष्टियों के जैसी कि समय-समय पर रजिस्ट्रार द्वारा अपेक्षा की जाए, साथ दीपी जाएगी और आवेदक या उसके अधिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होंगी।

(2) जहां आवेदन में इस आशय का कथन अन्तर्विष्ट हो कि आवेदक, भौगोलिक उपदर्शन के विशिष्ट संक्षण के रूप में, रंगों के समुच्चय का दाख करना चाहता है वहां आवेदन के साथ भौगोलिक उपदर्शन के काले और सफेद रंग में तीन प्रत्युष्पादन होंगे और भौगोलिक उपदर्शन के पाँच रंगीन प्रत्युष्पादन होंगे।

(3) (i) जहां भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में माल की या उसके पैकेजिंग की आकृति अन्तर्विष्ट है वहां तैयार किए गए प्रत्युष्पादन के अन्तर्गत उस भौगोलिक उपदर्शन के कम से कम तीन विभिन्न विक्र होंगे और भौगोलिक उपदर्शन का शब्द में विवरण होगा।

(ii) यदि रजिस्ट्रार उप-पैरा (i) में भौगोलिक उपदर्शन के विभिन्न विक्रों या वर्णों के बारे में यह समझता है कि वे माल या उसकी पैकेजिंग की विशिष्टियों को पर्याप्त रूप से दर्शित नहीं करते हैं तो वह आवेदक से यथास्थिति, उस माल या पैकेजिंग का नमूना देने के लिए कह सकता है जैसा भौगोलिक उपदर्शन की आबत बेचा जा रहा है।

28. समाकृति टिकाऊ और संतोषजनक होनी चाहिए.—(1) भौगोलिक उपदर्शन की सभी समाकृतियां टिकाऊ प्रकृति ही होनी चाहिए और रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के साथ फाइल किए जाने के लिए अपेक्षित प्रत्येक अतिरिक्त समाकृति लगभग 33 सेंटीमीटर × 20 सेंटीमीटर के आकार के मजबूत कागज पर उभरी हुई होनी चाहिए और उस कागज के बाएं भाग में कम से कम आर्थिक लगभग होना चाहिए।

(2) यदि रजिस्ट्रार का भौगोलिक उपदर्शन की किसी समाकृति से समाधान नहीं होता है तो वह आवेदन पर कार्यकारी करने से पूर्व किसी भी समब उसमें यह अपेक्षा कर सकेगा कि उसके बदले में उसकी संतुष्टि के लिए अन्य समाकृति लगायी जाए।

29. लिप्यन्तरण और अनुवाद—(1) जहां भौगोलिक उपदर्शन में एक या कई शब्द देवनागरी या रोमन लिपि से भिन्न किसी लिपि में हैं वहां रजिस्ट्रार के समाधान के लिए ऐसे प्रत्येक शब्द का पर्याप्त लिप्यन्तरण और अनुवाद आवेदन और अतिरिक्त समाकृति पर पृष्ठांकित किया जाएगा कि और ऐसे प्रत्येक पृष्ठांकन में वह भाषा कथित होगी जिसके बे शब्द हैं और आवेदक या उसके अधिकर्ता द्वारा उस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे जिसके असफल रहने पर रजिस्ट्रार आवेदन पर कोई कारबाई करने के लिए बाध्य नहीं होगा।

(2) जहां भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के लिए आवेदन में हिन्दी या अंग्रेजी से भिन्न भाषा का शब्द है या हैं वहां रजिस्ट्रार यह मांग कर सकेगा कि इसका सभी अनुवाद और उस भाषा का नाम दिया जाए और ऐसा अनुवाद और नाम उस सूरत में उपर्युक्त रूप में पृष्ठांकित और हस्ताक्षरित किया जाएगा जिसमें कि वह ऐसी अपेक्षा कर सकता है।

30. भौगोलिक उपदर्शन पर माल का नाम या अभिवर्णन .—जहां माल का नाम या अभिवर्णन भौगोलिक उपदर्शन में दिया हुआ है वहां रजिस्ट्रार ऐसे भौगोलिक उपदर्शन को रजिस्टर करने से इंकार कर सकेगा।

31. कमियों :—नियम 10 के उपनियम (2) के अधीन रहते हुए, जहां भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन धारा 11 या नियम 23 की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है वहां रजिस्ट्रार आवेदकों को उन कमियों को दूर करने के लिए उसकी सूचना भेजेगा और यदि ऐसी सूचना की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर आवेदक उसके द्वारा इस प्रकार अधिसूचित किसी कमी को दूर करने में असफल रहता है तो आवेदन परिवर्तन समझा जाएगा।

किसी भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर प्रक्रिया

32. आवेदन की अन्वर्तनता :—(1) किसी भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन विहित प्ररूप में किया जाएगा और उसमें निम्नलिखित अन्तर्विष्ट होगा,—

- (i) इस बारे में कथन कि भौगोलिक उपदर्शन माल के बारे में विनिर्दिष्ट विवरण, प्रतिष्ठा या अन्य लक्षणों की बाबत जो अनन्यतः या अनिवार्यतः भौगोलिक पर्यावरण में अपेक्षित हैं तथा उसकी अन्तर्विहित प्राकृतिक और मानवीय पहलुओं की बाबत कैसे अभिहित करेगा कि वह माल उक्त देश से संबंधित राष्ट्र क्षेत्र या उक्त देश के उत्पादन या क्षेत्र से ही उद्भूत है और उसका उत्पादन, प्रसंस्करण या तैयारी यथास्थिति उसी राष्ट्र क्षेत्र, क्षेत्र या प्रदेश में ही हुई है;
- (ii) माल का वह वर्ग जिसको भौगोलिक उपदर्शन उपयोजित किया जाएगा;
- (iii) उस देश के राष्ट्रक्षेत्र या उस देश में प्रदेश या क्षेत्र का भौगोलिक मानवित्र जिसमें माल उत्पादित या उद्भूत हुआ है या विनिर्मित किया जा रहा है;
- (iv) भौगोलिक उपदर्शन के प्रकटीकरण के बारे में विशिष्टियां कि क्या इसमें शब्द या प्रतिकात्मक तत्व हैं या दोनों हैं;
- (v) ऐसा कथन जिसमें सम्बद्ध माल के उत्पादकों की ऐसी विशिष्टियां होंगी जो आरम्भ में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए प्रस्तावित हैं उक्त कथन में धारा 11 (2) (च) में वर्णित उत्पादकों की ऐसी अन्य विशिष्टियां भी हो सकेंगी जिनके अंतर्गत उस माल के जिसकी बाबत आवेदन किया जाता है, सभी उत्पादकों का सामूहिक उल्लेख होगा।
- (vi) आवेदन में अंतर्विष्ट कथन में निम्नलिखित भी सम्मिलित होगा,—
 - (क) इस बारे में शपथपत्र कि आवेदक व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम या किसी संगठन या विभिन्न द्वारा या उसके अधीन स्थापित प्राधिकारी के हित का प्रतिनिधित्व करने का दावा कैसे कर रहा है;
 - (ख) भौगोलिक उपदर्शन के प्रयोग के लिए मामकों का बैंचमार्क या ऐसे माल के उत्पादन, समुपयोजन, निर्माण या विनिर्माण के संबंध में औद्योगिक मानदंड जिसकी विनिर्दिष्ट गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य लक्षण हैं जो उसमें अन्तर्विलित मानवीय रचना के विस्तृत विवरण के साथ अपने भौगोलिक उद्भव के फलस्वरूप माना जा सकता है यथास्थिति उक्त देश, प्रदेश या क्षेत्र की विशिष्ट सीमा से अन्य विशिष्टियां;
 - (ग) ऐसे माल की बाबत जिसके संबंध में भौगोलिक उपदर्शन है, मानक, गुणवत्ता, विश्वसनीयता और संगतता या अन्य विशेष लक्षणों को सुनिश्चित करने के लिए तंत्र की विशिष्टियां जो माल के उत्पादक, निर्माता या विनिर्माता द्वारा रखी जानी हैं;
 - (घ) आवेदन के साथ उस राष्ट्रक्षेत्र, प्रदेश या क्षेत्र के मानवित्र की तीन प्रमाणित प्रतियां जिसमें प्रकाशक का हक, नाम और उसके जारी किए जाने की तारीख दर्शित की जाएगी;
 - (ङ) उसमें अन्तर्विलित विशेष मानवीय कौशल या भौगोलिक पर्यावरण की आद्रतीयता या भौगोलिक उपदर्शन से सहबद्ध अन्य अन्तर्विहित लक्षण या लक्षणों की विशिष्टियां जिनके संबंध में आवेदन हैं;
 - (च) संबंद्धमाल के उत्पादों के हित का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्तियों के संगम या संगठन अथवा प्राधिकारी का पूरा नाम और पता;
 - (छ) उस माल की बाबत जिसके संबंध में आवेदन किया गया है, आवेदन में वर्णित विशिष्ट राष्ट्र क्षेत्र में भौगोलिक उपदर्शन के उपयोग को विनियमित करने के लिए निरीक्षण संरचना, यदि कोई हो, की विशिष्टियां;
 - (ज) जहां भौगोलिक उपदर्शन किसी पूर्व रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के श्रुतिसम है वहां रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन से और आवेदक द्वारा अपनाए गए संरक्षात्मक उपायों की विशिष्टियों से विभेद करने वाले तात्त्विक पहलू हैं जो ऐसे माल के उपभोक्ताओं को सुनिश्चित करते हैं कि ऐसे रजिस्ट्रीकरण के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं को वे माल भ्रमित या गुमराह नहीं करेंगे।

(2) आवेदनों की प्राप्ति की अभिस्थीकृति—किसी भी माल की आबत भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन, उसकी प्राप्ति पर, रजिस्ट्रार द्वारा अभिस्थीकृत किया जाएगा। उसकी अभिस्थीकृति आवेदक द्वारा अपने आवेदन के साथ फाइल की गई भौगोलिक उपदर्शन की अतिरिक्त समाकृतियों में से एक को आवेदन पर सम्बद्धरूप से डाली गई शासकीय संख्या के साथ लौटा कर की जाएगी।

33. आवेदन की जांच :—रजिस्ट्रार, किसी आवेदन की प्राप्ति पर, उस आवेदन की और मामले के कथन की नियम 32 (1) के अधीन यथा अपेक्षित इस बारे में जांच करेगा कि क्या वह अधिनियम और नियमों की अपेक्षाओं को पूरा करता है और इस प्रयोजन के लिए नियम 32 (1) में निर्दिष्ट मामले के कथन में दी गई विशिष्टियों की शुद्धता को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए, यदि अपेक्षित हो विधि की विभिन्न पेचीदगियों से परिमित या उस क्षेत्र में सुविधात्मक संगठन या प्राधिकारी या व्यक्तियों में से, सात से अनधिक प्रतिविधियों के परामर्शी गुप्त का गठन कर सकेगा जिसका अध्यक्ष वह स्वयं होगा जो सामान्यतः परामर्शी गुप्त के गठन की तारीख से तीन मास के भीतर अंतिम रूप से तय करेंगे। उस पर रजिस्ट्रार आवेदक को, आवेदन किए जाने पर, जांच रिपोर्ट जारी करेगा।

34. आवेदन पर आक्षेप :—(1) यदि आवेदन पर उसके गुणागुण पर और उपयोग के ऐसे माल की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य लक्षणों के साक्ष्य पर जो उसके भौगोलिक मूल के फलस्वरूप तात्पर्यित हैं या किसी अन्य सुसंगत विषय पर जिसे देने की आवेदक से अपेक्षा की जा सकेगी, विचार करने के पश्चात् रजिस्ट्रार के पास आवेदन को स्वीकार करने के बारे में में कोई आपत्ति है या वह उसे ऐसी शर्तों, संशोधनों, उपांतरणों या परिसीमाओं के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह अधिरोपित करना ठीक समझे, स्वीकार करने का प्रस्ताव करता है तो रजिस्ट्रार ऐसे आक्षेप या प्रस्ताव को आवेदक को लिखित में संसूचित करेगा।

(2) यदि उपनियम (1) में वर्णित संसूचना की तारीख से दौ मास के भीतर आवेदक यथास्थिति, अपने आवेदक का पूर्वोक्त प्रस्ताव के अनुपालन संशोधन नहीं करता या रजिस्ट्रार को अपने विचार प्रस्तुत करता है अथवा सुनवाई के लिए आवेदन करता है या सुनवाई में उपस्थिति होने में असफल रहता है तो आवेदन खारिज कर दिया जाएगा।

35. रजिस्ट्रार का विनिश्चय :—(1) रजिस्ट्रार ने जो विनिश्चय नियम 34 या नियम 37 के अधीन सुनवाई के पश्चात् या उस सूरत में सुनवाई बिना जिसमें कि आवेदक ने अपनी आबत लिखकर सम्बूद्ध कर दी है और यह कथन कर दिया है कि मैं अपनी सुनवाई नहीं चाहता हूं, किया है, उसकी लिखित संसूचना आवेदक को दी जाएगी और यदि आवेदक ऐसे विनिश्चय की अपील करने का अपना आशय रखता है तो वह ऐसी संसूचना की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर रजिस्ट्रार से अनुरोध कर सकेगा कि रजिस्ट्रार अपने विनिश्चय के आधारों का और उन सामग्रियों का जिनका उपयोग उसने अपना विनिश्चय करने के लिए किया है, लिखित कथन करे।

(2) उस अवस्था में जिसमें कि रजिस्ट्रार ऐसी कई अपेक्षाएं करता है, आवेदक को जिनकी आबत कोई आपत्ति नहीं है, आवेदक उन अपेक्षाओं का अनुपालन रजिस्ट्रार द्वारा उपनियम (1) के अधीन लिखित कथन दिए जाने के पूर्व करेगा।

(3) जिस तारीख को लिखित कथन उपधारा (1) के अधीन भेजा जाता है, वह तारीख अपील के प्रयोजन के लिए वह तारीख समझी जाएगी जिसको रजिस्ट्रार ने अपना विनिश्चय किया है।

36. आवेदन में शुद्धि और संशोधन :—भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक अपने आवेदन में या तो तत्संबंधी किसी गलती को शुद्ध करने के लिए या आवेदन में कोई संशोधन करने के लिए आवेदन के साथ विहित फीस देकर अपने आवेदन के प्रतिग्रहण के या तो पूर्व या पश्चात् किंतु भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण से पूर्व प्ररूप भौ.उ.-५ में कर सकेगा परन्तु ऐसे प्रस्तावित संशोधन भौगोलिक उपदर्शन के संशोधन या माल के वर्णन में संशोधन या राज्यक्षेत्र, से संबंधित प्रदेश या परिक्षेत्र न हों जिससे मूल आवेदन सारभूत रूप में परिवर्तित होता हो या पुरः स्थापित होता हो।

37. रजिस्ट्रार द्वारा प्रतिग्रहण का प्रत्याहरण :—(1) यदि रजिस्ट्रार के आवेदन के प्रतिग्रहण के संबंध में कोई आपत्ति आवेदन के प्रतिग्रहण के पश्चात् किंतु भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण से पूर्व इस आधार पर है कि वह गलती से प्रतिग्रहीत कर लिया गया है, या वह भौगोलिक उपदर्शन मामले की उन अवस्थाओं में प्रतिग्रहीत नहीं किया जाना चाहिए था, या रजिस्ट्रार यह प्रस्तावित करता है कि वह भौगोलिक उपदर्शन के विवरण उन शर्तों या मर्यादाओं के अधीन ही या उन शर्तों या मर्यादाओं के, जिन पर कि आवेदन प्रतिग्रहीत किया गया है, अतिरिक्त या उनसे भिन्न शर्तों पर रजिस्ट्रीकृत किया जाना चाहिए, तो रजिस्ट्रार ऐसी आपत्ति की लिखित संसूचना आवेदक को देगा।

(2) आवेदक जब तक कि रजिस्ट्रार की अपेक्षाओं का अनुपालन करने की दृष्टि से अपने आवेदन का उपनियम (1) में वर्णित संसूचना की तारीख से तीस दिन के भीतर संशोधन या सुनवाई के लिए आवेदन नहीं कर देता है, आवेदन के प्रतिग्रहण की आबत यह समझा जाएगा कि रजिस्ट्रार ने उसे प्रत्याहत कर लिया है और आवेदन की आबत ऐसी कारबाही की जाएगी मानों कि उसे प्रतिग्रहीत नहीं किया गया हो।

(3) जहां कि रजिस्ट्रार को आवेदक उपनियम (2) में वर्णित कालावधि के भीतर यह बात प्रज्ञापित करता है कि मेरी यह इच्छा है कि मेरी सुनवाई हो तो आवेदक को रजिस्ट्रार उस तारीख की सूचना देगा जिसको रजिस्ट्रार उसकी सुनवाई करेगा। जब तक कि आवेदक इससे अल्पकाल यांत्री सूचना के लिए सहमत न हो जाए, ऐसी सुनवाई की तारीख सूचना की तारीख से कम से कम पन्द्रह दिन बाद की रखी जाएगी। आवेदक यह कथन कर सकेगा कि वह अपनी वैयक्तिक सुनवाई कराना नहीं चाहता, और वह वे बातें पेश कर सकेगा जिन्हें कि वह बांधनीय समझता है।

(4) रजिस्ट्रार, आवेदक की सुनवाई के पश्चात् या यदि आवेदक में कोई बातें उसके समक्ष लिखित रूप में पेश की हैं तो उन पर विचार करने के पश्चात् ऐसे आदेश दे सकेगा जैसे कि वह ठीक समझता है।

आवेदन का विज्ञापन

(38) विज्ञापन की रीति.—(1) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए जिस आवेदन की बाबत यह अपेक्षा या अनुशा धारा 13 की उपधारा (1) में है कि वह विज्ञापित किया जाए या उक्त धारा की उपधारा (2) में यह कि वह पुनः विज्ञापित किया जाए, जर्नल में विज्ञापन के लिए आवेदन की स्वीकृति के तीन मास के भीतर सामान्य रूप से विज्ञापित किया जाए।

(2) रजिस्ट्रार जर्नल में अधिसूचना के पश्चात् भौगोलिक उपदर्शन जर्नल को इंटरनेट, बैंब साईट या किसी अन्य इलैक्ट्रॉनिक माध्यम में रख सकेगा।

(3) रजिस्ट्रार, जर्नल में अधिसूचना के पश्चात् भौगोलिक उपदर्शन जर्नल को सीढ़ी-रोम में उसके खर्चे के संदाय पर उपगत कराएगा।

39. आवेदन में शुद्धि या संशोधन करने की अधिसूचना.—रजिस्ट्रार, उस आवेदन के मामले में, जिसे धारा 13 की उपधारा (2) का पैरा (ख) लागू होता है, उस सूत्र में जिसमें वह ऐसा विनिश्चय करता है कि आवेदन को पुनः विज्ञापित करने को बजाए आवेदन की संख्या, वह वर्ग जिसमें वह किया गया है, आवेदक का नाम और उसके कारबाह के भारत में सुख्य स्थान का पता, यदि कोई है, या जहाँ आवेदक का कोई कारबाह का भारत में सुख्य स्थान नहीं है वहां भारत में तामील के लिए उसका पता, उस जर्नल की संख्या जिसमें वह विज्ञापित किया गया है और आवेदन में की गई शुद्धि या संशोधन उपर्याप्त करने वाली अधिसूचना जर्नल में दे सकेगा।

40. भौगोलिक उपदर्शन के विज्ञापन की विशिष्टियां देने के लिए रजिस्ट्रार से अनुरोध.—कोई भी व्यक्ति प्ररूप भौ. ड. -7 में रजिस्ट्रार से अनुरोध कर सकेगा कि वह जर्नल की संख्या तारीख और पृष्ठ की जानकारी दे जिसमें प्ररूप में उल्लिखित भौगोलिक उपदर्शन का विज्ञापन हुआ था और रजिस्ट्रार अनुरोध करने वाले व्यक्ति को ऐसी विशिष्टियां देगा।

रजिस्ट्रीकरण का विरोध

41. विरोध की सूचना.—(1) धारा 14 की उपधारा (1) के अधीन भौगोलिक उपदर्शन या धारा 17 (3) (छ) के अधीन प्राधिकृत व उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के विरोध को सूचना प्रारूप भौ. ड. -2 में तीन प्रतियों में जर्नल में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन से तीन मास के भीतर या उस तारीख से, जिसको जर्नल जनता को उपलब्ध करा दिया गया था (जो तारीख रजिस्ट्रार द्वारा उस रूप में अधिप्रभागित की जाएगी), कुल मिलाकर एक मास से अधिक की ऐसी और अवधि के भीतर दी जाएगी। सूचना के अंतर्गत उन आधारों का कथन होगा जिन पर विरोधी, यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत व उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण पर आक्षेप करता है।

(2) जहां विरोध की सूचना भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन के संबंध में फाइल की गई है वहां उसके साथ ऐसे प्रत्येक वर्ग की बाबत फौस होगी जिसके संबंध में विरोध फाइल किया जाता है।

(3) जहां विरोध किसी ऐसे विशिष्ट वर्ग या वर्गों के लिए ही फाइल किया जाता है जो धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन किए नए एकल आवेदन के संबंध में है वहां आवेदन पर रजिस्ट्रीकरण के लिए तब तक कार्रवाई नहीं की जाएगी जब तक कि आवेदक द्वारा आवेदन के विभाजन के लिए विभाजन हेतु फीस के साथ प्ररूप भौ. ड. -5 में अनुरोध नहीं किया जाता है।

(4) जहां भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन की बाबत विरोध की कोई सूचना किसी वर्ग या वर्गों में फाइल नहीं की जाती है वहां ऐसे वर्ग या वर्गों की बाबत आवेदन पर रजिस्ट्रीकरण के लिए कार्रवाई वर्ग या वर्गों के संबंध में जिनकी बाबत विरोध लम्बित है, आवेदन के विभाजन के पश्चात् ही की जाएगी।

(5) उस अवधि के विस्तार के लिए आवेदन जिसके भीतर भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के विरोध की सूचना धारा 14 की उपधारा (1) अधीन दी जा सकेगी, प्ररूप भौ. ड. -2 में विहित फीस के साथ धारा 14 की उपधारा (1) के अधीन तीन मास की अवधि की समाप्ति के पूर्व किया जाएगा।

(6) विरोध की सूचना को एक प्रति रजिस्ट्रार द्वारा आवेदक पर, समुचित कार्यालय द्वारा उसकी प्राप्ति के दो मास के भीतर सामान्यतः तामील की जाएगी।

42. विरोध की सूचना का सत्यापन—

(1) विरोध की सूचना विरोधी द्वारा सत्यापित की जाएगी।

(2) सत्यापन में विरोध की सूचना के पैराओं की संख्याओं के प्रति गिरेंश करते हुए विनिर्दिष्ट: यह कथन किया जाएगा कि कौन से पैरा उसकी स्वयं की जानकारी के आधार पर सत्यापित किए जाते हैं और कौन से पैरा उसे प्राप्त उस जानकारी के आधार पर सत्यापित किए जाते हैं जिनके सत्य होने का उसे विश्वास है।

(3) सत्यापन पर सत्यापन करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और उसमें उस तारीख और उस स्थान का कथन होगा जिस पर उस पर हस्ताक्षर किए गए थे।

43. प्रतिकथन—(1) थारा 14 की उपधारा (2) द्वारा अपेक्षित प्रतिकथन, आवेदक को रजिस्ट्रार से विरोध की सूचना की प्रति प्राप्त होने से दो मास के भीतर प्ररूप भी. ड.-2 में तीन प्रतियों में भेजा जाएगा और उसमें वह भी वर्णन होगा कि विरोध की सूचना में अधिकथित कौन से तथ्य आवेदक द्वारा स्वीकार्य हैं। प्रतिकथन की एक प्रति रजिस्ट्रार द्वारा उस व्यक्ति पर उसकी प्राप्ति की तारीख से सामान्यतः दो मास के भीतर तामील कराई जाएगी जिसने विरोध की सूचना दी है।

(2) प्रतिकथन को उसी रीति में सत्यापित किया जाएगा जिसमें नियम 42 में यथाकथित विरोध की सूचना का सत्यापन किया जाता है।

44. विरोधी द्वारा विरोध के समर्थन में साक्ष्य—(1) प्रतिकथन को प्रति की उस पर तामील से दो मास के भीतर या ऐसी और अवधि के भीतर जो उसके तश्चात् कुल मिलाकर एक मास से अधिक की नहीं होगी और जिसे रजिस्ट्रार से अनुरोध पर अनुशास्त करे, विरोधी या तो शपथपत्र द्वारा ऐसा साक्ष्य रजिस्ट्रार को देगा जिसे वह अपने विरोध के समर्थन में प्रस्तुत करना चाहता है या रजिस्ट्रार और आवेदक को लिखित में सूचना देगा कि वह अपने विरोध के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत नहीं करना चाहता किन्तु विरोध की सूचना में कथित तथ्यों का अवलम्ब सेने का उसका आशय है। वह आवेदक को ऐसे किसी साक्ष्य की प्रतियों देगा जो उसमें रजिस्ट्रार को इस उपनियम के अधीन दिया है और ऐसे परिदान की लिखित में रजिस्ट्रार को तत्काल सूचना देगा।

(2) यदि विरोधी उपनियम (1) में वर्णित समय के भीतर उस नियम के अधीन कोई कार्रवाई नहीं करता तो यह समझा जाएगा कि उसने अपने विरोध का परित्याग कर दिया है।

(3) उपनियम (1) में वर्णित एक मास की अवधि के विस्तार के लिए कोई आवेदन उसमें वर्णित दो मास की अवधि की समाप्ति के पूर्व विहित फीस के साथ प्ररूप भी. ड.-9 में दिया जाएगा।

45. आवेदक द्वारा आवेदन के समर्थन में साक्ष्य—(1) आवेदक रजिस्ट्रार के पास शपथपत्र के रूप में ऐसा साक्ष्य, विरोध के समर्थन में शपथपत्रों की प्रतियों अपने को भिलने से या अपने को यह प्रशापना भिलने से कि विरोधी अपने विरोध के समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं देना चाहता, दो मास के भीतर या कुल मिलाकर उसके पश्चात् एक मास से अनधिक की और अवधि के भीतर देगा जिसे रजिस्ट्रार अनुरोध किए जाने पर अनुशास्त करे, जैसा कि वह अपने आवेदन के समर्थन में देना चाहता है और उसकी प्रतियों वह विरोधी को देगा या रजिस्ट्रार को और विरोधी को यह प्रशापना देगा कि वह कोई साक्ष्य नहीं देना चाहता किन्तु उसका यह आशय है कि प्रतिकथन में कथित तथ्यों का या प्रश्नगत आवेदन के संबंध में उसके द्वारा पेश किए गए साक्ष्य का सहारा लेगा। उस अवस्था में जिसमें आवेदक आवेदन के संबंध में अपने द्वारा पेश किए जा चुके किसी साक्ष्य का सहारा लेता, है, वह उसकी प्रतियों विरोधी को देगा।

(2) उपनियम (1) में वर्णित एक मास की अवधि के विस्तार के लिए आवेदन विहित फीस के साथ उसमें वर्णित दो मास की अवधि की समाप्ति के पूर्व प्ररूप भी. ड.-9 में किया जाएगा।

46. विरोधी द्वारा उत्तर में साक्ष्य—आवेदक के शपथपत्र की प्रतियों की विरोधी द्वारा प्राप्ति से एक मास के भीतर या उसके पश्चात् कुल मिलाकर एक मास से अनधिक की ऐसी और अवधि के भीतर जिसे रजिस्ट्रार विहित फीस के साथ प्ररूप भी. ड.-9 में अनुरोध किए जाने पर अनुशास्त करे, रजिस्ट्रार के पास उत्तर में शपथपत्र द्वारा साक्ष्य दे सकेगा और उसकी प्रतियों आवेदक को पारिदृश करेगा। यह साक्ष्य उत्तर में दिए गए विषयों तक ही सीमित होगा।

47. और साक्ष्य—किसी भी पक्षकार को कोई और साक्ष्य देने का अधिकार नहीं होगा किन्तु रजिस्ट्रार अपने समक्ष किन्हीं कार्रवाहियों में किसी भी समय, यदि यह ठीक समझे, आवेदक या विरोधी को कोई इजाजत देने की इजाजत ऐसे रूप से आदि के संबंध में ऐसे विवरणों पर दे सकेगा जिसे वह ठीक समझे।

48. प्रदर्शी—जहां कि विरोध में फाइल किए गए शपथपत्रों के साथ प्रदर्श हैं, वहां प्रत्येक प्रदर्श की एक प्रति या छाप अन्य पक्षकार को उसके विवेदन पर और उसके व्यवहार पर भेजी जाएगी, या उस अवस्था में, जिसमें कि ऐसी प्रतियों या छाप सुविधापूर्वक नहीं दी जा सकती, मूल प्रतियों रजिस्ट्रार के पास निरीक्षणार्थ छोड़ी जा सकेंगी। जब तक कि रजिस्ट्रार अन्यथा निर्देश न दे, मूल प्रदर्श सुनवाई के अवसर पर पेश किए जाएंगे।

49. दस्तावेजों का अनुबाद—जहां कि हिन्दी या अंग्रेजी से भिन्न भाषा वाली किसी दस्तावेज के प्रति भिन्न विरोध की सूचना में, या रजिस्ट्रार के समक्ष किन्हीं अन्य कार्रवाहियों में प्रतिकथन में या विरोध में फाइल किए गए शपथपत्र में किया गया है, वहां हिन्दी या अंग्रेजी में उसके अभिप्रमाणित अनुबाद की दो प्रतियों दी जाएंगी।

50. सुनवाई और विनिश्चय—(1) रजिस्ट्रार, साक्ष्य के (यदि कोई हो) पूरा हो जाने पर, उस तारीख की पक्षकारों को सूचना देगा कि वह मामले में बहस कब सुनेगा। ऐसी सूचना साक्ष्य पूरा होने के तीन मास के भीतर सामान्यतः दी जाएगी। सुनवाई की तारीख वह तारीख होगी जो पहली सूचना की तारीख के पश्चात् एक मास से कम नहीं होगी जब तक कि पक्षकार उससे कम समय की सूचना के लिए सहमति न दे। कोई भी

पक्षकार जो उपसंज्ञात होना चाहता है, पहली सूचना की प्राप्ति से चौदह दिन के भीतर रजिस्ट्रार को अधिसूचित करेगा। ऐसे पक्षकार, जो पूर्व में वर्णित समय के भीतर रजिस्ट्रार को इस प्रकार अधिसूचित नहीं करता है, के बारे में यह समझ जाएगा कि वह अपनी सुनवाई का इच्छुक नहीं है और रजिस्ट्रार मामले में एक पक्षीय रूप से कारबाई करेगा।

(2) यदि पर्याप्त कारण दर्शित कर दिया जाता है तो कार्यवाही में या तो आवेदक द्वारा या विरोधी द्वारा एक मास के लिए स्थगन हेतु दो से अनधिक अनुरोधों पर रजिस्ट्रार द्वारा प्ररूप भौ. ड.-9 में अनुरोध पर ऐसे अनुरोध के लिए आधारों के साथ विचार किया जा सकेगा।

(3) यदि आवेदक सुनवाई की स्थगित तारीख को हाजिर नहीं है और उसने सुनवाई के समय हाजिर होने के अपने आशय को अधिसूचित नहीं किया है। तो रजिस्ट्रार आवेदन को खारिज किया समझ सकेगा।

(4) यदि विरोधी सुनवाई की स्थगित तारीख को हाजिर नहीं है और उसने सुनवाई के समय हाजिर होने के अपने आशय को अधिसूचित नहीं है तो रजिस्ट्रार विरोध का अभियोजन की कमी में खारिज किया गया समझ सकेगा और आवेदन पर रजिस्ट्रीकरण के लिए आगे कारबाई की जाएगी।

(5) स्थगन के प्रत्येक मामले में रजिस्ट्रार मामले की अगली सुनवाई के लिए दिन निश्चित करेगा और स्थगन के लिए खर्च के बारे में या ऐसे अधिक खर्चों के बारे में जिन्हें रजिस्ट्रार ठीक समझे, ऐसा आदेश कर सकेगा।

(6) यह तथ्य कि अभिकर्ता या पक्षकार का एडवोकेट आन रिकार्ड किसी अन्य न्यायालय में व्यस्त है, स्थगन के लिए कोई आधार नहीं होगा।

(7) जहां पर एडवोकेट आन रिकार्ड या अभिकर्ता की बीमारी या किसी अन्य कारण से मामले का संचालन करने में उसकी असमर्थता स्थगन के लिए आधार के रूप में प्रस्तुत की जाती है वहां अधिकरण तक तक स्थगन नहीं देगा जब तक कि उसका यह समाधान नहीं कर दिया जाता कि यथास्थिति, एडवोकेट आन रिकार्ड या अभिकर्ता समय के भीतर किसी अन्य अभिकर्ता या अधिकरका को नियोजित नहीं कर सकता है।

(8) रजिस्ट्रार, यदि कारबाही के किसी पक्षकार द्वारा लिखित बहस प्रस्तुत की जाती है तो उसे अभिलेख पर रखेगा।

(9) रजिस्ट्रार को बौद्धिक बहस के लिए समय-सीमा निश्चित करने की शक्तियां होंगी।

(10) रजिस्ट्रार का विनिश्चय पक्षकारों को लिखित में अधिसूचित किया जाएगा।

51. खर्चों के लिए प्रतिभूति।—खर्चों के लिए वह प्रतिभूति जिसकी रजिस्ट्रार, धारा 14 की उप धारा (6) के अधीन अपेक्षा कर सकेगा, ऐसी किसी रकम की नियत की जा सकेगी जिसे वह उचित समझे और ऐसी रकम उसके द्वारा विरोध या अन्य कार्यवाहियों में किसी प्रक्रम पर बदाई जा सकेगी।

रजिस्ट्रीकरण पूरा न होने की सूचना

52. सूचना देने की प्रक्रिया।—आवेदक को जो सूचना देने की रजिस्ट्रार से धारा 16 की उपधारा (3) द्वारा अपेक्षा की गई है, वह आवेदक को भारत में उसके कारबार के मूल स्थान के पते पर या यदि उसका भारत में कारबार का कोई मूल स्थान नहीं है तो आवेदन में कथित भारत में तामील के लिए पते पर प्ररूप औ. ड.-1 में भेजी जाएगी और यदि आवेदक ने आवेदन के प्रयोजन के लिए किसी अभिकर्ता को प्राधिकृत कर दिया है तो उसका अभिकर्ता को और उसकी दूसरी प्रति आवेदक को भेजी जाएगी। सूचना में उसकी तारीख से इक्कीस दिन का समय या ऐसा और समय विनिर्दिष्ट किया जाएगा जो रजिस्ट्रार रजिस्ट्रीकरण के पूरा करने के लिए विहित प्ररूप भौ. ड.-9 में किए गए अनुरोध पर अनुज्ञात करेगा।

रजिस्ट्रीकरण

53. रजिस्ट्रार में प्रविष्टि।—(1) जहां जर्नल में विज्ञापित या पुनः विज्ञापित भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के आवेदन के विरोध की कोई सूचना धारा 14 की उप धारा (1) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर फाइल नहीं की है या जहां विरोध फाइल किया जाता है और वह खारिज कर दिया जाता है। तथा अपील की अवधि भी समाप्त हो जाती है वहां रजिस्ट्रार, धारा 16 की उपधारा (1) के उपबंधों के अधीन रहते हुए, भौगोलिक उपदर्शन की रजिस्टर के भाग क में, अनुरोध की प्राप्ति पर प्रविष्टि करेगा।

(2) रजिस्ट्रार में भौगोलिक उपदर्शन की प्रविष्टि में आवेदन फाइल करने की तारीख, रजिस्ट्रीकरण की वास्तविक तारीख, वह माल आगे वर्ग जिसकी बाबत वह रजिस्ट्रीकृत है और धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित सभी प्रविष्टियां कभी विनिर्दिष्ट की जाएंगी जिनके अन्तर्गत निम्नलिखित भी हैं :—

(क) आवेदक का नाम और विवरण, भौगोलिक उपदर्शन के स्वरूपधारी के भारत में कारबार के मूल स्थान का पता, यदि कोई हो, या व्यक्तियों के संगम की दशा में, व्यक्तियों के ऐसे संगम के भारत में कारबार का पता जिसका भारत में कारबार का मुख्य स्थान है।

(ख) जहां भौगोलिक उपदर्शन के स्वत्वधारी का भारत में कारबाहर को कोई स्थान नहीं है वहां रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में यथा प्रविष्ट भारत में तामील के लिए उसका पता और उसके साथ उसके स्वदेश में पता।

(ग) व्यक्तियों या उत्पादकों के किसी संगम की दशा में, जहां व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम का भारत में कारबाहर का कोई मुख्य स्थान नहीं है वहां आवेदन में दिया गया भारत में तामील के लिए पता तथा व्यक्तियों या उत्पादकों के प्रत्येक संगम का उसके स्वदेश में पता।

(घ) भौगोलिक उपदर्शन के स्वत्वधारी या व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम के घायापार, कारबाहर, वृत्ति, उपजीविका की विशिष्टियां या अन्य विवरण जो रजिस्ट्रीकरण के आवेदन में प्रविष्ट हैं।

(ङ) रजिस्ट्रीकरण के विस्तार क्षेत्र को या रजिस्ट्रीकरण द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रभावित करने वाली विशिष्टियां।

(च) पूर्विकता की तारीख, यदि कोई हो, जो धारा 84 के अधीन किए गए अभिसमय आवेदन के अधिकारी का दावा करने के अनुसरण में अभिलिखित की जाएगी।

(छ) नियम 32 के अधीन दी गई विशिष्टियों का सार जो रजिस्ट्रार द्वारा अन्तिम रूप से स्वीकार की गई हो, और

(ज) भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय।

54. रजिस्ट्रीकरण के पूर्व आवेदक की मृत्यु— उसके आवेदन की तारीख के पश्चात् और भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रार में प्रविष्ट कर लिए जाने से पूर्व यदि भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी आवेदक की मृत्यु हो जाती है तो रजिस्ट्रार, आवेदक की मृत्यु के सबूत पर और मृत व्यक्ति के हित में पारेपण के सबूत पर आवेदन में ऐसे मृत आवेदक के नाम के स्थान पर उसके उत्तराधिकारी को प्रतिस्थापित करेगा और तत्पश्चात् इस प्रकार संशोधित आवेदन पर आगे कार्रवाई कर सकेगा।

55. रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र—(१) भौगोलिक उपदर्शन या किसी प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण का वह प्रमाणपत्र जो रजिस्ट्रार द्वारा धारा 16 की उपधारा (२) के अधीन दिया जाता है, प्ररूप ओ-२ में ऐसे उपान्तरण के साथ होगा जो मामले की परिस्थितियों में अपेक्षित हो तथा रजिस्ट्रार के भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगिकर्ता की एक प्रति के प्रमाणपत्र के साथ संलग्न करेगा।

(२) रजिस्ट्रार, प्ररूप भौ.ड. ७ में विहित कीस के साथ रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा किए गए अनुरोध पर भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति या और प्रतियां दे सकेगा। उस भौगोलिक उपदर्शन का उभरी भ हुई समाकृति जो रजिस्ट्रीकरण के लिए समय उसके रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में दर्शित की गयी है, ऐसे अनुरोध के साथ दी जाएगी।

(३) उपनियम (१) में निर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र विधिक कार्यवाहियों में या विदेश में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने के लिए उपयोग में नहीं लाया जाएगा।

अध्याय 3

प्राधिकृत उपयोगकर्ता

56. प्राधिकृत उपयोगकर्ता—(१) उत्पादक द्वारा रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में धारा 17 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए रजिस्ट्रार को आवेदन या तो रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्तावित प्राधिकृत उपयोगकर्ता द्वारा संयुक्त रूप से या अफेले प्राधिकृत उपयोगकर्ता द्वारा प्ररूप भौ. ड.-११ में किया जाएगा और शपथपत्र के साथ मामले का एक कथन होगा कि वह रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन का उत्पादक होने का दावा कैसे कर रहा है।

भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी से सहमति के पत्र की एक प्रति आवेदन के साथ दी जा सकती और जहां ऐसा सहमतिपत्र नहीं दिया जाता है वहां आवेदन की प्रति जानकारी के लिए रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को पृष्ठांकित की जाएगी और रजिस्ट्रार, प्रस्तावित प्राधिकृत उपयोगकर्ता द्वारा सम्यक् तामील की हतिला देगा।

57. किसी रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन की बाबत प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर रजिस्ट्रार उसकी जांच कराएगा और रिपोर्ट जारी करेगा।

58. उसके पश्चात् नियम 31 से 52 और 54 और 55 के उपर्युक्त रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की बाबत आगे कार्यवाहियों को यथाआवश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे।

59. प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण की रजिस्टर में प्रविष्टि—(1) जहां जनल में विज्ञापित या पुमः विज्ञापित आवेदन के विरोध की कोई सूचना धारा 17 की उपधारा (3) के उपरांड (छ) के अधीन विभिन्निष्ट अवधि के भीतर फाइल नहीं की जाती है या जहां विरोध फाइल किया जाता है और वह खारिज कर दिया जाता है तथा अपील की अवधि समाप्त हो जाती है वहां रजिस्ट्रार प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्रस्तुत भौ.उ. 3 में विहित फीस के साथ अनुरोध की प्राप्ति पर रजिस्टर के भाग ख में प्रविष्ट करेगा।

(2) रजिस्टर में प्राधिकृत उपयोगकर्ता की प्रविष्टि में प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन फाइल करने की तारीख, रजिस्ट्रीकरण की वास्तविक तारीख, माल और वर्ग या वर्गों को विनिर्दिष्ट किया जाएगा जिनकी बाबत वह रजिस्ट्रीकृत है और धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित सभी विशिष्टियां विभिन्निष्ट की जाएंगी जिनके अंतर्गत निम्नलिखित हैं :—

- (क) भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रूकृत स्वत्वधारी के भारत में कारबाह के मुख्य स्थान का पता, यदि कोई हो ;
- (ख) रजिस्ट्रूकृत भौगोलिक उपदर्शन की विशिष्टियां जिनके अंतर्गत उस माल और वर्ग का विनिर्देश भी है जिसमें वह रजिस्ट्रूकृत है ;
- (ग) प्राधिकृत उपयोगकर्ता के भारत में कारबाह के मुख्य स्थान का पता, यदि कोई है ;
- (घ) जहां रजिस्ट्रूकृत भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता का भारत में कारबाह का कोई स्थान नहीं है वहां रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में यथा प्रविष्ट भारत में तामील के लिए उसका पता साथ में उसके स्वदेश में उसका पता ;
- (छ) रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में यथा प्रविष्ट भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता के व्यापार कारबाह, वृत्ति, उपजीविका, डीलरशिप या अन्य विवरण की विशिष्टियां;
- (च) वह पूर्विकता की तारीख, यदि कोई है, जो धारा 84 के अधीन किए गए अभिसमय आवेदन के अनुसरण में अभिलिखित की जाएगी, और;
- (छ) भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय।

(3) रजिस्ट्रार, प्रस्तुत भौ.उ. 7 में विहित फीस के साथ अनुरोध पर प्राधिकृत उपयोगिता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति या अन्य प्रतितां दे सकेगा। भौगोलिक उपदर्शन की मध्ये हुई समाझूति जो उसके रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के प्रस्तुत में रजिस्ट्रीकरण के समय दी गई है, ऐसे अनुरोध के साथ दी जाएगी।

अध्याय 4

रजिस्ट्रूकरण का नवीकरण और प्रत्यावर्तन

60. रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण—(1) भौगोलिक उपदर्शन या रजिस्ट्रूकृत भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए आवेदन, यथार्थिति, प्रस्तुत भौ.उ.-4 या भौ.उ.-3 में किया जाएगा और भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता अंतिम रजिस्ट्रीकरण के पर्यावरण से पूर्व छह मास से अनधिक के किसी समय पर किया जा सकेगा।

(2) नवीकरण के लिए ऐसा आवेदन यथार्थिति ऐसे व्यक्ति द्वारा जो रजिस्ट्रूकृत भौगोलिक उपदर्शन का स्वत्वधारी है और उसके असफल रहने पर अभिलेख पर प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं में से किसी के द्वारा फाइल किया जाना चाहिए।

(3) यदि वह स्वत्वधारी जो नवीकरण के लिए आवेदन में वर्णित है, वही व्यक्ति या वही विधिक हस्ती नहीं है जो रजिस्ट्रूकरण में रजिस्ट्रूकृत के रूप में दर्शित किया गया है, जो वर्तमान स्वामी को रजिस्ट्रूकृत से हक की निरन्तरता प्रथम अवसर पर दर्शित की जानी चाहिए।

(4) रजिस्ट्रार, नवीकरण के लिए आवेदन प्रबंध न्यासी, निष्पादक, प्रशासकों या उसी तरह के व्यक्तियों से प्राप्त कर सकेगा जब वे न्यायालय के आदेश द्वारा या ऐसे व्यक्तियों के अन्य साक्ष्य द्वारा समर्पित हो जिसे वर्तमान स्वत्वधारी की ओर से कार्य करने का प्राधिकार है।

(5) शंकाओं को दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि जहां भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रूकृत स्वत्वधारी अस्तिव में नहीं रहा है वहां रजिस्ट्रूकृत भौगोलिक उपदर्शन का नवीकरण रजिस्ट्रूकृत भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं में से किसी के द्वारा सामूहिक रूप से प्रभावी किया जाएगा जिनके नाम नवीकरण की सम्यक तारीख को रजिस्टर के भाग ख में प्रविष्ट हैं।

(6) रजिस्ट्रार, नवीकरण प्रमाणपत्र जारी करने से पूर्व, रजिस्ट्रूकृत स्वत्वधारी से भारत में रजिस्ट्रूकृत भौगोलिक उपदर्शन के उपयोग के संबंध में शपथपत्र फाइल करने की मांग कर सकेगा जहां उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि ऐसा हो सकता है कि रजिस्ट्रूकृत भौगोलिक उपदर्शन का बाजार में उपयोग नहीं हो।

61. भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्टर से हटाने से पूर्व सूचना —(1) यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के अंतिम रजिस्ट्रीकरण के पर्यवेक्षण से कम से कम एक मास पूर्व और अधिक से अधिक तीन मास से पूर्व आली तारीख तक, यदि भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए विहित फीस के साथ यथास्थिति, प्ररूप भौ.उ.-4 या भौ.उ.-3 में आवेदन प्राप्त नहीं होता है तो रजिस्ट्रार, यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के अध्या भौगोलिक उपदर्शन के व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम की दशा में, रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम में से प्रत्येक को रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी या उनकी ओर से कार्य करने वाले प्राधिकृत व्यक्ति के रूप में, यथास्थिति, प्ररूप ओ 3 या ओ 5 में रजिस्टर में यथाप्रविष्ट भारत में कारबार में मुख्य स्थान के पते या जाहां ऐसे रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता का भारत में कोई कारबार का मुख्य स्थान नहीं है तो रजिस्टर में प्रविष्ट भारत में तामिल के लिए उनके पते पर अधिसूचित करेगा।

(2) जहां भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता की दशा में जिसका नवीकरण कराया जाना शोध्य हो गया है (रजिस्ट्रीकरण के आवेदन की तारीख के प्रतिनिर्देश से) भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता उस तारीख से पूर्व जिसको नवीकरण शोध्य हो जाता है, छह मास के भीतर किसी भी समय रजिस्ट्रीकृत किया जाता है, रजिस्ट्रीकरण नवीकरण फीस के संदाय पर रजिस्ट्रीकरण की वास्तविक तारीख के पश्चात् छह मास के भीतर नवीकृत किया जा सकेगा और जहां नवीकरण फीस उस अवधि के भीतर संदर्भ नहीं की जाती है वहां रजिस्ट्रार, नियम 63 के अधीन रहते हुए भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्टर से हटा देगा।

(3) जहां भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता की दशा में, जिसका रजिस्ट्रीकरण (रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की तारीख के प्रति निर्देश से) नवीकरण के लिए शोध्य हो गया है, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता उस नवीकरण की तारीख के पश्चात् रजिस्ट्रीकृत किया जाता है वहां रजिस्ट्रीकरण नवीकरण फीस के संदाय के साथ रजिस्ट्रीकरण की वास्तविक तारीख से छह मास के भीतर नवीकृत किया जा सकेगा और जहां नवीकृत फीस उस अवधि के भीतर संदर्भ नहीं की जाती है वहां रजिस्ट्रार, नियम 63 के अधीन रहते हुए, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्टर से हटा देगा।

62. भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्टर से हटाए जाने का विज्ञापन—यदि भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति पर नवीकरण फीस संदर्भ नहीं की गई है तो रजिस्ट्रार यथास्थिति, भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्टर से हटा सकेगा और इस तथ्य को जर्नल में तत्काल विज्ञापित करा सकेगा :

परन्तु रजिस्ट्रार, यदि भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति से छह मास के भीतर विहित फीस और समुचित प्रभार के साथ प्ररूप भौ.उ.-4 में आवेदन किया जाता है, तो भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्टर से नहीं हटाएगा।

63. रजिस्ट्रीकरण का प्रत्यावर्तन और नवीकरण—रजिस्टर में भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के प्रत्यावर्तन के लिए और धारा 18 की उपलधारा (5) के अधीन उसके रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए आवेदन विहित फीस के साथ यथास्थिति भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति के छह मास के पश्चात् और एक वर्ष के भीतर प्ररूप भौ.उ.-4 में किया जाएगा। रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रीकरण के लिए अनुरोध पर विचार करते समय उस व्यक्तियों के हित का ध्यान रखेगा जिन्होंने मध्यवर्ती अवधि में, ऐसे ही भौगोलिक उपदर्शन के लिए जो इस के बिल्कुल समाप्त है या इतना समरूप है, जिससे धोखा हो जाए, आवेदन किया है या रजिस्टर कराया है, प्रभावित होने की संभावना है।

64. नवीकरण और प्रत्यावर्तन की सूचना और विज्ञापन—रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण या प्रत्यावर्तन पर, उस आशय की एक सूचना रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी या संबद्ध प्राधिकृत उपयोगकर्ता को भेजी जाएगी और उक्त नवीकरण या प्रत्यावर्तन जर्नल में विज्ञापित किया जाएगा।

अध्याय 5

रजिस्टर का परिशोधन या शुद्धि

रजिस्टर का परिवर्तन या परिशोधन

65. भौगोलिक उपदर्शन के परिशोधन या उसे रजिस्टर से हटाने के लिए आवेदन—भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्टर में अभिलिखित भौगोलिक उपदर्शन या नियम 32(1) के अधीन निर्दिष्ट मामले के विवरण से संबंधित प्रविष्टि के रद्द करने, विसुल करने या उसमें परिवर्तन करने के लिए धारा 27 के अधीन रजिस्ट्रार को आवेदन, यथास्थिति, प्ररूप भौ.उ.-4 या प्ररूप भौ.उ.-28 में तीन प्रतियों में किया जाएगा और उसके साथ तीन प्रतियों में एक कथन होगा जिसमें आवेदक के हित की प्रकृति, उस तथ्यों का जिन पर वह अपना मामला आधारित कर रहा है और अनुतोष जिसकी वह याचना कर रहा है, पूर्ण विवरण होगा। जहां आवेदन ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाता है जो प्रश्नगत भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी नहीं है वहां पूर्वोक्त आवेदन और कथन भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री की तीन प्रतियों में दिया जाएगा। उस दशा में जिसमें प्राधिकृत उपयोगकर्ता हैं, ऐसे आवेदन और कथन के साथ उनकी उत्तरी प्रतियां होंगी जितने रजिस्टर में प्राधिकृत उपयोगकर्ता हैं या

अनुकूलता: परिशोधन या हटाने के लिए, उसकी पूरी विशिष्टियों के साथ, प्रस्तावित आवेदन को आम जनता को अधिसूचित करते हुए, निश्चित राज्यक्षेत्र, या प्रदेश परिक्षेत्र में विस्तार रूप में परिचालित प्रख्यात राज्यीय समाधार पत्रों में प्रकाशन का सबूत दिया जाएगा। आवेदन और कथम, प्रत्येक की एक प्रति रजिस्ट्रार द्वारा रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रत्येक उपयोगकर्ता को तथा ऐसे अन्य व्यक्ति को दो मास के भीतर भेजी जाएगी जो रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन में हित रखने वाला प्रतीत होता है या उसके लिए अनुरोधकर्ता है। आवेदन विरोध की सूचना के सत्यापन के लिए नियम 42 के अधीन विहित रीति से सत्यापित किया जाएगा।

66. आगे की प्रक्रिया— नियम 65 में वर्णित आवेदन की प्रति रजिस्ट्रार से रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को प्राप्त होने से दो मास के भीतर या ऐसी और अधिक के भीतर जो दो मास से अधिक हो, रजिस्ट्रार को और प्ररूप भौ.ड.-2 में आवेदन करने वाले व्यक्ति को उन आधारों का जिन पर आवेदन का विरोध किया जा रहा है, तीन प्रतियों में प्रतिकथन भेजेगा। रजिस्ट्रार, प्रतिकथन की एक प्रति आवेदन करने वाले व्यक्ति पर उसकी प्राप्ति के एक मास के भीतर तामील करेगा। नियम 44 से 51 तक के उपबंध उसके पश्चात् आवेदन पर आगे कार्यवाहियों को यथावश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होंगे। तथापि, रजिस्ट्रार को केवल इसलिए परिशोधित नहीं करेगा या भौगोलिक उपदर्शन या किसी प्राधिकृत उपयोगकर्ता को रजिस्टर से नहीं हटाएगा कि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता ने प्रतिकथन फाइल नहीं किया है जब तक कि उसका यह समाधान नहीं हो जाता कि प्रतिकथन फाइल करने में विलंब जान्बूझकर किया गया है और मामले की परिस्थितियों में न्यायोचित नहीं है। संदेह की किसी स्थिति में कोई भी पक्षकार रजिस्ट्रार को निदेशों के लिए आवेदन कर सकेगा।

67. अन्य पश्चाकारों द्वारा हस्ताक्षेप— ऐसा व्यक्ति जो रजिस्ट्रीकृत उपदर्शन में हित का अभिकथन करता है जिसकी बाबत नियम 65 के अधीन आवेदन किया जाता है, अपने हित की प्रकृति का कथन करते हुए पश्चाक्षेप करने हेतु अनुमति के लिए प्ररूप भौ.ड.-6 में आवेदन कर सकेगा और रजिस्ट्रार सुनवाई के पश्चात्, यदि संबद्ध पक्षकार ऐसी अपेक्षा करे, अनुमति देने से इंकार कर सकेगा या ऐसी अनुमति प्रदान कर सकेगा जो ऐसे निबंधनों और शर्तों पर होगी जिसे वह अधिरोपित करना उचित समझे और उनके अंतर्गत खर्चों के लिए प्रतिभूति के बारे में वचनबद्ध या शर्तें हैं।

68. रजिस्ट्रार द्वारा स्वप्रेरणा से रजिस्टर का परिशोधन— (1) रजिस्ट्रार जो सूचना देने के लिए धारा 27 की उपधारा (4) के अधीन अपेक्षित है, वह रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को और किसी ऐसे अन्य व्यक्ति को, जिसकी बाबत यह प्रतीत होता है कि भौगोलिक उपदर्शन में उसका कोई हित है, लिखित रूप में भेजी जाएगी और उसमें वे आधार दिए हुए होंगे जिन पर रजिस्टर का परिशोधन करने की प्रस्तावना रजिस्ट्रार करता है, और उसमें ऐसी सूचना की तारीख से कम से कम एक मास का वह समय भी उल्लिखित किया जाएगा, जिसमें सुनवाई के लिए आवेदन किया जाएगा।

(2) जिस व्यक्ति को ऐसी सूचना दी गई है जब तक कि वह उन तथ्यों को जिन पर कि वह उन आधारों का खंडन करने का भरोसा करता है, जो सूचना में दिए हुए हैं, पूर्णतः देने वाला लिखित कथन या सुनवाई के लिए आवेदन पूर्वोक्त सूचना में उल्लिखित समय के अन्दर भेज दे या नहीं देता उसकी बाबत यह समझा जाएगा कि वह कार्यवाहियों में भाग नहीं सेना चाहता और रजिस्ट्रार तब तदनुसार कार्य कर सकेगा।

(3) यदि रजिस्ट्रार रजिस्ट्रर का परिशोधन करने का विनिश्चय करता है, तो वह अपना विनिश्चय रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को लिखित रूप में संसूचित करेगा।

पते में परिवर्तन

69. रजिस्टर में पते का परिवर्तन— (1) भौगोलिक उपदर्शन का वह रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता, जिसके यथास्थिति, कारबार का भारत में के मुख्य स्थान का या स्वदेश का पता, इस भाँति परिवर्तित हो गया है, जिससे कि रजिस्टर में की प्रविष्टि अशुद्ध हो गई है, रजिस्ट्रार से यह निवेदन प्ररूप भौ.ड.-5 में तत्क्षण करेगा कि रजिस्ट्रार रजिस्टर में पते को समुचित रूप से बदल दे और यदि रजिस्ट्रार का समाधान इस बाबत हो जाता है तो वह रजिस्टर में तदनुसार तबदीली कर देगा।

(2) भौगोलिक उपदर्शन का वह रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता, जिसका भारत में तामील के लिए वह पता, जो रजिस्टर में प्रविष्ट है, चाहे तो इस कारण कि प्रविष्ट पता अमल में नहीं रहा है या किसी अन्य कारण से इस प्रकार बदल गया है कि रजिस्टर में तद्विषयक प्रविष्टि अशुद्ध हो गई है, रजिस्ट्रार से प्ररूप भौ.ड.-5 में तत्क्षण यह निवेदन करेगा कि रजिस्ट्रार रजिस्टर में के पते को समुचित रूप से बदल दे और यदि रजिस्ट्रार का इस विषय में समाधान हो जाता है तो वह तदनुसार रजिस्टर में तबदीली कर देगा।

(3) भौगोलिक उपदर्शन का वह रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता, जिसके कारबार का भारत में के मुख्य स्थान का पता या जिसके स्वदेश का पता या भारत में जिसकी तामील का पता सोक प्राधिकारी द्वारा ऐसे बदल दिया गया है कि बदले पते से भी वही परिसर अधिहित है जो कि रजिस्टर में प्रविष्ट है, रजिस्ट्रार से, यथास्थिति, प्ररूप भौ.ड.-5 में पूर्वोक्त निवेदन करेगा और यदि वह करता है, तो वह उसके साथ उक्त प्राधिकारी द्वारा दिए गए परिवर्तन का प्रमाणपत्र देगा। यदि रजिस्ट्रार का समाधान मामले के तथ्यों के संबंध में हो जाता है, तो वह रजिस्टर में तदनुसार परिवर्तन करेगा, किन्तु प्ररूपों पर दी जाने वाली कोई फीस नियम 10 के उपनियम (2) या नियम 11 के उपनियम (2) के उपबंधों के होते हुए भी नहीं मांगेगा।

(4)(i) जहां कि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी उपनियम (1), (2) या (3) के अधीन निवेदन करता है, वह निवेदन की प्रति की तामील प्राधिकारी उपयोगकर्ता या उपयोगकर्ताओं पर, यदि कोई हों करेगा और तदनुसार रजिस्ट्रार को इतिला देगा।

(ii) जहां कि पूर्वोक्त निवेदन प्राधिकृत उपयोगकर्ता द्वारा किया जाता है, वह निवेदन की प्रति की तामील रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और अन्य प्राधिकृत उपयोगकर्ता पर, यदि कोई हो, करेगा या अनुकूल्पतः उस निश्चित राज्य क्षेत्र, प्रदेश या परिक्षेत्र में जिसका संबंध भौगोलिक उपदर्शन से है, विस्तार रूप में परिचालित प्रख्यात कम से कम दो स्थानीय समाचारपत्रों में आम सूचना जारी की जाएगी और रजिस्ट्रार को इतिला देगा कि उसने यह बात कर दी है।

(5) व्यक्ति का जो पता भौगोलिक उपदर्शन के एक से अधिक रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के भारत में तामील के लिए पते के रूप में लिखा हुआ है, उसे परिवर्तित करने के मामले में रजिस्ट्रार प्ररूप भौ.उ.-5 में जिसे मामले के लिए उपयोग्य करने के लिए संशोधित कर लिया गया है, उस व्यक्ति का वह आवेदन जो उस पते द्वी आबत है, यह सिद्ध किए जाने पर कि उक्त पता आवेदक का पता है और उस सूत्र में, जिसमें कि रजिस्ट्रार का समाधान हो जाता है कि वैसा करना ठीक होगा, आवेदक के पते की प्रविष्टियों में समुचित परिवर्तन उन रजिस्ट्रीकरणों में, जिनकी विशिष्टियां प्ररूप में दी जाएंगी, उसे तामील के पतों के रूप में करने के बास्ते ले सकेगा और तदनुसार प्रविष्टियों में परिवर्तन कर सकेगा।

(6) जब तक कि अपवाद स्वरूप परिस्थितियों में रजिस्ट्रार अन्यथा करने की समझ नहीं देता है, इस नियम के अधीन किए जाने वाले सब आवेदन, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता, अथवा ऐसे आवेदन के प्रयोजन के लिए उसके द्वारा अभिव्यक्तरूपण प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होंगे।

रजिस्टर की शुद्धि

70. धारा 28 के अधीन आवेदन—जहां धारा 28 की उपधारा (1) के अधीन आवेदन, रजिस्टर में ज्ञापन की प्रविष्टि की शुद्धि, परिवर्तन, रक्करण या माल को काटने के प्रयोजन के लिए रजिस्टर में परिवर्तन के लिए किया गया है वहां रजिस्ट्रार, आवेदक से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह शपथपत्र द्वारा या अन्यथा ऐसा साक्ष्य, जैसा कि रजिस्ट्रार ठीक समझे, उन परिस्थितियों के बारे में दे जिनमें आवेदन किया गया है। ऐसा आवेदन प्ररूप भौ. उ.-5 में, जो भी उचित हो, किया जाएगा और उसकी एक प्रति की तामील आवेदक द्वारा प्राधिकृत उपयोगकर्ता या उपयोगकर्ताओं पर, यदि कोई है, की जाएगी या प्रश्नगत भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के अधीन कम से कम दो सुविख्यात स्थानीय समाचारपत्रों में लोक सूचना जारी की जाएगी और ऐसे किसी अन्य व्यक्ति पर तामील की जाएगी जिसके बारे में रजिस्टर से यह प्रतीत होता है कि उसका भौगोलिक उपदर्शन में हित है और रजिस्ट्रार को यह सूचना दी जाएगी कि उसने ऐसा कर दिया है।

71. रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन में परिवर्तन—जहां भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन में कुछ जोड़ने या परिवर्तन करने के लिए अनुमति हेतु धारा 29 के अधीन आवेदन करता है वहां वह प्ररूप भौ. उ.-9 में लिखित में आवेदन करेगा और भौगोलिक उपदर्शन की जब भी उसमें ऐसा जोड़ा गया या परिवर्तित किया गया प्रतीत हो, पांच प्रतियां देगा। आवेदन और इस प्रकार संशोधित या परिवर्तित भौगोलिक उपदर्शन की एक प्रति आवेदक द्वारा अभिलेख पर प्रत्येक प्राधिकृत उपयोगकर्ता पर तामील की जाएगी या कम से कम दो सुविख्यात स्थानीय समाचारपत्रों में लोक सूचना दी जाएगी और रजिस्ट्रार को यह सूचना दी जाएगी कि उसने ऐसा कर दिया है।

72. विनिश्चय और विरोध आदि से पूर्व विज्ञापन आदि—(1) रजिस्ट्रार, आवेदन पर विचार करेगा और उस पर विनिश्चय करने से पूर्व जनल में आवेदन को विज्ञापित कराएगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन विज्ञापन की तारीख से तीन मास के भीतर या कुल मिलाकर एक मास से अनधिक की ऐसी और अवधि के भीतर कोई भी व्यक्ति आवेदन के विरोध की सूचना प्ररूप भौ. उ.-2 में दे सकेगा और उसके साथ अपने आक्षेपों का कथन भी दे सकेगा। सूचना और कथन, यदि कोई हो, तीन प्रतियों में भेजे जाएंगे। उस दशा में जिसमें प्रश्नगत भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के अधीन कोई प्राधिकृत उपयोगकर्ता है, ऐसी सूचना और कथन के साथ उनकी उत्तरी प्रतियां हो सकेंगी जितने प्राधिकृत उपयोगकर्ता हैं। सूचना और कथन की एक-एक प्रति सूचना देने वाले व्यक्ति द्वारा रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्राधिकृत उपयोगकर्ता को यदि कोई हो भेजी जाएगी या अनुकूल्पतः उस निश्चित राज्य क्षेत्र, प्रदेश या परिक्षेत्र में जिसका संबंध भौगोलिक उपदर्शन से है, विस्तार रूप में परिचालित कम से कम दो प्रख्यात स्थानीय समाचार-पत्रों में आम सूचना जारी की जाएगी। रजिस्ट्रार, सूचना और कथन की प्रति दो मास के भीतर रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी भेजेगा और रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा रजिस्ट्रार से ऐसी प्रतियों की प्राप्ति से दो मास के भीतर वह रजिस्ट्रार को प्ररूप भौ.उ.-2 में उन आधारों का जिन पर विरोध किया गया है, तीन प्रतियों में प्रतिकथन भेजा जाएगा। यदि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी ऐसा प्रतिकथन भेजता है तो रजिस्ट्रार, उसकी एक प्रति विरोध की सूचना देने वाले व्यक्ति पर एक मास के भीतर तामील कराएगा और उसके पश्चात् विरोध पर आगे होने वाली कार्यवाहियों के संबंध में नियम 44 से 51 तक के उपबंध यथा परिवर्तित स्वप में लागू होंगे। रजिस्ट्रार, आवेदन को सिर्फ इस आधार पर खारिज नहीं करेगा कि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी ने प्रतिकथन फाइल नहीं किया है जब तक कि उसका यह समाधान नहीं हो जाता कि प्रतिकथन फाइल करने में विलम्ब जामकूकर है और मामले की परिस्थितियों में न्यायोपित नहीं है। कोई पक्षकार रजिस्ट्रार से निदेश प्राप्त करने के लिए आवेदन उस सूत्र में कर सकेगा जिसमें कि किसी बात के बारे में शंका है।

(3) यदि उपनियम (2)में विनिर्दिष्ट समय के भीतर कोई विरोध नहीं किया जाता है तो रजिस्ट्रार, आवेदक की सुनवाई के पश्चात् यदि वह ऐसी इच्छा करे, आवेदन को स्वीकार या खारिज करेगा और अपने विनिश्चय की लिखित में आवेदक को संसूचना देगा।

73. विनिश्चय-विज्ञापन-अधिसूचना—यदि रजिस्ट्रार, आवेदन को मंजूर करने का विनिश्चय करता है तो वह तदनुसार, रजिस्ट्रर में भौगोलिक उपदर्शन में परिवर्तन करेगा और जर्नल में एक अधिसूचना अन्तःस्थापित करेगा कि भौगोलिक उपदर्शन परिवर्तित कर दिया गया है। यदि आवेदन नियम 71 के अधीन विज्ञापित नहीं किया गया है तो वह भौगोलिक उपदर्शन को परिवर्तित रूप में जर्नल में विज्ञापित कराएगा।

अध्याय 6

व्यापार चिन्हों के संबंध में विशेष उपचार

74. (1) व्यापार चिन्हों के रजिस्ट्रीकरण से इंकार या उसका अविधिमान्यकरण.—जहां व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार स्वप्रेरणा से व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण से इंकार करने का या माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 25 की उपधारा (क) के अनुसरण में रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह को अविधिमान्य करने का विनिश्चय करता है, वहां व्यापार चिन्ह के, यथास्थिति, आवेदकों या रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी को लिखित में अधिसूचित करेगा जिसमें ऐसा करने के कारणों का कथन करेगा। उसके पश्चात् रजिस्ट्रार व्यापार चिन्ह के, यथास्थिति, आवेदक या रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी को सुने जाने का अवसर प्रदान करने के पश्चात् मामले का विनिश्चय करेगा।

(2) ऐसे व्यापार चिन्ह को रजिस्ट्रर करने या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह को अविधिमान्य करने के धारा 25 की उपधारा (क) के अधीन अनुरोध, जिसमें ऐसा भौगोलिक उपदर्शन अंतर्विष्ट है जो किसी देश के राज्यक्षेत्र या उस राज्यक्षेत्र में किसी प्रदेश या परिक्षेत्र में उद्भूत नहीं है जिसका ऐसा भौगोलिक उपदर्शन संकेत देता है और जिससे ऐसे माल या माल के बर्ग या बर्गों के उद्भव के सही स्थान के बारे में व्यक्तियों को भ्रम पैदा होने की संभावना है व्यापार चिन्ह नियम, 2001 के अधीन विहित प्रस्तुत में किया जाएगा। उसके पश्चात् व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्रार इंकार किए जाने के लिए अनुरोध की दशा में उसे आवेदक को भेज देगा और आवेदक को सुने जाने का अवसर प्रदान करेगा। अविधिमान्यकरण के लिए अनुरोध की दशा में, व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार उस अनुरोध को रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी को भेजेगा और उस विषय पर आगे कार्रवाइयों को व्यापार चिन्ह नियम 2002 के नियम 93 में वर्णित प्रक्रिया यथा आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होगी।

75. ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह को, जो धारा 22(2) के अधीन अधिसूचित भौगोलिक उपदर्शन के प्रतिकूल है, इन्कार या अविधिमान्यकरण.—जहां व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार स्वप्रेरणा से माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम 1999 की धारा 25 की उपधारा (ख) के अनुसरण में किसी आवेदन को इंकार करने या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह को अविधिमान्य करने का विनिश्चय करता है वहां वह यथास्थिति आवेदक या रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी को लिखित में अधिसूचित करेगा जिसमें उसके लिए आधारों को कथन करेगा। उसके पश्चात् रजिस्ट्रार यथास्थिति आवेदक को या व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी को सुने जाने का अवसर देने के पश्चात् मामले का विनिश्चय करेगा।

(2) अधिसूचित भौगोलिक उपदर्शनों का धारा 25 (ख) के अधीन इन्कार या अविधिमान्यकरण.—ऐसे व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन को अस्वीकार करने या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह को अविधिमान्य करने के जो धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन अधिसूचित माल या भाल के बर्ग या बर्गों की पहचान करने वाले भौगोलिक उपदर्शन के प्रतिकूल है या उसमें वह अन्तर्विष्ट है, धारा 25 की उपधारा (ख) के अधीन अनुरोध व्यापार चिन्ह नियम, 2001 के अधीन विहित प्रस्तुत में किया जाएगा। उसके पश्चात् व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार इन्कार के लिए अनुरोध की दशा में रजिस्ट्रार उसे आवेदक को भेजेगा और आवेदक को सुने जाने का अवसर प्रदान करेगा। अविधिमान्यकरण के अनुरोध की दशा में व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार उस अनुरोध की रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी को भेजेगा और उस विषय में आगे कार्रवाइयों को व्यापार चिन्ह नियम, 2002 के नियम 93 में वर्णित प्रक्रिया यथा आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होगी।

76. (1) भौगोलिक उपदर्शन के इन्कार या अविधिमान्यकरण का प्रकाशन.—व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 25 के अनुसरण में व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण से इन्कार या उसके अविधिमान्यकरण का हवाला अभिलिखित करेगा और उसे प्रकाशित करेगा और प्रकाशन की एक प्रति भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रार को भेजेगा।

(2) माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 25 के अनुसरण में व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण से इन्कार या उसके अविधिमान्यकरण के हवाला के प्रकाशन में निम्नलिखित होगा:—

- (क) चिन्ह की समाकृति;
- (ख) व्यापार चिन्ह के यथास्थिति, आवेदन या उसके रजिस्ट्रीकरण की संख्या;
- (ग) यथास्थिति, आवेदक या रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी का नाम और पता;
- (घ) रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह की दशा में, यथास्थिति, व्यापार चिन्ह के आवेदन या रजिस्ट्रीकरण की तारीख;
- (ड) उस माल की सूची या माल का बर्ग जिसकी बाबत व्यापार चिन्ह के लिए आवेदन किया गया था या रजिस्ट्रीकृत किया गया था; और

(च) उस आधार का संक्षेप जिस पर व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन अस्वीकार किया गया था या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्रीकरण अविधिमान्य किया गया था।

अध्याय 7

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 22(2) के अधीन कातिपय माल के लिए अतिरिक्त संरक्षण के संबंध में प्रक्रिया

77. कातिपय माल के लिए अतिरिक्त संरक्षण.—केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन अधिसूचित माल की बाबत रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शनों के अतिरिक्त संरक्षण के लिए आवेदन विहित फीस के साथ प्रस्तु भौ.उ. 9 में तीन प्रतियों में रजिस्ट्रार को किया जा सकेगा और उसके साथ एक पक्ष कथन होगा। ऐसा पक्ष कथन तीन प्रतियों में दिया जाएगा। और उसके साथ जारी की गई अधिसूचना की प्रति दी जाएगी।

78. आवेदन भारत में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी और ऐसे भौगोलिक उपदर्शन के सभी उत्पादकों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा जिनके नाम भाग ख में प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्टर में प्रविष्ट किए गए हैं।

79. रजिस्ट्रार द्वारा विचार किया जाना.—रजिस्ट्रार भारत में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन की बाबत ऐसे माल के लिए अतिरिक्त संरक्षण आवेदन की प्राप्ति पर इस बारे में जांच करेगा कि क्या एक सार्वभौम मापदण्ड पर माल या माल के वर्गों की प्रतिष्ठा पर विशेष ध्यान देते हुए प्रश्नगत माल या माल के वर्ग मापनीय है जो धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन अपेक्षा करते हैं कि ऐसे भौगोलिक उपदर्शन के अनधिकार प्राप्त या नकल के विरुद्ध अतिरिक्त संरक्षण प्रदान किया जाए भले ही माल या माल के वर्गों का सही उद्भव उपदर्शित है या रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अनुषादित रूप में प्रयुक्त है या "किस्म" "प्रकार" "ठंग" "अभृति" या अन्य ऐसे ही उसके साथ है अथवा नहीं।

80. आवेदन को अस्वीकार करने से पूर्व सुनवाई.—(1) यदि रजिस्ट्रार को आवेदन या किसी अन्य विषय-वस्तु की सुनवाई पर, जिसको आवेदक दे सकेगा या देने की उससे अपेक्षा की जा सकेगी, आवेदन को स्वीकार करने में कोई आपत्तियां हैं या वह उसे ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जिन्हें वह अधिरोपित करना ठीक समझे, स्वीकार करने का प्रस्ताव करता है तो रजिस्ट्रार ऐसी आपत्तियों या प्रस्तावों को लिखित में आवेदक को संसूचित करेगा।

(2) यदि आवेदक ने लिखित में अपने संप्रेक्षण सम्यक रूप से संसूचित कर दिए हैं और उसने यह कथन किया है कि वह सुने जाने का इच्छुक नहीं है तो सुनवाई करने के पश्चात् या बिना सुनवाई के उपरियम (1) के अधीन रजिस्ट्रार का विनिश्चय लिखित में आवेदक को संसूचित किया जाएगा और यदि आवेदक ऐसे विनिश्चय के विरुद्ध अपील करना चाहता है तो वह ऐसी संसूचना की तारीख से दो मास के भीतर रजिस्ट्रार से, उसके द्वारा अपने विनिश्चय पर पहुंचने में प्रयोग किए गए आधारों और सामग्री का लिखित में कथन करने की अपेक्षा करते हुए, अनुरोध कर सकेगा।

81. रजिस्ट्री में प्रविष्टि—(1) जहां रजिस्ट्रार ऐसे भौगोलिक उपदर्शन को अनुज्ञात करने का विनिश्चय करता है जिसकी बाबत धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन यथा परिकल्पित अतिरिक्त संरक्षण दिया जाना है वहां वह रजिस्टर में सुसंगत भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में आवेदन की बाबत अधिसूचित माल को अतिरिक्त संरक्षण प्रदान करने के अपने विनिश्चय पर पहुंचने में उसके द्वारा प्रयुक्त आधारों और सामग्री का सार प्रविष्ट करेगा।

(2) रजिस्ट्रार के भाग के प्रविष्टि में उस तारीख का जिस पर अतिरिक्त संरक्षण के लिए आवेदन किया गया था; रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी के नाम, विवरण और भारत में कारबाह के मुख्य स्थान का और यदि वे भारत में कोई कारबाह नहीं करता है तो भारत में तामील के लिए उनके पते का कथन होगा।

अध्याय 8

प्रक्रीण

82.(क) एकल आवेदन.—(1) जहां माल के भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन किया जाता है वहां उसमें अन्तर्विष्ट माल के विनिर्देश में न्यूनतम संख्या से आरम्भ होने वाली क्रमबद्धता संख्या के क्रम में वर्ग और माल में प्रत्येक वर्ग के अधीन जो उस वर्ग में उपयुक्त हो, सूची भी वर्णित होगी।

(2) यदि भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए मूल आवेदन में अन्तर्विष्ट माल का विनिर्देश चौथी अनुसूची के किसी वर्ग या वर्गों के प्रतिनिर्देश करके सूचीबद्ध करता है जिसमें वे नहीं आते हैं रजिस्ट्रार आवेदक से यह अपेक्षा करेगा कि वह आवेदन को ऐसे वर्ग या वर्गों में जिससे आवेदन संबंधित है, विभाजन फीस के संदाय पर प्रस्तु भौ.उ.-5 में विभाजित करे और उसके साथ ऐसे वर्ग की ऐसी फीस होगी जो समुचित हो।

(3) धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन फाइल किए गए आवेदन, जब उनके विज्ञापन किए जाने का आदेश दिया गया है भौगोलिक उपदर्शन जर्नल के एक अलग खंड में प्रकाशित किए जाएंगे।

(4) रजिस्ट्रार, धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन किए गए आवेदन की बाबत रजिस्ट्रीकरण का एकल प्रमाणपत्र जारी करेगा जिस पर रजिस्ट्रीकरण के लिए कार्रवाई की गई है।

(ख) विभाजन आवेदन (1) जहां एकल आवेदन के विभाजन के लिए धारा 15 के परंतुक के अधीन प्ररूप भौ.उ.-5 में कोई आवेदन किया जाता है वहां ऐसा आवेदन विभाजन फीस और ऐसी वर्ग फीसों के संदाय पर जो उपयुक्त हो, दो या अधिक पृथक आवेदनों में विभाजित किया जाएगा।

(2) आवेदक, रजिस्ट्रीकरण से पूर्व किसी समय रजिस्ट्रार से रजिस्ट्रीकरण के लिए अपने आवेदन के (मूल आवेदन) दो या अधिक पृथक आवेदनों में (विभाजन आवेदन) विभाजन के लिए अनुरोध कर सकेगा जिसमें प्रत्येक भाग के लिए माल के विनिर्देश का संकेत दिया जाएगा। रजिस्ट्रार प्रत्येक विभाजन आवेदन को उसे फाइल करने की तारीख के साथ जब मूल आवेदन फाइल किया गया था, रजिस्ट्रीकरण के लिए पृथक आवेदन के रूप में मानेगा।

(3) किसी वर्ग के कुछ माल को न कि पूरे माल को, विभाजित करने के अनुरोध की दशा में, उस विभाजन द्वारा सूचित पृथक आवेदन के लिए विभाजन फीस प्रस्तुत की जाएगी।

(4) यदि विभाजन करने के अनुरोध में आवश्यक फीस सम्मिलित नहीं है या कोई अन्य कमी है तो रजिस्ट्रार उस कमी को आवेदक को अधिसूचित करेगा आवेदक ऐसी किसी कमी को तीस दिन के भीतर ठीक करेगा। यदि आवेदक उपबंधित समय के भीतर उस कमी को ठीक करने में असफल रहता है तो अनुरोध परिव्यक्त किया गया समझा जाएगा और आवेदन पर उस अनुरोध पर ध्यान दिए बिना आगे कार्यवाही की जाएगी।

(5) जहां किसी आवेदन को विभाजित करने का अनुरोध प्राप्त होता है वहां रजिस्ट्रार यथास्थिति एक अतिरिक्त पृथक नया क्रम संख्या या संख्याएं समनुदेशित करेगा और वह मूल आवेदन के प्रति निर्देशित होगा। ऐसे अतिरिक्त पृथक आवेदन को फाइल करने की वही तारीख समनुदेशित की जाएगी जो मूल आवेदन की थी।

(6) शंकाओं को दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि जब एकल आवेदन विभाजित किया जाता है तब कोई नया रजिस्ट्रीकरण नहीं किया जाएगा। इसके विपरीत पहले से फाइल किया गया आवेदन को अलग-अलग फाइलों में पृथक या विभाजित किया जाएगा।

83. समय का विस्तार।—(1) धारा 64 के अधीन समय के विस्तार के लिए आवेदन (जो अधिनियम में स्पष्टतः उपबंधित समय नहीं है या ऐसा समय नहीं है जिसके विस्तार के लिए नियमों में उपबंध किया गया है) प्ररूप भौ.उ.-9 में किया जाएगा।

(2) रजिस्ट्रार, उपनियम (1) के अधीन किए गए आवेदन पर यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हैं जिनमें आवेदित समय के विस्तार को व्यायोंचित ठहराया जा सकता है, नियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए, जहां अधिकतम समय सीना विहिर की गई है और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जिन्हें वे अधिरोपित करना ठीक समझे, समय को विस्तारित कर सकेगा और तदनुसार पक्षकारों के अधिसूचित करेगा तथा विस्तार ऐसी दशा में भी प्रदान किया जा सकता है जिसमें यद्यपि कोई कार्य करने के लिए या कार्यवाहीयां चलाने के लिए समय जिसके लिए आवेदन किया गया है पहले ही समाप्त हो चुका है।

84. रजिस्ट्रार की वैदेकिक शक्ति का प्रयोग।—यह समय जिसके भीतर कोई व्यक्ति सुने जाने का अवसर प्रदान किए जाने के लिए धारा 61 के अधीन हकदार है सुने जाने की अपेक्षा के अपने विकल्प का प्रयोग करेगा, अधिनियम या नियमों में जैसा स्पष्टतः उपबंधित है उसके सिवाये, उस सूचना की तारीख से एक मास का होगा जो रजिस्ट्रार उस बात का अवधारण करने से पूर्व ऐसे व्यक्ति को देगा जिसके संदर्भ में ऐसा व्यक्ति सुने जाने का हकदार है। यदि उस मास के भीतर ऐसे व्यक्ति को सुने जाने की अपेक्षा की जाती है तब रजिस्ट्रार सुनवाई के लिए तारीख सिमत करेगा और उसे दस दिन की सूचना देगा।

85. विनिश्चय की अधिसूचना।—अधिनियम या नियमों द्वारा उसे दी गई वैदेकिक शक्ति के प्रयोग में रजिस्ट्रार का विनिश्चय प्रभावित व्यक्ति को अधिसूचित किया जाएगा।

86. संशोधन और प्रक्रिया में अनियमितता की शुद्धि।—(1) भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता से संबंधित कोई दस्तावेज, संसूचना या अन्य अभ्यावेदन संशोधित किया जा सकेगा और प्रक्रिया में कोई अनियमितता जो रजिस्ट्रार की राय में किसी व्यक्ति के हितों को हानि पहुंचाए बिना दूर की जा सकेगी ठीक की जा सकेगी यदि रजिस्ट्रार ऐसे निबंधनों पर जो वह निर्देश ठीक और उचित समझे।

(2) रजिस्ट्रार यह अपेक्षा कर सकेगा कि भौगोलिक उपदर्शन के किसी आवेदन या समाकृत या किसी अन्य दस्तावेज या उससे संबंधित

किसी अतिरिक्त विषय का, उसे अधिनियम की औपचारिक अपेक्षाओं के अनुसार लाने के लिए संशोधन किया जाएगा।

87. निर्देशों का अन्यथा विहित न किया जाना।—जहां रजिस्ट्रार की राय में, अधिनियम या नियमों के अधीन किन्हीं कार्यवाहियों के उचित अभियोजन या उनको पूरा करने के लिए किसी व्यक्ति के लिये यह आवश्यक है कि वह कोई ऐसा कार्य करे कोई दस्तावेज़ फाइल करे या साक्ष्य प्रस्तुत करे जिसके लिए अधिनियम या नियमों द्वारा उपबंध नहीं किया गया है वहां रजिस्ट्रार लिखित सूचना द्वारा उस व्यक्ति से अपेक्षा कर सकेगा कि वह सूचना में विनिर्दिष्ट कार्य करे दस्तावेज़ फाइल करे या साक्ष्य प्रस्तुत करे।

88. सुनवाई।—(1) ऐसे भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में जिसके लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् किया जाता है नियम 4 के उपनियम (2) के अधीन रहते हुए आवेदन या अधिनियम और नियमों के अधीन कोई कार्यवाही उस दशा में जिसमें सुनवाई आवश्यक हो जाती है, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के ऐसे समूचित कार्यालय पर की जाएगी जिसमें धारा 11 की उपधारा (4) के अधीन ऐसा आवेदन किया गया था या उस कार्यालय की क्षेत्रीय अधिकारिता के भीतर ऐसे स्थान पर की जाएगी जिसमें रजिस्ट्रार उचित समझे।

(2) जहां रजिस्ट्रार की शक्तियों का प्रयोग करने वाला अधिकारी जिसने अधिनियम और नियमों के अधीन किसी मामले की सुनवाई की है, और उस पर आदेश आरक्षित किया है, रजिस्ट्री के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय को स्थानान्तरित कर दिया जाता है या कोई आदेश पारित करने से पूर्व या उस पर कोई विनिश्चय देने से पूर्व किसी अन्य नियुक्ति पर पदावनत कर दिया जाता है वहां वह, यदि रजिस्ट्रार ऐसे नियोग दे, आदेश पारित कर सकेगा या विनिश्चय दे सकेगा मानो वह रजिस्ट्री के उस कार्यालय में अधिकारी बना रहा है जहां मामले की सुनवाई की गई थी।

रजिस्ट्रार द्वारा खाचों का अधिनियम

89. अप्रतिवादित मामलों में खाचें।—जहां नियमों के अधीन सम्यक रूप से संस्थित किसी विरोध का आवेदक द्वारा प्रतिवाद नहीं किया जाता है वहां रजिस्ट्रार इस बारे में विनिश्चय करते समय कि विरोधी को खाचें दिलाए जाएं अथवा नहीं, इस बारे में विधार करेगा कि यदि विरोधी द्वारा आवेदक को विरोध की सूचना फाइल किए जाने से पूर्व युक्तियुक्त सूचना दी गई होती तो क्या उन कार्यवाहियों से बचा जा सकता था।

90. नियम 89 का अपवाद।—नियम 89 में किसी बात के होते हुए भी पहली अनुसूची की प्रविष्टि 7, 8 और 9 के अधीन विनिर्दिष्ट फीसों की बाबत खाचें और कार्यवाहियों में प्रयुक्त शापथपत्रों पर लगाए गये और चिपकाए गए सभी स्टाम्पों के खाचें स्थिति के अनुसार दिलाए जाएंगे।

91. खाचों का मापमान।—नियम 89 और 90 के उपबंधों के अधीन रहते हुए रजिस्ट्रार के समक्ष सभी कार्यवाहियों में रजिस्ट्रार, अधिनियम द्वारा जैसा अन्यथा स्पष्टतः उपबंधित है, उसके सिवाय, ऐसे खाचें अधिनियमित कर सकेगा जो उसके लिए अनुज्ञय रकम से अधिक नहीं होंगे जिसे मामले की सभी परिस्थितियों का ध्यान में रखते हुए यह युक्तियुक्त समझे।

रजिस्ट्रार द्वारा विनिश्चय का पुनर्विलोकन

92. रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन।—धारा 60 के छंड (ग) के अधीन रजिस्ट्रार को उसके विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन ऐसे विनिश्चय की तारीख से एक मास के भीतर या उसके पश्चात् एक मास के अनधिक ऐसी और अवधि के भीतर जिसे रजिस्ट्रार अनुरोध पर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत भौ.उ. 7 में किया जाएगा तथा उसके साथ एक कंधन होगा जिसमें वे आधार वर्णित होंगे जिन पर पुनर्विलोकन की ईम्पा की गई है। जहां प्रश्नात विनिश्चय आवेदक के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति से संबंधित है वहां ऐसा आवेदन और कथन तीन प्रतियों में दिए जाएंगे और रजिस्ट्रार तत्काल आवेदन और कथन की एक-एक प्रति संबद्ध अन्य व्यक्ति को भेजेगा। रजिस्ट्रार पक्षकारों को सुने जाने का अवसर प्रदान करने के पश्चात् आवेदन को खारिज कर सकेगा या सर्वांगी शर्तों या मर्यादाओं के अधीन रहते हुए जिन्हें वे ठीक समझे, आवेदन मंजूर कर सकेगा।

शपथ पत्रों

93. शपथ पत्रों के प्रस्तुप आदि।—(1) अधिनियम और नियमों के अधीन जिन शपथपत्रों की बाबत यह अपेक्षित है कि वे भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में फाइल किए जाएं या रजिस्ट्रार को दिए जाएं, वे उस सूरत में के सिवाय, जिसमें कि दूसरी अनुसूची में अन्यथा उपबंधित है, उस बात या बातों वाले शीर्षक से होंगे, जिससे या जिनसे कि वे सम्बद्ध हैं, उसम पुरुष ने लिखे होंगे और क्रमबाट संख्या वाले पैराओं में विभाजित होंगे; और प्रत्येक पैरा यावत्साध्य एक बात तक परिसीमित होगा और प्रत्येक शपथपत्र में उसे करने वाले व्यक्ति का अभिवर्णन और उसका सही निवास स्थान दिया होगा, उसे फाइल करने वाले व्यक्ति का नाम और पता उसमें दिया होगा और उसमें यह भी कथित होगा कि किस की ओर से वह फाइल किया गया है।

(2) जहां कि दो या दो से अधिक व्यक्ति शपथपत्र में सम्मिलित होते हैं वहां उनमें से प्रत्येक पृथक्ता: ऐसे तथ्यों का अभिसाक्ष्य देगा जो उसके भीजी ज्ञान में हैं और वे तथ्य पृथक्ता पैराओं में दिए जाएंगे।

(3) शपथपत्र—

(क) भारत में ऐसे किसी न्यायालय के या व्यक्ति के समक्ष, जिसे साक्ष्य लेने का प्राधिकार विधि द्वारा प्राप्त है, या ऐसे किसी अधिकारी के समक्ष जो उपर्युक्त जैसे न्यायालय द्वारा शपथ दिलाने के लिए या शपथ पत्र कराने के लिए सशक्त है, कराए जाएंगे।

(ख) भारत के बाहर किसी देश या स्थान में राजनियिक और कॉलंसलीय अफिसर (शपथ और फीस) अधिनियम, 1948 के अर्थ में ऐसे

देश या स्थान के राजनीयिक या कॉसलीय आफिसर के समक्ष या ऐसे देश या स्थान के नोटरी पब्लिक के समक्ष या किसी न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट के समक्ष किए जाएंगे।

(4) जिस व्यक्ति के सामने शपथपत्र किया जाएगा, वह उस तारीख को, जिस पर और उस स्थान को, जहां शपथपत्र किया गया है, लिख देगा और यदि उसकी अपनी मुद्रा है, तो उसे उस पर लगाएगा या उस न्यायालय की मुद्रा लगाएगा जिससे वह संलग्न है, और उसके अंत में अपना नाम और अभिवर्णन देकर हस्ताक्षर करेगा।

(5) उस शपथपत्र को, जिसकी बाबत यह प्रकटतः तात्पर्णित है कि उस पर इस बात के परिसाध्य स्वरूप कि वह उस व्यक्ति के समक्ष किया गया है, जो शपथपत्र करने के लिए उपनियम (3) द्वारा प्राधिकृत है, ऐसे व्यक्ति की मुद्रा लगी हुई या हस्ताक्षर किया हुआ है, रजिस्ट्रार उस मुद्रा या हस्ताक्षर के असल होने की या उस व्यक्ति की पदीय हैंसियत के सबूत बिना ग्रहण कर सकेंगा।

(6) परिवर्तन और पंक्तियों के बीच लिखी बातों को इससे पूर्व कि शपथपत्र सौगंध लेकर या प्रतिज्ञान करके किया जाए, उस व्यक्ति के आद्याक्षरों द्वारा अधिप्रमाणित किया जाएगा जिस के समक्ष शपथपत्र किया गया है।

(7) जहां कि अभिसाक्ष्यकर्ता निरक्षर अंथा या उस भाषा से अपरिचित है जिसमें शपथपत्र लिखा गया है वहां शपथपत्र कराने वाले व्यक्ति द्वारा यह प्रमाण पत्र कि शपथपत्र उसके समक्ष अभिसाक्ष्यकर्ता को पढ़कर सुनाया गया, उसके बास्ते उसका अनुवाद किया गया या उसकी व्याख्या की गई और प्रतीत हुआ कि अभिसाक्ष्यकर्ता उसे पूर्णतः समझता है और यह कि अभिसाक्ष्यकर्ता ने भेरी उपस्थिति में अपने हस्ताक्षर किए या चिन्ह बनाया, शपथपत्र के निचले भाग में दिया होगा।

(8) अधिनियम या नियमों के अधीन वाली किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में जो शपथपत्र रजिस्ट्रार के समक्ष फाइल किया जाता है वैसा प्रत्येक शपथपत्र तत्समय प्रवृत्त विधि के अनुसार लगाने वाले स्थान पर होगा।

जनता द्वारा दस्तावेजों का निरीक्षण

94. दस्तावेजों का निरीक्षण :—धारा 78 की उपधारा (1) में वर्णित दस्तावेजों निरीक्षण के लिए भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के मुख्य कार्यालय में प्राय रहेंगी। रजिस्टर की ओर धारा 78 में वर्णित ऐसी अन्य दस्तावेजों की प्रति जैसी कि केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा निर्दिष्ट करे, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के प्रत्येक शाखा कार्यालय में जब भी उसकी स्थापना होती है, निरीक्षण के लिए प्राप्त रहेंगी। निरीक्षण विहित फीस दिए जाने पर और उन सभी दिनों में, जिन में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय जनता के लिए बंद नहीं रहता, ऐसे समयों पर जैसे कि रजिस्ट्रार नियम करे, किया जाएगा।

95. जर्नल और अन्य दस्तावेजों की प्रतियों का वितरण :—केन्द्रीय सरकार रजिस्ट्रार को निदेश दे सकेगी कि वह जर्नल और किसी अन्य दस्तावेज को, जिसे वह आवश्यक समझती है, ऐसे स्थानों में वितरित करे जैसे कि केन्द्रीय सरकार राज्य सरकारों से विचार विमर्श करके नियमित करे और राजपत्र में समय-समय पर अधिसूचित करे।

प्रमाणपत्र

96. दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां :—रजिस्टर में कि किसी प्रविष्टि की प्रमाणित प्रतियां या धारा 78 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट किसी दस्तावेज की या रजिस्ट्रार के किसी विनिश्चय या आदेश की प्रमाणित प्रतियां या [धारा 16 की उपधारा (2) के अधीन वाले प्रमाणपत्र से भिन्न] प्रमाणपत्र जो कि ऐसी किसी प्रविष्टि, बात या चीज से संबंधित है जिसे कि रजिस्ट्रार अधिनियम या नियमों द्वारा करने के लिए प्राधिकृत अपेक्षित है, रजिस्ट्रार विहित फीस महित उसके लिए किसी व्यक्ति द्वारा प्ररूप भौ.उ. 7 में किए गए आवेदन की प्राप्ति पर दे सकेगा। किसी प्रमाणपत्र या प्रमाणित प्रति में किसी भौगोलिक उपदर्शन की प्रति सम्मिलित करने के लिए रजिस्ट्रार उस सूत्र में के सिवाय बाध्य न होगा जिसमें कि आवेदक ने भौगोलिक उपदर्शन की ऐसी नकल जैसी कि इस प्रयोजन के लिए समुचित है, उसे दे दी है :

97. विदेश में रजिस्ट्रीकरण कराने के बास्ते काम में लाए जाने के लिए प्रमाणपत्र :—(1) जहां कि भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण संबंधी कोई प्रमाणपत्र इस दृष्टि से चाह जाता है कि भारत से बाहर वाले किसी राज्यक्षेत्र में रजिस्ट्रीकरण कराने के लिए वह काम में लाया जा सके वहां रजिस्ट्रार प्रमाणपत्र में भौगोलिक उपदर्शन की एक नकल सम्मिलित करेगा और प्रमाणपत्र के आवेदक से यह उपेक्षा कर सकेगा कि वह आवेदक इस प्रयोजन के लिए समुचित भौगोलिक उपदर्शन की एक नकल रजिस्ट्रार को दे, और यदि आवेदक वैसा करने में असफल रहता है, तो रजिस्ट्रार प्रमाणपत्र देने से इंकार कर सकेगा।

(2) जहां कि भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकरण रंग संबंधी मर्यादा के बिना किया जाता है, वहां प्रमाणपत्र में सम्मिलित किए जाने वाले भौगोलिक उपदर्शन की नकल या तो उस रंग में हो सकेगी जिसमें कि वह रजिस्ट्रार में दिखाया गया है या किसी अन्य रंग या रंगों में हो सकेगी और प्रमाणपत्र में यह कथत किया जाएगा कि भौगोलिक उपदर्शन रंग की मर्यादा के बिना रजिस्ट्रीकृत है।

(3) रजिस्ट्रार प्रमाणपत्र में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण से सम्बृक्त ऐसी विशिष्टियां देगा, जैसी कि उसे ठीक लगती है और

रजिस्टर में दिए हुए किन्हीं दावात्यागों के प्रति निदेशों को उसमें लुप्त कर सकेगा। जिस प्रयोजन के लिए प्रमाणपत्र दिया गया है, वह प्रयोजन उसमें कथित किया जाएगा।

बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड में अपीलें

98. अपील के लिए समय :—(1) अधिनियम या नियमों के अधीन जो कोई विविश्वय रजिस्ट्रार ने किया है उसकी अपील ऐसे विविश्वय की प्राप्ति की तारीख से तीन मास के भीतर या ऐसे अतिरिक्त समय में, जैसा कि बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड समनुज्ञात करे, बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड में की जाएगी।

(2) अधिनियम अवधारणाओं के अधीन बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड से किए गये प्रत्येक आवेदन की प्रति की तारीख रजिस्ट्रार पर की जाएगी।

मान्यता का प्रमाणपत्र

99. मान्यता के प्रमाणपत्र का टीप लिया जाना :—जहां कि बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड ने रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन की मान्यता के संबंध में, प्रमाण धारा 72 में यथा उपर्युक्त रूप में दिया है, वहां उसका रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी रजिस्ट्रार से प्ररूप भौ. ड. 7 में यह निवेदन कर सकेगा कि रजिस्ट्रार में यह टिप्पण बढ़ाया जाए कि मान्यता का प्रमाणपत्र, जिसकी विशिष्टियां निवेदन में दी जाएंगी, कार्यवाहियों के दौरान अनुदत्त किया गया है। प्रमाणपत्र की जो प्रति राजकीय रूप से प्रमाणित है वह इस निवेदन के साथ भेजी जाएंगी और रजिस्ट्रार रजिस्टर में उस आशय का एक टिप्पण अभिलिखित करेगा और उस टिप्पण को जर्नल में प्रकाशित करेगा।

प्रदर्श लौटाना और अभिलेख नष्ट करना

100. प्रदर्श लौटाना :—(1) जहां कि अधिनियम या नियमों के अधीन किसी विषय या कार्यवाही में पेश किए गए प्रदर्श की आवश्यकता भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय में आगे के लिए नहीं रहती, वहां रजिस्ट्रार संपूर्ण पक्षकार को समाहृत कर सकेगा कि यथास्थिति प्रदर्श रजिस्ट्रार द्वारा उत्तिष्ठित समय के भीतर वापस ले जाएं और यदि पक्षकार वैसा करने में असफल रहता है, तो यथास्थिति ऐसे प्रदर्श के साथ नीचे उपनियम (2) में वर्णित रीति से व्यवहार किया जाएगा।

(2) जहां कोई प्रदर्श किसी कार्यवाही में पेश किए जा चुके हैं, वहां रजिस्ट्रार उस अवस्था में, जिसमें कि उसका यह समाधान हो जाता है कि उनका रखा जाना अब आवश्यक नहीं है, अधिसूचित तारीख से छह मास की समाप्ति के पश्चात् उन्हें नष्ट करा देगा।

101. अभिलेख नष्ट किए जाएंगे :—जहां कि भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन प्रत्याहृत, परित्यक्त या खारिज कर दिया जाता है या कोई भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता रजिस्टर से हटा दिया जाता है, वहां रजिस्ट्रार यथास्थिति आवेदन के प्रत्याहृत या परित्यक्त या खारिज कर दिये जाने के पश्चात् या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन या है या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के हटाये जाने के पश्चात् तीन वर्ष की समाप्ति पर भौगोलिक उपदर्शन या संबंध उपयोगकर्ता के लिए आवेदन संबंधी सब अभिलेखों को या उनमें से किसी को नष्ट करा देगा।

भाग 2

भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता का रजिस्ट्रीकरण

102. भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता का रजिस्टर :—भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं का एक रजिस्टर रखेगा जिसमें प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता का नाम उसके निवास स्थान का पता, कारबार के मुख्य स्थान का पता, राष्ट्रीयता, अहंताएं और रजिस्ट्रकरण की तारीख प्रविष्ट की जाएगी।

103. विद्यमान रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न अभिकर्ता का रजिस्ट्रीकरण :—(1) प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जिसका नाम, अधिसूचित तारीख को व्यापार चिह्न नियम 2002 के अधीन रखे गए। व्यापार चिह्न अभिकर्ताओं के रजिस्टर में है नियम 104 के अधीन रहते हुए अधिनियम और नियमों के अधीन भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत किया गया समझा जाएगा।

(2) उप नियम (1) के अधीन रजिस्ट्रीकृत समझे गए भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के बने रहने की फीस अधिसूचित तारीख से ही संदेय होगी।

(3) रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के लिए ड्रेस कोड प्रकाशित कर सकेगा।

(4) रजिस्ट्रार, जर्नल में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के लिए आचार संहिता प्रकाशित कर सकेगा।

104. रजिस्ट्रीकरण के लिए अहंताएं :—(1) नियम 105 को उपर्युक्त अधीन रहते हुए, कोई व्यक्ति भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता

के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए अहंतित समझा जाएगा यदि यह :—

- (i) भारत का नागरिक है ;
- (ii) 21 वर्ष से कम आयु का नहीं है ;
- (iii) उसने नियम 108 में विहित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या वह अधिवक्ता अधिभियम, 1961 के अर्थ में अधिवक्ता है ;
- (iv) भारत में किसी विश्वविद्यालय का स्नातक है या तत्समान अहंता रखता है ; और
- (v) रजिस्ट्रार द्वारा भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए योग्य और उचित व्यक्ति समझा जाता है।

105. ये व्यक्ति जिनका रजिस्ट्रीकरण विवरित है :——ऐसा कोई व्यक्ति भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र नहीं होगा यदि यह :—

- (i) सक्षम न्यायालय द्वारा विकृत वित्त या न्यायानीर्णीत कर दिया गया है ;
- (ii) अननुमोचित दिवालिया है ;
- (iii) अननुमोचित दिवालिया होते हुए उसने न्यायालय से इस आशय का प्रमाणपत्र नहीं प्राप्त किया है कि किसकी ओर से कोई अवचार किए जिना वह दुर्भाग्यवश दिवालिया हो गया था ;
- (iv) भारत के अंदर या भारत से बाहर किसी सक्षम न्यायालय द्वारा ऐसे अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है जो निर्वासन या कारावास से दण्डनीय है, जब तक कि वह जिस अपराध के लिए सिद्धदोष हुआ है उसके लिए उसके क्षमा नहीं मिल गया है या जब तक केन्द्रीय सरकार ने इस निमित योग्यता को हटा नहीं दिया है ;
- (v) विधि व्यवसायी होते हुए वृत्ति संबंधी अवचार का दोषी भारत में के किसी उच्च न्यायालय द्वारा या भारत की सीमाओं से बाहर वाले किसी न्यायालय द्वारा ठहराया गया है ;
- (vi) चार्टर्ड एकाउंटेंट या कंपनी सचिव होते हुए किसी उच्च न्यायालय द्वारा उपेक्षा या अवचार का दोषी ठहराया गया है ; या
- (vii) रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता होते हुए रजिस्ट्रार द्वारा वृत्तिक अवचार का दोषी ठहराया गया है।

106. आवेदन करने की रीति :——नियम 4 के उपनियम (2) के उपबंधों के अधीन रहते हुए, इस भाग के उपबंधों के अधीन सभी आवेदन सीम प्रतियों में किए जाएंगे और उस भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री को भेजे या उसमें उपस्थित किए जाएंगे जिसकी प्रादेशिक सीमाओं के भीतर आवेदक के कारबार का मुख्य स्थान स्थित है।

107. भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन :—(1) भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में अपना रजिस्ट्रीकरण आवेदन वाला प्रत्येक व्यक्ति प्ररूप भौ.उ.-8 में आवेदन करेगा।

(2) आवेदक अपने आवेदन विषयक ऐसी अतिरिक्त जानकारी देगा जैसी देने की अपेक्षा उससे रजिस्ट्रार किसी समय करे।

108. आवेदन पर प्रक्रिया और अहंक अपेक्षाएँ :—(1) रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में किसी व्यक्ति के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि आवेदक विहित अहंताओं को पूरा करता है एक तारीख नियत करेगा जिस पर अभ्यर्थी उसके समक्ष भौगोलिक उपदर्शन विधि, पद्धति और प्रक्रिया में लिखित परीक्षा के लिए उपस्थित होगा और उसके पश्चात् साक्षात्कार होगा। अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाएगी कि वह अधिनियम और नियमों के उपबंधों की विस्तृत जानकारी और भौगोलिक उपदर्शन की विधि के तत्वों की जानकारी रखता हो।

(2) लिखित परीक्षा के लिए और साक्षात्कार के लिए अहंक अंक क्रमशः 40 प्रतिशत होंगे तथा अभ्यर्थी को परीक्षा में उत्तीर्ण तभी घोषित किया जाएगा जब उसने कुल अंकों के कुल मिलाकर 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों।

109. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र :—अभ्यर्थी का साक्षात्कार हो जाने और उसके आवेदन पर की कोई अन्य जानकारी अभिप्राप्त हो जाने के पश्चात् जिसे रजिस्ट्रार आवश्यक समझे, और यदि रजिस्ट्रार आवेदक को भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र या अहंति समझता है तो वह आवेदक को इस आशय की एक सूचना भेजेगा और इस प्रकार सूचित कोई व्यक्ति पुरुष भौ.उ.-3 में विहित फीस का संदाय भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के अपने रजिस्ट्रीकरण के लिए कर सकेगा। ऐसे फीस की प्राप्ति पर, रजिस्ट्रार आवेदक के नाम को भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रविष्ट कराएगा और भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में उसके रजिस्ट्रीकरण का प्ररूप भा.-4 में उसे प्रमाणपत्र जारी करेगा।

110. भौगोलिक उपदर्शन के अभिकर्ताओं के रजिस्टर में किसी नाम का बना रहना :—भौगोलिक अभिकर्ताओं के रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम के बने रहने की यह शर्त होगी कि इस निमित विहित फीस प्ररूप भौ.-3 में देता रहे।

111. भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर से अभिकर्ता का नाम हटाया जाना :—(1) रजिस्ट्रार, ऐसे किसी रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के नाम को भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर से हटा सकेगा—

- (क) जिससे इस आशय की प्रार्थना मिली है; या
- (ख) जिससे उस तारीख से, जिस पर वार्षिक फीस शोध्य होती है, तो यह मास की समाप्ति पर वार्षिक फीस प्राप्त नहीं हुई है।
- (2) रजिस्ट्रार, राष्ट्रीयकृत भौगोलिक उपदर्शन के ऐसे किसी अभिकर्ता का नाम भौगोलिक उपदर्शन के अभिकर्ताओं के रजिस्टर से हटा देगा—
- (क) जिसकी बाबत यह पाया जाता है कि वह अपने रजिस्ट्रीकरण के समय नियम 105 के खंड (i) से लेकर खंड (vi) तक में कथित नियांगताओं में से किसी के अधीन है या तत्पश्चात् हो गया है; या
- (ख) जिसकी बाबत रजिस्ट्रार ने इस कारण कि उसने अपनी वृत्तिक हैसियत में उपेक्षापूर्ण अवधार या बेईमानी का कोई काम किया है, यह घोषित किया है कि वह व्यक्ति रजिस्टर में बने रहने के लिए अयोग्य और अनुचित व्यक्ति है;
- (ग) जिसका नाम रजिस्टर में भूल से या दूर्व्यपदेशन के कारण या किसी तात्परिक तत्व को छुपाने के कारण प्रविष्ट किया गया है।
- परंतु खंड (ख) और खंड (ग) के अधीन ऐसी घोषणा करने के पूर्व रजिस्ट्रार संबद्ध व्यक्ति को यह हेतु संदर्भित करने के लिए समाहूत करेगा कि उसके रजिस्ट्रीकरण को अपवांछित क्यों न कर दिया जाए और वह ऐसी अतिरिक्त जांच भी यदि कोई हो, करेगा, जैसी कि वह आवश्यक समझता है।
- (3) रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में से ऐसे किसी रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता का नाम हटा देगा, जो मर चुका है।
- (4) यह बात कि भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में से किसी व्यक्ति का नाम हटा दिया गया है राजपत्र और जर्नल में अधिसूचित की जाएगी और जहां भी संभव हो उसकी भस्तृता संबद्ध व्यक्ति को दी जाएगी।

112. कतिपय अभिकर्ताओं के साथ व्यवहार करने से इंकार करने की रजिस्ट्रार की शक्ति :—(1) रजिस्ट्रार निम्नलिखित को मान्यता देने से इंकार कर सकेगा।

- (क) ऐसा कोई व्यक्ति जिसका नाम रजिस्टर से हटा दिया गया है और प्रत्यावर्तित नहीं किया गया है;
- (ख) ऐसा कोई व्यक्ति जो भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत नहीं है और जो रजिस्ट्रार की राय में भारत में या अन्यत्र उस व्यक्ति के नाम में या उसके लाभ के लिए जिसके द्वारा वह नियोजित किया जाता है भौगोलिक उपदर्शन को उपयोजित करने के लिए आवेदन करने में अभिकर्ता के रूप में पूर्णतः या प्रधानतः लगा है;
- (ग) कोई कंपनी या फर्म, यदि कोई व्यक्ति जिसे रजिस्ट्रार इन नियमों के अधीन किसी कारबाह की बाबत अभिकर्ता के रूप में मान्यता देने से इंकार कर सकता था, कंपनी के निदेशक या प्रबंधक के रूप में कार्य कर रहा है या उस फर्म में भागीदार है।
- (2) रजिस्ट्रार इस नियम के अधीन किसी कारबाह की बाबत ऐसे किसी व्यक्ति को अभिकर्ता के रूप में मान्यता देने से भी इंकार करेगा जो न तो भारत में निवास करता है और न कारबाह का उसका कोई स्थान है।

113. हटाए गए नामों का प्रत्यावर्तन :—जिस व्यक्ति का नाम नियम 111 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अधीन हटाया जा चुका है भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में से उसका नाम हटाए जाने की तारीख से छः मास के भीतर उस व्यक्ति से पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट फीस सहित आवेदन प्ररूप भी, उ. -४ में प्राप्त होने पर भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रत्यावर्तित कर सकेगा और उस तारीख से, जिसको उसकी अंतिम वार्षिक फीस शोध्य हुई थी, एक वर्ष की कालावधि के लिए उसका नाम उस रजिस्टर में रहने दे सकेगा।

114. भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में परिवर्तन :—(1) भौगोलिक उपदर्शन का अभिकर्ता भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रविष्ट अपने नाम, निवास स्थान के परे, कारबाह के मुख्य स्थान के परे, या अहताओं में परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकेगा। ऐसे आवेदन की प्राप्ति पर, रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में आवश्यक परिवर्तन कराएगा।

(2) भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में किया गया प्रत्येक परिवर्तन जर्नल में अधिसूचित किया जाएगा।

115. भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं के रजिस्टर का प्रकाशन :—भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ताओं का रजिस्टर और उसकी परिपूर्ण सूची समय-समय पर, कम से कम दो वर्ष में एक बार और जैसा कि रजिस्ट्रार ठीक समझता है प्रकाशित किया जाएगा, इसमें की प्रविष्टियाँ रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के अभिकर्ताओं के उपनामों का वर्णनक्रम के अनुसार क्रमबद्ध किया जाएगा, और उसकी प्रतियाँ विक्रमार्थ रखी जाएंगी।

116. अपील :—इन नियमों के भाग 2 के अधीन भौगोलिक उपदर्शन अधिकार्ताओं के रजिस्ट्रीकरण के संबंध में रजिस्ट्रार के किसी आदेश या विनिश्चय से कोई अपील बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड को होगी और अपील बोर्ड का विनिश्चय अंतिम और आवश्यक होगा।

पहली अनुसूची

[नियम 10 (1) देखें]

प्रक्रिया संख्या	किस पर संदेय है	रकम रुपयों में	तत्स्थानी प्ररूप संख्या
1. क	एक ही वर्ग में सम्प्रिलित माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर [धारा 11 (1), नियम 23 (2)]	5,000	भौ. उ.—1
1. ख	एक ही वर्ग में सम्प्रिलित माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए अभिसमय देश से आवेदन पर [धारा 11 (1) 84 (1), नियम 23 (3)]	5,000	भौ. उ.—1
1. ग	विभिन्न वर्गों के माल के भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन पर [धारा 11 (3), नियम 23 (5)]	प्रत्येक वर्ग के लिए 5,000	भौ. उ.—1
1. घ	विभिन्न वर्गों के माल के भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी अभिसमय देश से एकल आवेदन पर [धारा 11 (3), 84 (1), नियम 23 (4)]	प्रत्येक वर्ग के लिए 5,000	भौ. उ.—1
2. क	धारा 14 (1) के अधीन भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के विरोध या धारा 17 (3), (ङ), के अधीन प्राधिकृत उपयोगकर्ता के विरोध की सूचना पर	प्रत्येक वर्ग के लिए 1,000	भौ. उ.—2
2. ख	ऐसे प्रत्येक आवेदन के लिए जिसका विरोध किया गया है, धारा 14 (2) या धारा 17 (3), (ङ), के अधीन विरोध की सूचना के उत्तर में और प्रत्येक भौगोलिक उपदर्शन की जावत धारा 27 के अधीन आवेदन के उत्तर में या धारा 29 के अधीन विरोध की सूचना के उत्तर में प्रतिकथन पर	1,000	भौ. उ.—2
2. ग	विरोध की सूचना फाइल करने के लिए समय बढ़ाने के लिए आवेदन पर धारा 14, धारा 17 (3) (ङ), धारा 29, (2) नियम 41 (5)	300	भौ. उ.—2
3. क	धारा 17, नियम 56 (1) के अधीन रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर	500	भौ. उ.—3
3. ख	प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध पर—नियम 59 (1)	100	भौ. उ.—3
3. ग	प्राधिकृत उपयोगकर्ता के नवीकरण के लिए 18 (2) नियम 60 (1)	1000	भौ. उ.—3
4. क	भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के, अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति पर धारा 18 (1) के अधीन नवीकरण के लिए नियम 60 (1)	3000	भौ. उ.—4
4. ख	रजिस्टर से हटाए गए भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं के प्रत्यावर्त्तन के लिए धारा 18 (5) के अधीन आवेदन पर, नियम 63	1000+ लागू नवीकरण फीस	भौ. उ.—4
4. ग	भौगोलिक उपदर्शन के अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति से छह मास के भीतर धारा 18 (4) के परंतुक और नियम 62 के परंतुक के अधीन नवीकरण के लिए आवेदन पर	3,500	भौ. उ.—4
5. क	भौगोलिक उपदर्शनों या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्टर में भारत में कारबाह के मुख्य स्थान के या भिवास के पते में या विदेश में स्वदेश के पते में परिवर्तन के लिए अनुरोध पर, धारा 28, नियम 69	300	भौ. उ.—5
5. ख	रजिस्टर में भौगोलिक उपदर्शन के स्वत्वधारी के नाम या विवरण में नवदोली की प्रविष्टि करने के लिए अनुरोध पर	300	भौ. उ.—5

प्रविष्टि संख्या	किस पर संदेय है	रकम रुपयों में	तत्स्थानी प्रस्तुप संख्या
5. ग	भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के नाम, या परे विवरण में किसी शुटि की शुद्धि के लिए अनुरोध पर (धारा 28क)	300	भौ. ढ.—5
5. घ	प्राधिकृत उपयोगकर्ता को हटाने के लिए भाग ख में रजिस्टर की परिशुद्धि के लिए आवेदन पर, धारा 27, नियम 65	1000	भौ. ढ.—5
5. झ	धारा 15 के परन्तुक के अधीन माल के किसी वर्ग को विभाजन पर या भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किए गए आवेदन के विभिन्न वर्गों में विभाजन पर नियम 23 (7)	1000	भौ. ढ.—5
5. च	एक वर्ग की बाबत नियम 22 के अधीन तलाशी के लिए	500	भौ. ढ.—5
6. क	रजिस्टर के परिशोधन के लिए धारा 27 के अधीन या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को हटाने के लिए या रजिस्टर में अधिलिखित नियम 32 (1) के अधीन मामले के विवरण को निकालने या परिवर्तित करने के लिए आवेदन पर नियम 65	1000	भौ. ढ.—6
6. ख	रजिस्टर के परिशोधन से संबंधित कार्यालयों में मध्यक्षेप करने की अनुमति के लिए या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को हटाने के लिए आवेदन पर नियम 67 और नियम 80 (4)	500	भौ. ढ.—6
7. क	रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र के लिए अनुरोध पर [धारा 69 या धारा 78 (1) के अधीन प्रमाणपत्र से भिन्न] नियम 96	300	भौ. ढ.—7
7. ख	पक्षकथन के समर्थन में शपथपत्र या अधिनियम या नियमों के अधीन अपेक्षित अन्य दस्तावेजों पर	कोई फीस नहीं	भौ. ढ.—7
7. ग	रजिस्टर में प्रविष्टि और अपील बोर्ड के विधिमान्यता प्रमाणपत्र के टिप्पण के विज्ञापन के लिए अनुरोध पर (नियम 99)	200	भौ. ढ.—7
7. घ	रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन पर	500	भौ. ढ.—7
7. झ	भौगोलिक उपदर्शन के विज्ञापन की विशिष्टियों के लिए रजिस्ट्रार को अनुरोध पर	100	भौ. ढ.—32
7. च	प्रमाणपत्र की दूसरी या और प्रति के लिए रजिस्ट्रार को अनुरोध पर	200	भौ. ढ.—33
8. क	भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर—नियम 107	1000	भौ. ढ.—8
8. ख	भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता के रूप में प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध पर—नियम 109	1000	भौ. ढ.—8
8. ग	नियम 110 के अधीन भौगोलिक उपदर्शन अधिकर्ता के रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम को बनाए रखने के लिए	1000	भौ. ढ.—8
	—प्रत्येक वर्ष के लिए (पहले वर्ष को छोड़कर) प्रत्येक वर्ष में 1 अप्रैल को संदर्त की जाएगी।		
	—1 अप्रैल और 30 सितम्बर के बीच किसी समय रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की दशा में, पहले वर्ष के लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए फीस के साथ संदर्त की जाएगी।		
	टिप्पण—इस प्रवोजन के लिए वर्ष अप्रैल के पहले दिन को प्रारंभ होगा और अगली मार्च के 31वें दिन समाप्त होगा।		

प्रविष्टि	किस पर संदेश है संख्या	रकम रुपयों में	तत्स्थानी प्ररूप संख्या
8. अ	नियम 113 के अधीन भौगोलिक उपदर्शनों के लिए रजिस्ट्रर में किसी व्यक्ति के नाम के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन पर	1000 + प्रविष्टि सं. 8ग के अधीन जारी रखने की पीस	भौ. ढ.—8
9. क	कतिपय माल को अतिरिक्त संरक्षण के लिए रजिस्ट्रर को आवेदन पर। धारा (22)(2), नियम 77(1)	25,000	भौ. ढ.—9
9. ख	रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन में जोड़ने या परिवर्तित करने की अनुमति के लिए आवेदन पर (सिवाय वहाँ के जहाँ किसी लोक प्राधिकारी के किसी आदेश के परिणामस्वरूप या किसी कानूनी अपेक्षा के फल स्वरूप) आवेदन किया जाता है। धारा 29	300	भौ. ढ.—9
9. ग	ऐसे समय के विस्तार के लिए जो अधिनियम में अधिक्षित या नियमों में विहित समय नहीं है, आवेदन पर नियम 83	300	भौ. ढ.—9
10. क	रजिस्टर में किसी प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए या माल को काट देने के लिए आवेदन पर (धारा 28 (ग) या (घ))	300	भौ. ढ.—10
10. ख	अधिनियम के अधीन किसी विषय या कार्यवाही में अभिकर्ता के प्राधिकरण का प्ररूप—धारा 76 नियम 20	कोई नहीं	भौ. ढ.—10
11.	किसी प्रतिवादित कार्यवाही में किसी अंतरवर्ती विषय पर रजिस्ट्रर का आदेश अभिप्राप्त करने हेतु याचिका पर (जो अन्यथा प्रभारित नहीं है)	500	
12.	धारा 78(1) में वर्णित दस्तावेज का मिरीक्षण करने के लिए— (क) किसी विशिष्ट भौगोलिक उपदर्शन या उसके प्राधिकृत उपयोगकर्ता के संबंध में प्रत्येक घट्टे या उसके भाग के लिए (ख) कम्प्यूटर में खोज (जब उपलब्ध कराया जाए) प्रत्येक 15 मिनट के लिए (ग) धारा 78 में वर्णित अनुक्रमणिका की खोज, प्रत्येक घट्टे या उसके भाग के लिए	100 100 100	
13.	दस्तावेजों की कापी करने के लिए (फोटोकापी या टंकित) प्रत्येक पृष्ठ या एक पृष्ठ से अधिक उसके भाग के लिए	10	

दूसरी अनुसूची

प्ररूप

(प्ररूपों की सूची)

प्ररूप सं.	अधिनियम की धारा	नाम	प्रविष्टि सं.
1	2	3	4
भौ.ड.—1	धारा 11(1), नियम 23 (2)	एक की वर्ग में सम्मिलित माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन	1क
भौ.ड.—1	धारा 11(1), धारा 84 (1), नियम 23 (3)	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी अभिसमय देश से आवेदन	1ख

1	2	3	4
भौ.उ.—1	धारा 11(3), नियम 23 (5)	विभिन्न वर्गों में माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन	1ग
भौ.उ.—1	धारा 11(3), धारा 84 (1), नियम 23 (4)	विभिन्न वर्गों के माल के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी अभिसमय देश से एकल आवेदन	1घ
भौ.उ.—2	धारा 14(1), धारा 17 (3) (ङ), नियम 41	भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के विरोध या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के विरोध की सूचना	2क
भौ.उ.—2	धारा 14(2), या धारा 17 (3), (ङ), धारा 27 और धारा 29, नियम 43(1) नियम 58, नियम 72(2)	प्रतिकथन का प्ररूप	2ख
भौ.उ.—2	धारा 14(1), या धारा 17 (3), (ङ), धारा 29 (2) नियम 41 (5), नियम 58, नियम 66, और नियम 72(2)	विरोध की सूचना फाइल करने के लिए समवय को बढ़ाने के लिए आवेदन	2ग
भौ.उ.—3	धारा 17, नियम 56 (1)	रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन	3क
भौ.उ.—3	धारा 18(5), नियम 59	प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध	3ख
भौ.उ.—3	धारा 18(2), नियम 60(1)	प्राधिकृत उपयोगकर्ता के अवीकरण के लिए	3 ग
भौ.उ.—4	धारा 18(4), नियम 60	भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण का, अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति पर, नवीकरण	4क
भौ.उ.—4	धारा 18(5), नियम 63	रजिस्टर से हटाए गए भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के प्रत्याखरण के लिए आवेदन	4ख
भौ.उ.—4	धारा 18(4), का परन्तुक, नियम 62 का परन्तुक	भौगोलिक उपदर्शन के, अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति से छह मास के भीतर नवीकरण के लिए आवेदन	4ग
भौ.उ.—5	नियम 22	एक वर्ग के लिए खोज के अनुरोध	
भौ.उ.—6	धारा 27	रजिस्टर के परिशोधन या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन को हटाने या रजिस्टर में अभिलिखित नियम 31(1) के अधीन मामले के विवरण को निकालने या परिवर्तित करने के लिए आवेदन	6क
भौ.उ.—7	धारा 69 या धारा 78 (1), नियम 96	रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र के लिए अनुरोध [धारा 16 (2) के तहत प्रमाण-पत्र से भिन्न]	7क
भौ.उ.—5	धारा 28, नियम 69	भौगोलिक उपदर्शनों या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्टर में भारत में कारबाह के भूख्य स्थान या निवास के पते में या भारत से बाहर स्वदेश के पते में परिवर्तन के लिए अनुरोध	5क
भौ.उ.—5	धारा 28 (ग)	रजिस्टर में भौगोलिक उपदर्शन के स्वत्वधारी के नाम या वर्णन में तब्दीली की प्रविष्टि करने का अनुरोध	5ख
भौ.उ.—5	28(क)	भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के नाम, पते या विवरण में किसी त्रुटि की शुद्धि के लिए अनुरोध।	5ग

1	2	3	4
भौ.उ.—7	नियम 93	पक्षकथन के समर्थन में शापथपत्र या अधिनियम या नियमों के अधीन अपेक्षित अन्य दस्तावेजें	7ख
भौ.उ.—10	28 (ग) या (घ)	रजिस्टर में किसी प्रविष्टि के रहकरण या माल के उससे काट देने के लिए आवेदन।	10क
भौ.उ.—6	नियम 67 और 80 (4)	रजिस्टर के परिशोधन से संबंधित कार्यवाहियों में मध्येक्ष करने की अनुमति के लिए या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता को हटाने के लिए आवेदन।	6ख
भौ.उ.—7	72 नियम 99	रजिस्टर में प्रविष्टि और अपील बोर्ड के विधिमान्यता प्रमाणपत्र के टिप्पण के विज्ञापन के लिए अनुरोध।	7ग
भौ.उ.—5	धारा 27, नियम 65	प्राधिकृत उपयोगकर्ता को हटाने के लिए रजिस्टर के भाग ख के परिशोधन के लिए आवेदन।	5घ
भौ.उ.—5	धारा 15 का परन्तुक, नियम 23 (7)	विभिन्न घर्गों में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किए गए आवेदन का विभाजन।	5च
भौ.उ.—9	64, नियम 83	ऐसे समय के विस्तार के लिए जो अधिनियम में अधिव्यक्त: उपबंधित या नियमों में विहित नहीं है, आवेदन।	9ग
भौ.उ.—7	63, नियम 92	रजिस्ट्रार के विविश्वय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन।	7घ
भौ.उ.—7	नियम 40	भौगोलिक उपदर्शन के विज्ञापन की विशिष्टियों के लिए रजिस्ट्रार से अनुरोध।	7ङ
भौ.उ.—7	नियम 55 (2)	प्रमाणपत्र की दूसरी या और प्रति के लिए रजिस्ट्रार से अनुरोध।	7च
भौ.उ.—9	29	रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन में जोड़ने या परिवर्तन करने हेतु अनुमति के लिए आवेदन (सिवाय वहाँ के जहाँ किसी स्थानीय प्राधिकारी के किसी आदेश या किसी कानूनी अपेक्षा के फलस्वरूप आवेदन किया जाता है।)	9ख
भौ.उ.—9	22(2) नियम 77 (1)	कठिपय माल को अतिरिक्त संरक्षण के लिए रजिस्ट्रार को आवेदन।	9क
भौ.उ.—8	नियम 107	भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन।	8क
भौ.उ.—8	नियम 109	भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध।	8ख
भौ.उ.—8	नियम 110	नियम 110 के अधीन भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम जो बनाए रखने के लिए— —प्रत्येक वर्ष के लिए (पहले वर्ष को छोड़कर) प्रत्येक वर्ष में 1 अप्रैल को संदर्त की जाएगी। —1 अप्रैल और 30 सितम्बर के बीच किसी समय रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की दशा में पहले वर्ष के लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए फीस के साथ संदर्त की जाएगी।	8ग
भौ.उ.—8	नियम 113	नियम 113 के अधीन भौगोलिक उपदर्शनों के रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन।	8घ
भौ.उ.—10	76, नियम 20	अधिनियम के अधीन किसी विषय या कार्यवाही में अभिकर्ता के प्राधिकरण का प्ररूप।	10ख

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

(मामले के कथन के साथ तीन प्रतियों में फाइल किया जाएगा जिसके साथ भौगोलिक उपदर्शन की पांच अतिरिक्त समाकृतियां होंगी)

एक समाकृति दिए गए स्थान पर लगाई जाएगी और पांच अन्य पृथक रूप से भेजी जाएंगी

प्रृष्ठ भौ. उ. 1

क	रजिस्टर के भाग क में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन धारा 11 (1) नियम 23 (2) फीस: 5,000 रुपए (पहली अनुमूली की प्रविष्टि सं. 1 क देखें)	
ख	रजिस्टर के भाग क में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी अभिसमय देश से आवेदन धारा 11 (1), 84 (1), नियम 23 (3) फीस: 5,000 रुपए (पहली अनुमूली की प्रविष्टि सं. 1 ख देखें)	

1. (क) द्वारा रजिस्टर के भाग क में आवेदन के साथ संलग्न भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए निम्नलिखित विशिष्टियां देते हुए आवेदन किया जाता है:

- आवेदक का नाम :
- पता :
- व्यक्तियों/उत्पादकों के संगम/संगठन/प्राधिकारी की सूची :
- माल की किस्म :
- विनिर्देश 3
- भौगोलिक उपदर्शन का नाम (और विशिष्टियां):
- माल का विवरण :
- उत्पादन का भौगोलिक क्षेत्र और उसका नाम :
- उद्भव का सबूत (ऐतिहासिक अभिलेख) :
- उत्पादन का ढंग :
- अद्वितीयता :
- निरीक्षण निकाय
- अन्य :

तथा उसके साथ (घ) के नाम में जिसका पता (छ) है और जो उक्त माल के जिसके संबंध में भौगोलिक उपदर्शन है, उत्पादकों के हित का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है और जिसका उक्त माल के संबंध में से सतत उपयोग किया जा रहा है, (ग) की बाबत (ख) (ख) वर्ग में के मामले का कथन भी है।

2. आवेदन में ऐसी विशिष्टियां समाविष्ट होंगी जिनकी मामले के कथन में नियम 32 (1) में मांग की गई है।
3. इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।
4. किसी अभिसमय देश से किसी आवेदन की दशा में निम्नलिखित अतिरिक्त विशिष्टियां भी दी जाएंगी :—

(क) भौगोलिक उपदर्शन के उद्भव के देश का अभिनाम

(ख) भौगोलिक उपदर्शन के, उसके अपने उद्भव के देश में विद्यमान संरक्षण के बारे में साक्ष्य जैसे ऐसे प्रलेख के हक और सुसंगत विधायी या प्रशासनिक उपबंधों की तारीख, न्यायिक विनिश्चयों या रजिस्ट्रीकरण की तारीख और संख्या तथा ऐसे प्रलेख की प्रतियां

(5) हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम
(स्पष्ट अक्षरों में)

ग	विभिन्न वर्गों के अंतर्गत आने वाले माल के लिए रजिस्टर के भाग क में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन
	धारा 11 (3) नियम 23 (5)
	फीस: 5,000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 1 ग देखें)
घ	विभिन्न वर्गों के अंतर्गत आने वाले माल के लिए रजिस्टर के भाग क में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी अधिसमय देश से एकल आवेदन
	धारा 11 (3), नियम 23 (4)
	फीस: 5,000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 1 घ देखें)

1. (क) द्वारा रजिस्टर के भाग क में आवेदन के साथ संलग्न भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए निम्नलिखित विशिष्टियां देते हुए आवेदन किया जाता है :

- आवेदक का नाम :
- पता :
- व्यक्तियों/उत्पादकों के संगम/संगठन/प्राधिकारी की सूची :
- माल की किस्म :
- विनिर्देश :
- भौगोलिक उपदर्शन का नाम (और विशिष्टियां) :
- माल का विवरण :
- उत्पादन का भौगोलिक क्षेत्र और उसका नकशा :
- उद्भव का सबूत (ऐतिहासिक अभिलेख) :
- उत्पादन का ढंग :
- अद्वितीयता :
- निरीक्षण निकाय
- अन्य :

तथा उसके साथ (घ) के नाम में जिसका पता (ङ) है और जो उक्त माल के जिसके संबंध में भौगोलिक उपदर्शन है, उत्पादकों के हित का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है और जिसका उक्त माल के संबंध में से सतत उपयोग किया जा रहा है,

- (i) ख की बाबत वर्ग क
- (ii) ख की बाबत वर्ग क
- (iii) ख की बाबत वर्ग क

वर्ग में के मामले का कथन भी है।

2. आवेदन में ऐसी विशिष्टियां समाविष्ट होंगी जिनकी भामले के कथन में नियम 32 (1) में मांग की गई है।
3. इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।

4. किसी अभिसमय देश से किसी आवेदन की दशा में निम्नलिखित अतिरिक्त विशिष्टयां भी दी जाएंगी :—

(क) भौगोलिक उपदर्शन के उद्भव के देश का अभिनाम

(ख) भौगोलिक उपदर्शन के, उसके अपने उद्भव के देश में विद्यमान संरक्षण के बारे में साक्ष्य जैसे हक और सुरक्षा विधायी या प्रशासनिक उपबंधों की तारीख, न्यायिक विनिश्चयों या रजिस्ट्रीकरण की तारीख और संख्या तथा ऐसे प्रलेख की प्रतियां

(5) हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम

(स्पष्ट अक्षरों में)

अनुदेशों के लिए कृपया पृष्ठ की दूसरी ओर देखें

भौ. ड.-1 क से १४

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय।

(क) जो लागू न हो उसे काट दें।

(ख) यदि माल का वर्ग ज्ञात नहीं है तो रजिस्ट्रार का निदेश अभिप्राप्त किया जाए।

(ग) यहां माल को विनिर्दिष्ट करें। एक या उसी वर्ग में सम्मिलित भाल को भी विनिर्दिष्ट किया जाए।

(घ) आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (आवेदक की उपजीविका, आजीविका तथा राष्ट्रिकता) सुपर्युक्त रूप में लिखें। निगमित विकाय या फर्म की दशा में, याथास्थिति, नियमन का देश या फर्म को गठित करने वाले भागीदारों के नाम, तथा उसके विवरण और रजिस्ट्रीकरण की प्रक्रिया, यदि कोई हो, अताई जानी चाहिए, नियम 15 देखिए।

(ङ) आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

(तीन प्रतियों में भरा जाए)

प्ररूप भौ. ड.-2

क	किसी भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के विरोध की सूचना [धारा 14 (1), 17(3), नियम 41 (1)] फीस: प्रत्येक वर्ग के लिए 1,000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 2 क देखें)	
---	--	--

..... द्वारा आवेदन सं. के मामले में, मैं (या हम) उस भौगोलिक उपदर्शन/प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण का, जो तारीख मास 20 के भौगोलिक उपदर्शन जर्नल सं पृष्ठ पर वर्ग के लिए उपर्युक्त संख्याओं के अधीन प्रकाशित किया गया है, विरोध करने के अपने आशय की सूचना देता हूं (देते हैं)।

विरोध के आधार निम्नलिखित हैं—

3

इन कार्यवाहियों के संबंध में सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित परे पर भेजी जाएं—

आज तारीख मास 20

4 हस्ताक्षर

ख	प्रतिकथन का प्ररूप धारा 2, 14, 17 (3), 27 नियम 43(1), 66 (तीन प्रतियों में भरा जाए) फीस 1,000 रुपए (प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 2ख देखें)	
---	---	--

भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए वर्ग में आवेदन सं. के विरोध सं. के मामले में, मैं (या हम) जो उपर्युक्त भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक हैं, इसके द्वारा यह सूचना देता हूं

(देते हैं) कि निम्नलिखित आधार हुए हैं जिनका मैं (या हम) अपने आवेदन के लिए अवलंब सेता हूं (देते हैं) :—

मैं (या हम) विरोध की सूचना में निम्नलिखित अभिकर्ताओं को स्वीकार करता हूं (करते हैं)।

2. इन कार्यवाहियों के संबंध में सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—

आज तारीख मास 20

हस्ताक्षर
हस्ताक्षर करने वाले का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

ग

विरोध की सूचना देने के लिए समय बढ़ाए जाने के लिए आवेदन

धारा 14 (1), 17 (3) (ड) और 29 (2), नियम 41(5)

फीस: 300 रुपए

(पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 2 ग देखें)

वर्ग में आवेदन सं. के विषय में, मैं (या हम) (1) भौगोलिक उपदर्शन जनल, तारीख मास

20 में उपर्युक्त संख्यांक के अधीन भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत प्रयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए विरोध की सूचना देने के लिए (2) के समय को बढ़ाने के लिए आवेदन करता हूं (करते हैं)

इस आवेदन को करने के लिए निम्नलिखित कारण हैं —

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं —

आज तारीख मास 20

हस्ताक्षर (3).....

हस्ताक्षरकर्ता का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

अनुदेशों के लिए कृपया पृष्ठ के दूसरी ओर देखें

भौ. उ.-2 क

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय।

1. पूरा नाम और पता लिखें। भारत में तामील के लिए कोई पता दिया जाना चाहिए यदि विरोधी का भारत में कारबाह का कोई स्थान या निवास नहीं है।

2. यदि रजिस्ट्रीकरण का इस आधार पर विरोध किया जाता है कि भौगोलिक उपदर्शन रजिस्टर पर पहले के व्यापार चिन्ह या भौगोलिक उपदर्शन के सदृश हैं तब उस भौगोलिक उपदर्शन और जनल के संख्यांक, जिसमें वे विज्ञापित किए गए थे, वर्णित किए जाने चाहिए।

3. विरोध करने वाले या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

भौ. उ.-2 ख

1. पूरा नाम और पता लिखें जो रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में दिए गए हैं।

2. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

भौ. ड. - 2ग

1. पूरा नाम और पता लिखें।
2. अपेक्षित निष्पादक को अधिकृत स्वत्वधारी जनल में आवेदन के, विज्ञापन या पुनर्विज्ञापन की तारीख से इन मासों के पश्चात् एक मास से अधिक की नहीं होगी।
3. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

प्ररूप भौ. ड.—3

क

प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

धारा 17 (1), नियम 56 (1)

फीस : 500 रुपए

(तीन प्रतियों में भरा जाए जिसके साथ रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्थापित प्राधिकृत उपयोगकर्ता के बोच करार, यदि कोई हो या उसकी अधिप्रमाणित प्रति तथा नियम 56 में वर्णित अन्य दस्तावेज और एक शपथ पत्र होगा जिसमें नियम 56 द्वारा अपेक्षित विशिष्टियों और कथन वर्णित होंगे तथा उनके साथ पूर्वोक्त दस्तावेजों में से प्रत्येक की दो दो प्रतियां होंगी।)

(पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 3 के देखें)

मेरे/हमारे जो माल की व्यावसा वर्ग में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी हूं (है) जो ऊपर वर्णित रजिस्ट्रीकृत उपदर्शन के रजिस्टर के भाग ख में प्रमाणित प्राधिकृत उपयोगकर्ता हैं, द्वारा आवेदन किया जाता है। उस आवेदन का पक्ष कथन जो उत्पादक होने का दावा करता है, इसके साथ संलग्न है रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी से सहमति पत्र की एक प्रति इसके साथ संलग्न है/संलग्न नहीं है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचाएँ भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएँ :—

आज तारीख मास 20

4हस्ताक्षर

ख

प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध

धारा 16 (2), 17 (3) (छ), नियम 59 (1)

फीस : 100 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 3 देखें)

रजिस्ट्रर से धारा 17 (3)(छ) संपत्ति नियम 59(1) के अधीन अनुरोध किया जाता है कि यह रजिस्टर के भाग ख में वर्ग में रजिस्ट्रीकृत सं के अधीन रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के लिए आवेदन सं की व्यावसा प्राधिकृत उपयोगकर्ता प्रमाणपत्र जारी करें।

आज तारीख मास 20

2हस्ताक्षर

अनुदेश के लिए कृपया पृष्ठ के दूसरी ओर देखें

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

प्ररूप भौ. ड.—3

ग

प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण

धारा 18(2), नियम 60(1)

फीस : 1000 रुपए

(पहली अनुसूची की प्रविष्टि से 3 ग देखें)

मैं (या हम) (1) वर्ग में प्राधिकृत उपयोगकर्ता सं. के रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण
के लिए रुपए की विहित फीस जमा करता हूँ (करते हैं)। रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण की सूचना भारत में निम्नलिखित पते
पर भेजी जाए।

आज तारीख मास 20

2 हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय।

1. प्राधिकृत उपयोगकर्ता का पूरा नाम और पता लिखें।
2. प्राधिकृत उपयोगकर्ता या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
3. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय का नाम और स्थान लिखें — नियम 4 देखें।

टिप्पणी — यदि यह प्ररूप अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति से छह मास से अधिक पहले भरा जाता है तो यह वापस कर दिया जाएगा।

सेवा में,

रजिस्ट्रार भौगोलिक उपदर्शन,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय।

भौ. ड. - 3क

1. रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी की विशिष्टियां दें
2. नाम और पता लिखें
3. रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी/उत्पादक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर

भौ. ड. - 3ख

1. उत्पादक के हस्ताक्षर

भौ. ड. - 3ग

1. रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी की विशिष्टियां दें
2. उत्पादक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

प्रस्तुत भौ. उ.-4

क

भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण

धारा 18 (1), नियम 61

फीस: 3,000 रुपए

(पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 4 के देखें)

मैं (या हम) (1) वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन सं. के रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए रुपए की विहित फीस जमा करता हूँ (करते हैं)। रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण की सूचना भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी।

आज तारीख मास 20

4 हस्ताक्षर

ख

नवीकरण फीस के संदाय न किए जाने के कारण रजिस्टर से हटाए गए भौगोलिक उपदर्शन या प्राधिकृत उपयोगकर्ता का प्रत्यावर्तन

धारा 18 (5), नियम 63

फीस: 1,000 रुपए + पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 4 के या 3 ग में विहित लागू नवीकरण फीस

मैं (या हम) आवेदन करता हूँ (करते हैं) कि वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन सं. रजिस्टर पर प्रत्यावर्तित किया जाए और पूर्वोक्त वर्ग में उक्त भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण को नवीकृत किया जाए तथा प्रत्यावर्तन और नवीकरण की सूचना भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए।

आज तारीख मास 20

2 हस्ताक्षर

ग

धारा 18 की उपधारा (4) के प्रत्यक्ष के अधीन भौगोलिक उपदर्शन के नवीकरण मद्देन अधिभार के संदाय के लिए आवेदन

फीस: 5,300 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 4 ग देखें)

मैं (या हम) जो रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी हूँ/हैं, वर्ग में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं. के उस रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए आवेदन करता हूँ (करते हैं) जो को समाप्त हो गया है और उसकी बाबत विहित अधिभार निविदित करता हूँ/करते हैं और नवीकरण प्रमाणपत्र भारत में निम्नलिखित पते पर भेजा जाए।

आज तारीख मास 20

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का स्पष्ट अक्षरों में नाम

अनुदेशों के लिए कृपया पृष्ठ की दूसरी ओर देखें।

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

(तीन प्रतियों में भरा जाए)

प्ररूप भौ. ढ.-5

क	<p>भौगोलिक उपदर्शन रजिस्टर में प्राधिकृत उपयोगकर्ता के भारत में कारबार के मुख्य स्थान या निवास के पते में या विदेश में उसके गृह देश में पते में परिवर्तन के लिए अनुरोध</p> <p>धारा 28, नियम 69 फीस: 300 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 5 के देंखें)</p>	
---	---	--

.....वर्ग में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन संख्याके मामले में
मैं/हमनिवासीजो उपर्युक्त रूप में संख्यांकित भौगोलिक उपदर्शन का/को रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी/प्राधिकृत उपयोगकर्ता हूँ/हैं, यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि भौगोलिक उपदर्शन रजिस्टर में भारत में मेरे/हमारे कारबार के मुख्य स्थान या निवास के पता अथवा विदेश के गृह देश में मेरा/हमारा पतामें परिवर्तित किया जाए।

पते में परिवर्तन का आदेशतारीखमास20को
किया गया था। उक्त आदेश की एक शासकीय प्रमाणित प्रति इसके साथ संलग्न है।
इस अनुरोध से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—
आज तारीखमास20

2.....

हस्ताक्षर

ख	<p>उन व्यक्तियों या उत्पादकों के संगम या ऐसे किसी संगठन या प्राधिकारी के जिसके नाम में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रीकृत है भाग या विवरण में परिवर्तन को प्रविष्ट करने का अनुरोध।</p> <p>धारा 28, (ख) फीस: 300 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 5 खे देंखें)</p>	
---	---	--

मैं (या हम)यह अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि मेरा (या हमारा) नाम और विवरण भौगोलिक उपदर्शन रजिस्टर में 2वर्ग में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं. 3के स्वत्वधारी/प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में प्रविष्ट किया जाए।

मैं (हम) उक्त भौगोलिक उपदर्शनका प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में उपयोग करने के लिए हकदार हूँ(हैं)। उक्त भौगोलिक उपदर्शन की वास्तविक स्वत्वधारिता 2/प्राधिकृत उपयोगकर्ता की पहचान में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है किंतु 4रजिस्टर में वर्तमान में की प्रविष्टि में मेरा (या हमारा) नाम और विवरण (3) इस प्रकार है :—

5 अनुरोध की एक प्रति प्राधिकृत उपयोगकर्ता/स्वत्वधारी पर तासील कर दी गई है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—

आज तारीखमास20

6.....

हस्ताक्षर

अनुदेश के लिए कृपया पृष्ठ की दूसरी ओर देंखें।

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

प्रलेप भौ. डि.-5

ग	<p>भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता के नाम, पते या विवरण में किसी शुटि की शुद्धि के लिए अनुरोध।</p> <p>धारा 28, क फीस: 300 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 5 ग देखें)</p>	
---	--	--

वर्ग में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन से.....के मामले में
मैं/हम.....निवासी.....जो उपर्युक्त रूप में संख्यांकित भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी 2. या प्राधिकृत उपयोगकर्ता हूँ/हैं, यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि भौगोलिक उपदर्शन रजिस्टर में भारत में मेरे/हमारे कारबाह के मुख्य स्थान (या निवास स्थान) के पते को या विदेश के गृह देश में मेरे/हमारे पते को.....में परिवर्तित कर दिया जाए।
3. पते में परिवर्तन का आदेश.....तारीख.....मास.....20.....को
किया गया था। उक्त आदेश की एक शासकीय प्रमाणित प्रति इसके साथ संलग्न हैं।
इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—
इस अनुरोध से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—
आज तारीख.....मास.....20.....

2.

हस्ताक्षर

घ	<p>प्राधिकृत उपयोगकर्ता को हटाने के लिए भाग ख में रजिस्टर की परिशुद्धि के लिए आवेदन</p> <p>धारा 27, और नियम 65 फीस: 1000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 5 थ देखें)</p>	
---	--	--

वर्ग में.....के नाम में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं.....के मामले में
मैं (या हम).....आवेदन करता हूँ/करते हैं कि रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं.....के ऊपर
वर्णित प्राधिकृत उपयोगकर्ता की आबत रजिस्टर में प्रविष्टि (हटाई जाए) 2 निम्नलिखित रीति में परिशोधित की जाएं :—
मेरे (हमारे) आवेदन के आधार निम्नलिखित हैं :—
3. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय.....रजिस्टर में इस भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में समुचित कार्यालय के रूप में प्रविष्टि
किया गया है।
इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—
आज तारीख.....मास.....20.....

4.

हस्ताक्षर

अनुदेश के लिए कृपया यूक्त की दूसरी ओर देखें।

ङ	<p>माल के विभिन्न वार्गों में भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किए गए आवेदन के विभाजन के लिए आवेदन</p> <p>धारा 15 का परंतुक, नियम 23 (7), 82 (ख)</p> <p>फीस: 1000 रुपए</p> <p>(पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 5 लं देखें)</p>	
---	---	--

के नाम में के वर्ग में को फाइल किए गए भौगोलिक उपदर्शन संख्या : के मामले में मैं (या हम) रजिस्ट्रार से आवेदन संख्या का विभाजन करने के लिए या वर्ग/वर्गों में एकल आवेदन को निम्नलिखित वर्ग या वर्गों में विभाजन के लिए अथवा वर्ग में माल या सेवाओं के विनिर्देश को नीचे उपदर्शित रूप में विभाजित करने के लिए अनुरोध करता हूँ/करते हैं।

.....

इस अनुरोध पर रजिस्ट्रार के आदेश की एक प्रति भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—

आज तारीख मास 20

2.

हस्ताक्षर

च	<p>नियम 22 के अधीन तलाश के लिए अनुरोध</p> <p>फीस : 500 रुपए</p> <p>(पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 5 च देखें)</p>	
---	--	--

रजिस्ट्रार से नियम 22 के अधीन अनुरोध किया जाता है कि वह 2 की आवश्यकता वर्ग में यह अभिनिश्चित करने के लिए तलाश करें कि क्या अभिलेख पर ऐसा कोई भौगोलिक उपदर्शन है जो भेजे गए व्यापार चिन्ह या भौगोलिक उपदर्शन के सदृश है जिसकी तीन प्रतियां दी गई हैं। (प्रत्येक समाकृति लगभग 33 सें. मी. गुणित बीस सें. मी. के आकार वाले मजबूत कागज की शीट पर मढ़ी गई हैं)

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—

आज तारीख मास 20

4.

हस्ताक्षर

अनुदेश के लिए कृपया पृष्ठ की दूसरी ओर देखें।

सेवा में

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रार
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय

भौ. झ. — 5 क

1. जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।
2. परिवर्तन का आदेश करने वाले लोक प्राधिकारी का नाम और परिवर्तन की तारीख लिखें।

3. रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी/प्राधिकृत उपयोगकर्ता या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

भौ. उ. - 5 ख

1. रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता का नाम और वर्तमान पता लिखें।
2. जो शब्द लागू न हो उन्हें काट दें।
3. उम् परिस्थितियों का कथन करें जिनके अधीन नाम में परिवर्तन किया गया है।
4. यदि लागू न हों तो काट दें।
5. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

पाद टिप्पण :—जहां नाम में किसी परिवर्तन या उसे बदलने के लिए आवेदन किसी लोक प्राधिकारी के किसी आदेश या किसी कानून के परिणामस्वरूप किया जाता है तो वहां कोई भी फीस संदेय नहीं होंगी।

भौ.उ. - 5 ग

1. जो शब्द लागू न हो उसे काट दें।
2. परिवर्तन का आदेश करने वाले लोक प्राधिकारी का नाम और परिवर्तन की तारीख लिखें।
3. रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

पाद टिप्पण :—यदि परिवर्तन भारत में किसी लोक प्राधिकारी के आदेश के परिणामस्वरूप किया जाता है तो कोई फीस संदेय नहीं है।

भौ.उ. - 5 घ

1. पूरा नाम, पता और राष्ट्रिकता का उल्लेख करें। यदि आवेदक का भारत में कारबाह का कोई मुख्य स्थान या निवास नहीं है तो भारत में तामील के लिए किसी पते का कथन किया जाए।

2. जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।
3. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

भौ.उ. - 5 ङ

1. आवेदक का पूरे नाम, पते और राष्ट्रिकता का उल्लेख करें।
2. माल या सेवा और वर्गों का आरोही संख्याओं में वर्णन करें जिनमें वह रजिस्टर किया जाना है।
3. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

भौ.उ. - 5 च

1. यदि वर्ग ज्ञात न हो तो रजिस्ट्रार का निदेश अभिप्राप्त किया जाए।
2. यहां पर उस माल को (कथित वर्ग में) विनिर्दिष्ट करें जिसकी बाबत तलाश की जानी है।

पाद टिप्पण : जहां फीस के संदाय से छूट के लिए केन्द्रीय सरकार ने निदेश अभिप्राप्त कर लिए गए हैं वहां कोई फीस संदेय है।

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

प्ररूप भौ. उ. 6

क	<p>रजिस्टर की परिशुद्धि या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन को हटाने या रजिस्टर में अभिलिखित नियम 32(1) के अधीन मामले के कथन को काट देने अथवा परिवर्तित करने के लिए आवेदन भारा 27 और नियम 65 फीस : 1000 रुपए (पहली अनुमूली की प्रविप्ति मंख्या 6 के देखें)</p>	
---	--	--

.....वर्ग में.....के नाम में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं.....के मामले में मैं (या हम).....आवेदन करता हूं/करते हैं कि ऊपर वर्णित भौगोलिक उपदर्शन की आवश्यकता रजिस्टर में प्रविष्टि, निम्नलिखित रीति से (हटा दी जाए) 2 (परिशोधित की जाए) —

मेरे/हमारे आवेदन के आधार निम्नलिखित हैं:—

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय 3की रजिस्टर में इस भौगोलिक उपदर्शन के संबंध में समुचित कार्यालय के रूप में प्रविष्टि की गई है।

प्रश्नगत भौगोलिक उपदर्शन से संबंधित कोई भी कार्रवाई किसी भी न्यायालय में लंबित नहीं है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं।

आज तारीखमास20.....

4.

4. हस्ताक्षर

ख	<p>रजिस्टर की परिशुद्धि या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन के हटाने या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन के किसी प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रद्दकरण से संबंधित कार्रवाहियों में मध्यक्षेप करने के लिए अनुमति हेतु आवेदन</p> <p>नियम 67, 80 (4)</p> <p>फीस : 500 रुपए</p> <p>(पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 6 ख देखें)</p>	
---	---	--

.....वर्ग में.....के नाम में.....रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं.....के मामले में मैं/हम रजिस्टर की परिशुद्धि या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन के हटाने/नियम 22 (2) के अधीन अतिरिक्त संरक्षण या रजिस्टर से भौगोलिक उपदर्शन के किसी प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रद्दकरण से संबंधित कार्रवाहियों में मध्यक्षेप करने के लिए अनुमति हेतु आवेदन करता हूं/करते हैं उक्त भौगोलिक उपदर्शन में मेरा/हमारा हित है।

उक्त अनुरोध पर रजिस्टर की आदेश की एक प्रति भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए।

आज तारीखमास20.....

4.

हस्ताक्षर

अनुदेश के लिए कृपया पृष्ठ की दूसरी ओर देखें

सेवा में,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रार,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय

चेन्नई

भौ. उ. -6 क

1. पूरा नाम, पते और राष्ट्रिकता का उल्लेख करें। यदि आवेदक का भारत में कारबाह का कोई मुख्य स्थान या निवास नहीं है तो भारत में तामील के लिए किसी पते का कथन किया जाए।

2. जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें

3. हस्ताक्षर

भौ. उ. -6 ख

1. पूरा नाम, पते और राष्ट्रिकता का उल्लेख करें

2. हस्ताक्षर

भाल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

प्रलेप भौ. त. 7

क	रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र के लिए अनुरोध नियम 78 (2) फीस: 300 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं 7 क देखें)	
---	---	--

वर्ग में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं..... के मामले में

मैं (था हम) 2..... रजिस्ट्रार से यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि वह मुझे/हमें..... में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने में उपयोग के लिए भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र की एक प्रमाणित प्रति जारी करेगा।

.....प्रमाणपत्र/प्रमाणित प्रति भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए। अनुरोध पर रजिस्ट्रार के आदेश की एक प्रति भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए:—

आज तारीख..... मास 20.....

2.....

हस्ताक्षर

ख	शपथ पत्र (केवल वहां भरा जाएं जहां अधिनियम या नियमों द्वारा अपेक्षित हो) (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं 7 ख देखें)	
---	---	--

मैं, जो..... का हूँ सत्यनिष्ठा से और शुद्ध हृदय से घोषणा करता हूँ कि मामले के कथन में वर्णित विशिष्टयां, प्रदर्श चिन्ह..... तथा..... वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन सं..... की आवत..... (2) के संबंध में मेरे द्वारा दी गई विशिष्टियां मेरे सर्वोत्तम ज्ञान, जानकारी और विश्वास के अनुसार सही हैं और भौगोलिक उपदर्शन की वर्तमान स्वत्वधारिता को प्रभावित करने वाले प्रत्येक तात्त्विक तथ्य तथा दस्तावेज को समाविष्ट करती हैं।

आज तारीख..... मास 20.....

4.....

हस्ताक्षर

ग	रजिस्टर में प्रविष्टि के लिए तथा नियम 99 के अधीन अपील बोर्ड द्वारा विधिमान्यता के प्रमाणपत्र की सूचना के विज्ञापन के लिए अनुरोध फीस : 200 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं 7 ग देखें)	
---	---	--

..... के नाम में..... वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन सं..... के मामले में मैं/हम..... रजिस्ट्रार से अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि रजिस्टर में उक्त भौगोलिक उपदर्शन संख्यांक से संबंधित प्रविष्टि में निम्नलिखित जोड़े तथा भौगोलिक उपदर्शन जर्नल में एक टिप्पण विज्ञापित करें कि अपील बोर्ड ने प्रमाणित किया है कि उक्त रजिस्ट्रीकरण की विधिमान्यता प्रश्नगत की गई है और उसका विविधत्या इसके साथ विधिमान्यता के प्रमाणपत्र के शासकीय रूप से सत्यापित प्रति के अनुसार भौगोलिक उपदर्शन के स्वत्वधारी के पक्ष में ही गत गया है।

इ..... आपैटेन्ड और संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं

..... आज तारीख..... मास 20.....

4.....

हस्ताक्षर

अनुदेश के लिए कृपया पृष्ठ के दूसरी ओर देखें।

घ	<p>रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन धारा 60 (ग), नियम 92 फीस : 500 रुपए</p> <p>(पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं 7 घ देखें)</p>	
---	---	--

.....के मामले में/मैं या (हम).....जो उपर्युक्त मामले में.....हूँ (हैं) रजिस्ट्रार के उक्त मामले में तारीख.....हूँ (हैं) रजिस्ट्रार के उक्त मामले में तारीखमास.....20.....के इस निर्णय का पुनर्विलोकन करने के लिए आवेदन करता हूँ (करते हैं)

यह आवेदन करने के लिए आधार इसके साथ के विवरण में उपवर्णित है।
इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—
आज तारीख.....मास.....20.....

4.....

हस्ताक्षर

ड	<p>भौगोलिक उपदर्शन के विज्ञापन की विशिष्टियों के लिए रजिस्ट्रार को अनुरोध नियम 40 फीस : 100 रुपए</p> <p>(पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं 7 ड देखें)</p>	
---	--	--

मैं (या हम) अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि मुझे (या हमें) उस जनल का संख्यांक तारीख और पृष्ठ की जानकारी दी जाए जिसमें उस भौगोलिक उपदर्शन को, जिसे रजिस्ट्रीकृत करवाने की इच्छा आवेदन सं.....के अधीन.....के नाम में की गई है, विज्ञापित किया गया है।

जानकारी भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए—
आज तारीख.....मास.....20.....

3.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

च	<p>रजिस्ट्रीकरण/प्राधिकृत उपयोगकर्ता के प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति या और प्रति के लिए अनुरोध नियम 55 (2) 59 (3) फीस : 200 रुपए</p> <p>(पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं 7 च देखें)</p>	
---	---	--

(यदि आवेदक ने विज्ञापन के लिए एक लेबल प्रस्तुत किया है तो इस प्ररूप के साथ रजिस्ट्रीकरण के समय पर अपवेदन के प्ररूप में) यथावत् दर्शित रूप में भौगोलिक उपदर्शन की एक बिना मढ़ी समाझूति अवश्य होनी चाहिए)

मैं (या हम).....रजिस्ट्रार से अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि मुझे (हमें) रजिस्टर में.....वर्ग में रजिस्ट्रीकृत मेरे (हमारे) भौगोलिक उपदर्शन सं.....की आवृत्ति धारा 16 की उपधारा (2) के अधीन मुझे (हमें) जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र की 3 द्वितीय प्रतियां/और प्रति दें।

प्रमाण पत्र की दूसरी प्रति/और प्रति भारत में मेरे (हमारे) निम्नलिखित पते पर भेजी जाए
आज तारीख.....मास.....20.....

4.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रार,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का कार्यालय।

भौ. उ.-7 क

1. अनुरोध करने वाले व्यक्ति का नाम, पता और राष्ट्रिकर्ता का उल्लेख करें।
2. उन विशिष्टियों का उपवर्णन करें जिनकी उस दस्तावेज को प्रमाणित करने या उसकी विशिष्टियों का कथन करने के लिए रजिस्ट्रार को अपेक्षा है।
3. देश या राज्य का नाम लिखें।
4. हस्ताक्षर

भौ. उ.-7 ख

1. शपथकर्ता का नाम, पता और राष्ट्रिकर्ता लिखें।
2. संबद्ध कार्रवाहियों की विशिष्टियों का उल्लेख करें।
3. यहां पर उस व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएं जो घोषणा कर रहा है।
4. उस प्राधिकारी के हस्ताक्षर और उसका पद जिसके समक्ष शपथपत्र लिया गया है।
5. भारत में शपथ पत्र किसी न्यायालय या ऐसे व्यक्ति के समक्ष किया जा सकता है जिसे साक्ष लेन का प्राधिकार विधि द्वारा प्राप्त है या शपथ हिलाने के लिए किसी न्यायालय द्वारा सशक्त किसी अधिकारी के समक्ष किया जा सकता है। भारत के बाहर शपथपत्र राजनियक और कौंसलीय या आफिसर (शपथ और फीस) अधिनियम, 1948 के अधीकारी राजनियक या कौंसलीय अधिकारी के समक्ष या ऐसे किसी देश या स्थान के राजनियक या कौंसलीय अधिकारी के समक्ष अथवा उस स्थान के किसी नोटेरी के समक्ष किया जा सकेगा यदि उस स्थान के नोटेरियों द्वारा किए गए नोटेरी विषयक कार्यों को नोटेरी अधिनियम, 1952 की धारा 14 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता दी गई है।

तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन स्थांपित किया जाए।

भौ. उ.-7 ग

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के नाम और पते का कथन करें।
2. कार्रवाहियों की प्रकृति का उनमें पक्षकारों के नामों सहित कथन करें जिसमें प्रमाणपत्र दिया गया था।
3. हस्ताक्षर

भौ. उ.-7 घ

1. उस विषय की पहचान करने वाले शब्द और निर्देश संख्या लिखें जिसकी बाबत आवेदन किया जाता है।
2. पूरा नाम और पता लिखें।
3. हस्ताक्षर

भौ. उ.-7 ङ

1. पूरा नाम और पता लिखें।
2. हस्ताक्षर

भौ. उ.-7 च

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता लिखें।
2. जो सागू न हो उसे काट दें।
3. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या प्राधिकृत उपयोगकर्ता या उसके अधिकारी के हस्ताक्षर

क माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999
(तीन प्रतियों में भरा जाए)

प्ररूप भौ. उ.-8

क	भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन नियम 107 फीस : 1,000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 8 के देखें)	
---	--	--

मैं माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) नियम, 2002 के अधीन व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए सविनय आवेदन करता हूँ।

1. से चरित्र का प्रमाण पत्र इससे संलग्न हैं।

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि मैं माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) नियम; 2001 के नियम 105 के खंड (i) (ii) (iii) (iv) (v) और (vi) में बताई गई किसी नियोग्यता से ग्रस्त नहीं हूँ और यह कि नीचे दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है।

1. पूरा नाम जिसके प्रारंभ में उपनाम, यदि कोई है (स्पष्ट अक्षरों में)
2. निवास स्थान का पता
3. कारबार का मुख्य स्थान
4. पिता का नाम
5. राष्ट्रियता
6. जन्म की तारीख और स्थान
7. उपजीविका पूर्ण रूप में
8. भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हता की विशिष्टियां
9. क्या किसी समय भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्टर से हटाया गया है और यदि हाँ तो इस प्रकार हटाए जाने का कारण

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—

आज तारीख मास 20

4.

हस्ताक्षर

ख	भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अनुरोध नियम 109 फीस : 1,000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 8 ख देखें)	
---	---	--

रजिस्ट्रार से नियम 109 के अधीन अनुरोध किया जाता है कि भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में प्रमाण पत्र जारी करें, यदि आवेदक भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता होने के लिए पात्र और अर्हित हो गया है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—

आज तारीख मास 20

4.

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

ग	भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्टर में नाम जारी रखने के लिए अनुरोध नियम 110 फीस : 1,000 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 8 ग देंखें)	
---	--	--

रजिस्ट्रार के नियम 110 के अधीन अनुरोध किया जाता है कि भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्टर में से तक बनाए रखना जारी रखें।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—

आज तारीख मास 20

4.

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

घ	भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन नियम 113 फीस : 1,000 रुपए जमा जारी रखने की फीस (तीन प्रतियों में भरा जाए) (पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 8 घ देंखें)	
---	---	--

मैं जो का हूँ, उस भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता रजिस्टर में मेरे नाम के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन करता हूँ जिसमें मेरा नाम संख्या के अधीन प्रविष्ट था मेरा नाम माल के भौगोलिक उपदर्शन नियम, 2002 के नियम 113 के अधीन को हटा दिया गया था।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—

आज तारीख मास 20

4.

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रार,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री, का कार्यालय,

1. अध्यर्थी के चरित्र को प्रमाणित करने का प्रमाणपत्र ऐसे व्यक्ति से होना चाहिए जो अध्यर्थी का नातेदार न हो तथा जिला मणिस्ट्रेट

मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट या उस जिले का मुख्य प्रशासनिक अधिकारी हो, जहाँ अध्यर्थी प्रायिक रूप से निवास करता है या किसी व्यक्ति से हो सकता है जिसे रजिस्ट्रार उपर्युक्त समझता है।

2. दावा की गई अहंताओं के समर्थन में मूल डिप्लोमा, प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज या मजिस्ट्रेट, नोटरी पब्लिक या जे पी द्वारा सम्पूर्ण रूप से साक्षियत उनकी प्रतियां आवेदन के साथ भेजी जानी चाहिए।

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में अनुभव की मात्रा या किसी प्रतिष्ठित वाणिज्यिक फर्म में अनुभव की मात्रा के बारे में विशिष्टियां विनिर्दिष्ट की जाएं।

हस्ताक्षर

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

प्ररूप भी. उ. - 9

क	<p>कतिपय माल के लिए अतिरिक्त संरक्षण हेतु आवेदन धारा 22(2), नियम 77 फीस : 2500 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 9 के देखें)</p>	
---	---	--

मैं (या हम) (1) जो वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी हूँ (है),
अधिनियम की धारा 22(2) के अधीन अतिरिक्त संरक्षण के लिए आवेदन करता हूँ (करते हैं)।

नियम 77(1) के अधीन पेश किए जाने के लिए अपेक्षित मामले का कथन इसके साथ संलग्न है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं—

आज तारीख मास 20

4.

हस्ताक्षर

ख	<p>रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन में कुछ जोड़ने या उसमें परिवर्तन के लिए धारा 29 के अधीन रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन। फीस : 300 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 9 ख और नीचे पाद टिप्पण देखें)</p>	
---	--	--

..... वर्ग में रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं. के मामले में (1) द्वारा, जो उपर्युक्त रूप में
संख्यांकित रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी हैं, उक्त भौगोलिक उपदर्शन में निम्नलिखित विशिष्टियों को जोड़ने या
परिवर्तन करने के लिए अनुमति हेतु आवेदन किया जाता है, अर्थात् :—

(2)

परिवर्तन कर दिए जाने पर यथाविद्यामान भौगोलिक उपदर्शन की पांच प्रतियां फाइल की जा रही हैं।

(3) इस आवेदन की एक प्रति और उस भौगोलिक उपदर्शन की एक प्रति जैसा वह परिवर्तित कर दिए जाने पर प्रतीत होगा, उस क्षेत्र में परिचालित
दो प्रमुख समाचार-पत्रों में प्रकाशित कर दी गई हैं (जिनकी प्रतियां संलग्न हैं)

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं :—

आज तारीख मास 20

हस्ताक्षर (4)

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

	उपबंधित या नियमों द्वारा विहित समय नहीं हैं धारा 64, नियम 83(1) फीस : 300 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 8ग देखें)	
--	---	--

..... के मामले में

मैं (या हम) (2) जो उपर्युक्त मामले में हूं (हैं), (3)

(4) के लिए समय निम्नलिखित आधारों पर बढ़ाए जाने के लिए आवेदन करता हूं (करते हैं)

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं :—

आज तारीख मास 20

5.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

अनुदेश के लिए कृपया पृष्ठ की दूसरी ओर देखें

भौ.उ. 9ग

1. विषयगत मामले की पहचान बताएं
2. पूरा नाम और पता लिखें
3. अपेक्षित विस्तार की अवधि का उल्लेख करें जो नहीं होंगी।

उस प्रयोजन का कथन करें जिसके लिए समय का विस्तारण अपेक्षित है।

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकृत और संरक्षण) अधिनियम, 1999

प्ररूप भौ. उ.-10

क	किसी भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा रजिस्टर में उसकी प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए अथवा उनमें से किसी भाल या माल के वर्ग को निकालने के लिए जिनकी आबत भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रीकृत किया गया है, आवेदन धारा 28(ग) या (घ), फीस : 300 रुपए (पहली अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 10क देखें)	
---	---	--

..... वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन सं. के मामले में

रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम

रजिस्टर में यथाप्रविष्ट पता

उपर्युक्त रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन किया जाता है कि वर्ग में भौगोलिक उपदर्शन सं. की रजिस्टर में की गई प्रविष्टि रद्द की जाए।

2. आवेदन की एक प्रति प्राधिकृत उपयोगकर्ता/(ओं) पर तामील कर दी गई है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं :—

आज तारीख मास 200

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

ख	अधिनियम के अधीन किसी मामले या कार्यवाही में अभिकर्ता के प्राधिकार का प्रस्तुप धारा 76 और नियम 20	
---	---	--

मैं (या हम) को जो का है

..... 3 के लिए मेरे (या हमारे) अभिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ/करते हैं तथा अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि उससे संबंधित सभी सूचनाएं, अध्ययेक्षण और संसूचनाएं उपर्युक्त पते पर ऐसे अभिकर्ता को भेजी जाएं;

मैं (या हम) उक्त कार्यवाही की आवश्यक पूर्व के सभी प्राधिकारों को, यदि कोई है, प्रतिसंहित करता हूँ/करते हैं।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएँ :—

आज तारीख मास 200

हस्तांक

हस्ताक्षरकर्ता का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

अनुदेश के लिए कृपया पृष्ठ की दूसरी ओर देखें।

सेवा में,

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रार

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय।

भौ.ड.—10क

1. जो आवश्यक न हो उसे काट दें।
2. यदि लागू न हो तो काट दें।
3. रजिस्ट्रीकृत स्वतंत्रधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
4. हस्ताक्षर।

तीसरी अनुसूची

रजिस्ट्रार द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले प्रस्तुप

प्रस्तुपों की सूची

प्रस्तुप सं.

आ-1	धारा 16(3)	रजिस्ट्रीकरण के पूरा न किए जाने की सूचना
आ-2	धारा 55(1)	भौगोलिक उपदर्शन के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र
आ-3	धारा 61	अंतिम रजिस्ट्रीकरण के समाप्त होने की सूचना
आ-4	नियम 102	भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में किसी व्यक्ति के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र
आ-5	नियम 55(1)	प्राधिकृत उपयोक्ता के पिछले रजिस्ट्रीकरण के पर्यवसान की सूचना।

प्रस्तुप आ-1

भारत सरकार

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

रजिस्ट्रीकरण के पूरा न किए जाने की सूचना

सं.

जैसा धारा 16 द्वारा अपेक्षित है, सूचना दी जाती है कि भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकरण जिसकी बाबत उपर्युक्त संख्यांकित आवेदन तारीख मास 200 को दिया गया था आवेदन की ओर से व्यतिक्रम के कारण पूरा नहीं किया गया है। जब तक रजिस्ट्रीकरण इस सूचना की तारीख से इकोस दिन के भीतर पूरा नहीं कर लिया जाता है, आवेदन को परिवर्तित रूप में समझा जाएगा।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्रादि भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएँ :—

आज तारीख मास 200

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

सेवा में,

.....
.....

प्रस्तुप आ-2

भारत सरकार

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

धारा 16(1) के अधीन भौगोलिक उपदर्शन या धारा 17 3(5) के अधीन प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र

भौगोलिक उपदर्शन सं.....

प्राधिकृत उपयोगकर्ता सं.....

तारीख.....

प्रमाणित किया जाता है कि भौगोलिक उपदर्शन जिसकी समाप्ति इससे उपाबद्ध है प्राधिकृत उपयोगकर्ता की बाबत तारीख को संख्यांक के अंधीन वर्ग में के नाम में रजिस्ट्रर में रजिस्टर किया गया है।

आज तारीख मास 200 को मेरे निदेश पर मुद्रांकित किया गया।

रजिस्ट्रार, भौगोलिक उपदर्शन

रजिस्ट्रीकरण इसमें ऊपर प्रथम उल्लिखित तारीख से 10 वर्ष के लिए है और तब 10 वर्ष की अवधि के लिए तथा तत्पश्चात् प्रत्येक 10 वर्ष की और अवधि के पश्चात् भी नवीकृत किया जा सकता है।

इस प्रमाणपत्र का उपयोग विधिक कार्यवाही में या विदेश में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

प्रस्तुप आ-3

भारत सरकार

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम, 1999 की धारा 18(4) के अधीन अनिम रजिस्ट्रीकरण के समाप्त होने की सूचना

रजिस्ट्रीकृत भौगोलिक उपदर्शन सं

वर्ग

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 18(4) में जैसा अपेक्षित है, यह सूचना दी जाती है कि पूर्वोक्त भौगोलिक उपदर्शन का रजिस्ट्रीकरण को समाप्त हो जाएगा और कि रजिस्ट्रीकरण उस तारीख को या उससे पूर्व 3,000 रुपये की विहित फीस के साथ संलग्न प्ररूप भौ. ड. 4 में एक आवेदन की भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में प्राप्ति पर दस वर्ष की अवधि के लिए नवीकृत किया जा सकता है।

आज तारीख मास 200

रजिस्ट्रर, भौगोलिक उपदर्शन

प्रारूप आ-4

भारत सरकार

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

भौगोलिक उपदर्शन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र

सं . . . नियम 109

यह प्रमाणित किया जाता है कि

..... जो का है, माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) नियम, 2002 के अधीन अनुरक्षित भौगोलिक अभिकर्ता के रजिस्ट्रर में तारीख मास 200 को रजिस्टर, किया गया था।

रजिस्ट्रर, भौगोलिक उपदर्शन

प्रारूप आ-5

भारत सरकार

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री

माल के 'भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999

धारा 18(4) के अधीन अंतिम रजिस्ट्रीकरण के समाप्त होने की सूचना।

रजिस्ट्रीकृत प्राधिकृत उपयोगकर्ता स . . .

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 धारा 18(4) के अधीन जैसा अपेक्षित है, यह सूचना दी जाती है कि पूर्वोक्त प्राधिकृत उपयोगकर्ता का रजिस्ट्रीकरण तारीख को समाप्त हो जाएगा और कि रजिस्ट्रीकरण उस तारीख को या उससे पूर्व 1000 रुपये की विहित फीस के साथ संलग्न प्ररूप भौ. ड. 3 में एक आवेदन के भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में प्राप्त होने पर दस वर्ष की और अवधि के लिए नवीकृत किया जा सकता है।

आज तारीख मास 200

रजिस्ट्रर, भौगोलिक उपदर्शन

चौथी अनुसूची

माल का वर्गीकरण-वर्गों के नाम

(किसी वस्तु या उपकरण के भागों को साधारणतया वास्तविक वस्तु या उपकरण में साथ वर्गीकृत किया जाता है, सिवाय वहा के जहाँ ऐसा माल किसी अन्य वर्ग में सम्मिलित वस्तु गठित करते हैं) का गठन।

वर्ग 1

उद्योग, विज्ञान, फोटोचित्रण, कृषि, उद्यानकृषि और वानिकी में प्रयुक्त रसायन, अप्रसंस्कृत कृत्रिम रेजिन, अप्रसंस्कृत प्लास्टिक, खादें, सयोजन टैम्परिंग और सोल्डरन निर्मितिया, खाद्य पदार्थ के परिरक्षण के लिए रासायनिक पदार्थ, चर्मशोधन पदार्थ, उद्योग में प्रयुक्त किए जाने वाले

आसंजक।

बार्ग 2

पेट, वार्निश, लेकर (रलाक्ष), जांग के विस्तृद्ध और काष्ठ के क्षय के विस्तृद्ध परिरक्षी, कोटोरैंट, रंजक कच्चा प्राकृतिक इंजिन चेंटरों के लिए पर्णिका और चूर्ण रूप में धातुएं, सजावट करने वाले, मुद्रक और कलाकार।

बार्ग 3

लांड्री उपयोग के लिए विरंजन निर्मितियां और अन्य पदार्थ, निर्मलन, पालिशकरण, मंजाई और अपधर्यी निर्मितियां, साबुन, सुगंध सामग्री, आवश्यक तेल, शृंगार सामग्री, केश, लोशन, दंत मंजन।

बार्ग 4

औद्योगिक तेल और चिकनाई (ग्रीज), स्नेहक, धूत अवशोषक, आर्द्र कारक और बंधन घटक, ईधन (जिसके अन्तर्गत मोटर स्प्रिंट है) तथा प्रदीपक, केंडल, बत्ती।

बार्ग 5

भेषजीय, पशु चिकित्सा और स्वच्छता संबंधी निर्मितियां, चिकित्सा उपयोग के लिए अनुकूलित आहारिक पदार्थ, शिशुओं के लिए खाद्य, प्लास्टर, मरहम पट्टी (ड्रेसिंग) के लिए सामग्री, दंत भराई सामग्री, दंत मोम, विसंक्रामक (रोगाणु आशी) पीड़क जंतु, कवच नाशी, शाकनाशी नष्ट करने के लिए निर्मितियां।

बार्ग 6

सामान्य धातुएं और उनके भिन्नातु, धातु निर्माण सामग्रियां, सामान्य धातु के परिवहनीय, निर्माण, रेल पटरियों के लिए धातु की सामग्रियां, सामान्य धातु के गैर विद्युत, केबल और तार, लौह अंगार, धातु हार्ड चेयर की छोटी मढ़ें, धातु के पाइप और द्रूब, सेफ, अन्य वर्गों में न सम्प्रिलिपि की गई सामान्य धातु के माल, अपस्क

बार्ग 7

मशीन और मशीनों के औजार, मोटर और इंजिन (भूमि यानों के सिवाय) मशीन मुग्मक और पारेण घटक, (भूमि यानों के सिवाय) हस्ताचालित से भिन्न कृपि उपकरण, अंडों के लिए उष्मायित्र।

बार्ग 8

हाथ के औजार और उपकरण (हाथ से चलाए जाने वाले), कटलरी, पार्श्व आयुध, छुरा।

बार्ग 9

वैज्ञानिक, नौ, सर्वेक्षण, विद्युत, फोटो चित्रण, सिनेमा चित्रण (सिनेमैटोग्राफिक), प्रकाशिक, तुलन, मापन संकेतक, जांच (पर्यवेक्षण) जीवन रक्षक और शिक्षण साधित्र तथा उपकरण, रिकार्ड करने के लिए साधित्र, ध्वनि या प्रतिविम्ब पारेण या पुनरुत्पादक, चुंबकीय डाटा वाहक, रिकार्डिंग डिस्क, सिक्का आयोडेट उपकरण के लिए स्वचालित वैडिंग मशीन और मैक्रोफोन, नकद, कैश रजिस्टर, संगणक मशीनें, डाटा प्रसंस्करण उपस्कर और कंप्यूटर, अनिन शामक उपकरण।

बार्ग 10

शल्य क्रिया संबंधी, आयुर्विज्ञान संबंधी, दंत रोग संबंधी तथा पशु चिकित्सा संबंधी औजार और उपकरण, कृत्रिम अंग, आंख और दांत, विकलांगों के लिए वस्तुएं, सीधन सामग्रियां।

बार्ग 11

प्रकाश करने, ताप करने, भाप पैदा करने, पकाने, प्रशीतम करने, सुखाने, वातावर, जल प्रदाय और स्वच्छता प्रयोजनों के लिए उपकरण।

बार्ग 12

यात्र, भूमि, वायु या जल द्वारा संचलन के लिए उपकरण।

बार्ग 13

आन्यायुध, गोला भारूद और प्रक्षेपक, विस्फोटक सामग्री, आतिशबाजी।

वर्ग 14

बहुमूल्य धातुएं और उनकी मिश्रातु तथा बहुमूल्य धातुओं में या उनके लैपित माल जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं, आभूषण, बहुमूल्य रत्न हीरोलाजिकल या अन्य कालमापन चंत्र।

वर्ग 15

खाद्य चंत्र।

वर्ग 16

कार्ड, कागज बोर्ड तथा इन सामग्रियों से बनाए गए माल जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं, सुदृश सामग्री, जिल्द साजी सामग्री, फोटोग्राफ, लेखन सामग्री, या गृहस्थी के प्रयोग के लिए आसंजक, कलाकार सामग्रियां, पेंट बूश, टाइप राइटर और कार्यालय के लिए अपेक्षित वस्तुएं (फर्नीचर को छोड़कर), अनुदेशात्मक तथा शैक्षणिक सामग्रियां (साधित्र को छोड़कर), पैकेजिंग के लिए प्लास्टिक सामग्रियां (जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं), ताश, मुद्रण टाइप, मुद्रण ब्लॉक।

वर्ग 17

रबर, गटा, परचा, गोंद, ऐस्बेस्टास, अभक और वे सामान जो इन सामग्रियों से बनाए गए हैं तथा अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं किए गए हैं, विनिर्माण में प्रयोग के लिए उत्साहित रूप में प्लास्टिक, पैकिंग, भराई और विद्युत् रोधन सामग्रियां, नमनीय पाइप जो धातु के न हों।

वर्ग 18

चमड़ा और चमड़े की अनुकृति और इन सामग्रियों से बने सामान जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं, पशुओं की चमड़ी, खाल, ट्रंक और यात्रा बैग, छाता, आतपत्र (पैरासोल) और टहलने की छड़ी, आबूक, साज सज्जा और जीन साजी।

वर्ग 19

भवन निर्माण सामग्री (गैर धात्विक), भवन, निर्माण के लिए गैर धातु का कठोर पाइप एसफाल्ट, अलकतरा और बिटुमेन, गैर धात्विक परवहनीय भवन, संस्मारक जो धातु के न हों।

वर्ग 20

फर्नीचर, दर्पण, चित्र चौखटा (पिक्चर फ्रेम) काष्ट के माल (जो अन्य वर्गों में सम्मिलित न हों), कार्क रीड, बैंत (गत्रा), बत्ती, सींग, अस्थि, हाथी दांत, छेल अस्थि, खोल, अम्बर, मुक्ता सीप, समुद्र फेन और इन सभी सामग्रियों के लिए या प्लास्टिक के अनुकूल्य।

वर्ग 21

गृहस्थी के या रसोई के बर्तन और आधान (जो बहुमूल्य धातु के या उससे लैपित न हों) कंधियों और स्पंज, बूश (पेंट के बूशों को छोड़कर) बूश बनाने की सामग्रियां, निर्मलन प्रयोजनों के लिए वस्तुएं, इस्पात, ऊन, अकर्मित या अर्द्ध कर्मित कांच (भवन निर्माण में प्रयुक्त होने वालों को छोड़कर) कांच के बर्तन पोर्सलीच या मिट्टी के बर्तन जो अन्य वर्गों में सम्मिलित न हों।

वर्ग 22

रज्जु, डोरी, जाल, तंबू सामियान, तिरपाल, पाल, बोरी और बैग (जो अन्य वर्ग में सम्मिलित न हों) पैड लगाने और भराव सामग्रियां (रबर और प्लास्टिक को छोड़कर) कच्ची रेशेदार टैक्सटाइल सामग्रियां।

वर्ग 23

टैक्सटाइल में उपयोग के लिए यार्न और धागे।

वर्ग 24

टैक्सटाइल और टैक्सटाइल माल जो अन्य वर्गों में सम्मिलित न हो, विस्तर और मेज आच्छादन (टेबल कवर)।

वर्ग 25

कपड़े, जूतादि, सिर का पहनावा।

वर्ग 26

फीता, कसीदाकारी, रिबन और ब्रेड, बटन, हुक और नाके पिन और सूझाओं, कूत्रिम फूल।

वर्ग 27

कालोन, रंग, पायदान और चटाई, विद्यमान फर्श को ढकने के लिए लिनोलियम और अन्य सामग्रियां, भिसी परदा, (वाल हैंगिंग) (गैर वस्त्रीय)।

वर्ग 28

खेल और खेल के सामान (खिलौना), व्यायाम और क्रीड़ा वस्तुएं जो अन्य वर्ग में सम्मिलित नहीं हैं, क्रिसमस वृक्ष का अलंकरण।

वर्ग 29

मांस, मत्स्य, कुकुट और खेल, मांस निष्कर्ष, परिरक्षित, सुखाए गए तथा पकाए गए फल और वनस्पतियां, जेली, जैम, फ्रूट सास, अंडे, दुध और दुग्ध उत्पाद, खाद्य तेल और चवा।

वर्ग 30

काफी, चाय, कोका कोला, चीनी, चावल, टेपियोका, साबूदाना, कृत्रिम काफी, आटा और अनाज से बनी निर्मितियां, ब्रेड पैस्ट्री, भिज्जाम, अर्फ़, शहद, राश, यीस्ट, पाक चूर्ण, नमक, राई (सरसों), सिरका, चटपी, (स्वादक), मसाला, अर्फ़।

वर्ग 31

कृषिक, उद्यान कृषि, बनिकी उत्पाद और अन्य जो अन्य काँचों में सम्मिलित न हो, जीवित पशु, ताजे फल और वनस्पतियां, प्राकृतिक पौध और फूल, पशुओं के लिए खाद्य पदार्थ, मालू।

वर्ग 32

बीयर, खनिज और बातित जल और अन्य गैर एल्कोहालिक पेय, फल पेय और फल जूस, सौरप तथा सुपये बनाने के लिए अन्य निर्मिति।

वर्ग 33

मध्यमार्किक सुपये (बीयर को छोड़कर)

वर्ग 34

तंबाकू, धूम्रपान वस्तुएं, दिया सलाई।

पांचवीं अनुमूली**रजिस्ट्रार के समक्ष नियम 91 की कार्यवाही में अनुज्ञेय खर्च का मापमान**

प्रतिविटि	वह विषय जिसकी आवश्यकता खर्च अधिनिर्णित किया जाता है	रकम
सं.		
1.	एक दिन की सुनवाई के लिए जिसके अंतर्गत साक्षियों की परीक्षा भी है।	1000 रुपए
2.	एक दिन की सुनवाई के लिए जब साक्षियों की कोई परीक्षा नहीं है।	500 रुपए
3.	सुनवाई के स्थगन के लिए जो किसी पक्षकार की याचिका पर मंजूर किया जाए।	500 रुपए जमा अन्य पक्षकार के साक्षी को पुनः समन करने का खर्च जिसकी उस दिन परीक्षा की जानी थी।
4.	किसी शपथ-पत्र से कलंकात्मक विषय को काट देने के लिए।	200 रुपए।
5.	माक्षियों की उपस्थिति के लिए निर्वाह भत्ता या यात्रा भत्ता।	500 रुपए प्रत्येक ओर से द्वितीय श्रेणी का रेल या स्टीमर का भाड़ा तथा यदि रेलया स्टीमर संपर्क नहीं है तब साक्षी के रैक और प्रास्थिति पर निर्भर करते हुए 5 रुपए या 2.50 रुपए प्रति किलो मी.

टिप्पणि : साक्षी के लिए निर्वाह भत्ता और यात्रा भत्ता की दरों में साक्षी की प्रास्थिति के अनुसार ऊपर विहित अधिकतम सीमा के अधीन रहते हुए भिन्नता होगी।

[फा. सं. 14/1/2000-पी.पी.एंड सी]

ए. ई. अहमद, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Industrial Policy and Promotion)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th March, 2002

**The Geographical Indications of Goods
(Registration and Protection) Rules, 2002**

G.S.R. 176 (E).—In the exercise of the powers conferred by Sub-section 87 of Geographical Indications of Goods (Registration & Protection) Act, 1999, the Central Government makes the following rules, namely :

PART 1
CHAPTER 1
PRELIMINARY
Short title and commencement.

1. (1) These rules may be called the **Geographical Indications Of Goods (Registration and Protection) Rules, 2002**
2. (2) They shall come into force on the date on which the Act comes into force.

2(1). Definitions.-

In these rules, unless the context otherwise requires, -

- a) "Act" means The **Geographical Indications Of Goods (Registration & Protection) Act, 1999**.
- b) "agent" means a person authorised under Section 76;
- c) "application for registration of a geographical indication" includes the geographical indication for goods contained in it;
- d) "appropriate office of the Geographical Indications Registry" means the relevant office of the Geographical Indications Registry as specified in rule 4;
- e) "business" includes the trading, dealing, production exploitation, making or manufacturing, as the case may be, of the goods to which geographical indication relates;
- f) "class fee" means the fee prescribed under entry no. 1 of the First Schedule;
- g) "Convention Country" means a country notified as such under sub-section (1) of section 84;
- h) "Convention Application" means an application for the registration of a geographical indication made by virtue of Section 84;
- i) "divisional application" means a divided application made by the division of a single initial application for registration of a geographical indication for different classes of goods;
- j) "divisional fee" means the fee so prescribed under the First Schedule;

- k) "form" means a form set forth in either the Second or the Third Schedule,
- l) "graphical representation" means the representation of a geographical indication for goods in paper form,
- m) "journal" means the Geographical Indications Journal,
- n) "notified date" means the date on which the rules come into force,
- o) "opposition" includes an opposition to the registration of a geographical indication or authorised user as the case may be,
- p) "principal place of business in India" means the relevant place in India as specified in rule 3;
- q) "publish" means publish in the Geographical Indications Journal;
- r) "registered geographical indications agent" means a geographical indications agent whose name is actually on the Register of Geographical Indications Agent maintained under rule 102,
- s) "renewal" means and includes renewal of a geographical indication by the registered proprietor of geographical indication or of the authorised user of a geographical indication as the case may be,
- t) "Schedule" means a Schedule to the rules;
- u) "section" means a section of the Act;
- v) "Specification" means the designation of goods in respect of which a geographical indication is registered or proposed to be registered;
- w) All other words and expressions used but not defined in these rules and defined in the Act shall have the meaning assigned to them in the Act.

(2) In these rules, except as otherwise indicated, a reference to a section is a reference to that section in the Act, a reference to a rule is a reference to that rule in these rules, a reference to a Schedule is a reference to that schedule to these rules and a reference to a form is a reference to that form mentioned in the second or third schedule, as the case may be

3. Principal place of business in India.-"Principal place of business in India" means-

- i) where a person carries on business in the goods concerned bearing a geographical indication
 - a) if the business is carried on in India at only one place, that place,
 - b) if the business is carried on in India at more places than one, the place mentioned by him as the principal place of business in India;
- ii) where a person is not carrying on a business of the goods concerned bearing a geographical indication -
 - a) if he is carrying on any other business in India at only one place, that place;
 - b) if he is carrying on any other business in India at more places than one, the place mentioned by him as the principal place of business in India; and
- iii) where a person does not carry on any business in India but has a place of residence in India, then such place of residence in India.

4. Appropriate office of the Geographical Indications Registry.-

(I) The "appropriate office of the Geographical Indications Registry" for the purposes of making an application for registration of a geographical indication under section 11(1) or registration as an authorised user under section 17(1) or for giving notice of opposition under sub-section (1) of section 14 or sub-section (3)(e) of Section 17, as the case may be or for filing an application for rectification under section 27 or for any other proceedings under the Act and the rules shall be –

in relation to a geographical indication for which an application for registration is made on or after the notified date, the office of the Geographical Indications Registry within whose territorial limits -

- i) the principal place of business in India of the applicant as disclosed in his application or, in the case of an association of persons or producers the principal place of business in India of the applicant whose name is first mentioned in the application, as having such place of business is situate;
- ii) where neither the applicant nor any of the association of persons or producers, as the case may be, has a principal place of business in India, the place mentioned in the address for service in India as specified in the application is situate

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) all applications, communications, documents or fee authorised or required by the Act or the rules to be sent, served, left or paid shall be sent or paid at or to the Head Office of the Registry notified by the Central Government initially and subsequently at the appropriate office as and when notified.

5. Jurisdiction of appropriate office not altered by change in the principal place of business or address for service.— No change in the principal place of business in India or in the address for service in India, as the case may be, of an applicant or of any of the association of persons or producers for registration in relation to any geographical indication for which an application for registration is made on or after the notified date, made or effected subsequent to that date shall affect the jurisdiction of the appropriate office of the Geographical Indications Registry.

6. Entry of the appropriate office in the Register.— Subject to sub-rule (2) of Rule 4, in respect of every geographical indication registered after the notified date, the Registrar shall cause to be entered in the register the appropriate office of the Geographical Indications Registry and the Registrar may, at any time, correct any error in the entry so made.

7. Leaving of documents, etc.— Save as otherwise provided in sub-rule (2), of rule 4 all applications, notices, statements or other documents or any fee authorised or required by the Act or the rules to be made, served, left or sent or paid at or to the Geographical Indications Registry in relation to a geographical indication shall be made, served, left or sent or paid to the appropriate office of Geographical Indications Registry.

8. Documents etc. filed or left not at the appropriate office.— Subject to the provisions of rule 7, in an exceptional case where any application, statement or other document or any fee authorised or required by the Act or the rules is made, served, left or sent or paid, at or to an office inadvertently which is not the appropriate office of the Geographical Indications Registry as and when such an office is notified under this Act by the Central Government under sub-rule 2 of rule 4, the Registrar may on a written request return such application, statement or document to the appropriate office if he is satisfied that it was a bonafide error on the part of the applicant in such cases:

Provided the period for which such application, or statement or document is retained by the office which is not the appropriate office shall be excluded for the purposes of computing the period of limitation where any of such application, statement or document is required to be presented within the prescribed period.

Provided before declining any such request the Registrar shall provide an opportunity of being heard.

9. Issue of notices, etc.— Subject to sub-rule (2) of rule 4 any notice or communication relating to any application, matter or proceeding under the Act or the rules shall ordinarily be issued from the appropriate office of the Geographical Indications Registry but may, nevertheless, be issued by the Head of Office of any office of the Geographical Indications Registry.

10. Fees.— (1) The fees to be paid in respect of applications, oppositions, registration, renewal or any other matters under the Act or the rules shall be those specified in the First Schedule, hereinafter referred to as the prescribed fees.

(2) Where in respect of any matter a fee is required to be paid under the rules, the form or the application or the request of the petition, therefor, shall be accompanied by the prescribed fee.

(3) Fees may be paid in cash or sent by money order addressed to the Registrar of Geographical Indications or by a bank draft issued by, or by a cheque drawn on by a scheduled bank at the place where the appropriate office of the Geographical Indications Registry is situated and if sent through posts shall be deemed to have been paid at the time when the money order or the properly addressed bank draft or cheque would be delivered in the ordinary course of post.

(4) Bank drafts and cheques shall be crossed and made payable to the Registrar at the appropriate office of the Geographical Indications Registry and they shall be drawn on a scheduled bank at the place where the appropriate office of the Geographical Indications Registry is situated.

(5) Where a fee is payable in respect of filing of document and either the document is filed without fee or with insufficient fee, such document shall be deemed to have not been filed for the purposes any proceedings under the rules.

(6) Where any fee paid by a party is ordered to be returned by the Registrar under any of the provisions of the Act or the rules the amount may be refunded by money order in which event money order commission shall be deductible from such amount.

(7) The Registrar may after notification in the Geographical Indications Journal make available electronic fee transfer facilities subject to such conditions as may be specified on that behalf.

11. Forms:- (1) The forms set forth in the Second and the Third Schedules shall be used in all cases to which they are applicable and may be modified as directed by the Registrar to meet other cases.

(2) Any form, when filed at the Geographical Indications Registry shall be accompanied by the prescribed fee.

(3) A requirement under this rule to use a form as set forth in the schedules is satisfied by the use either of a replica of that form or of a form which is acceptable to the Registrar and contains the information required by the form as set forth in the schedule and complies with any direction as to the use of such a form.

(4) The Registrar may after notification in the Geographical Indications Journal specify such forms as are required to be submitted in machine readable forms. Thereafter, such forms shall be completed in such a manner as may be specified as to permit an automated input of the content into a computer such as by character recognition or scanning.

12. Size, etc of documents:- (1) Subject to any other directions that may be given by the Registrar, all applications, notices, statements, or other documents except the geographical indication required by the Act or the rules to be made, served, left or sent, at or to the Geographical Indications Registry shall be typewritten, lithographed or printed in Hindi or in English in large and legible characters with deep permanent ink upon strong paper, and except in the case of affidavits, on one side only and of size of approximately 33 cms by 20 cms and shall have on the left hand part thereof a margin of not less than 4 centimetres.

(2) Duplicate documents including copies of geographical indications shall be filed at the Geographical Indications Registry if at any time so required by the Registrar.

(3) The Registrar may after notification in the Geographical Indications Journal alter the size of all applications, notices, statements or other document and forms required under the rules to make it compatible in machine readable form.

(4) The Registrar may after notification in the Geographical Indications Journal permit the filing of applications, statements, notices or other documents by electronic means subject to such conditions as he may specify either generally by published notice in the Journal or in any particular case by written notice to the persons desiring to file any such documents by such means.

13. Signing of documents:- (1) An application for the registration of a geographical indication purporting to be filed by an association of persons or producers shall be signed by the authorised signatory thereof to sign such documents and a document purporting to be signed by a body corporate or any organisation or any authority established by or under any law for the time being in force shall be signed by the Chief Executive, or the Managing Director or the secretary or other principal officer of such organisation. A document purporting to be signed by a partnership shall be signed by at least one of the partners. The capacity in which an individual signs a document on behalf of an association of persons or a body corporate shall be stated below his signature.

(2) Signatures to an application and any other documents shall be accompanied by the name of the signatory in English or in Hindi and in capital letters.

14. Service of documents:- (1) All applications, notices, statements, papers having representations affixed thereto, or other documents authorised or required by the Act or the rules to be made, served, left or sent, at or to the Geographical Indications Registry or with or to the Registrar or any other person may be sent through the post by a prepaid letter.

(2) Any application or any document so sent shall be deemed to have been made, served, left or sent at the time when the letter containing the same would be delivered in the ordinary course of post.

(3) In proving such sending it shall be sufficient to prove that the letter was properly addressed and put into the post

15. Particulars of address etc. of applicants and other persons:- (1) Names and addresses of the association of persons, producers, authorised users and other persons shall be given in full, together with their nationality, calling and such other particulars as are necessary for identification

(2) In the case of a body corporate the full name and nationality of the Board of Directors thereof shall be stated

(3) In the case of foreign applicants and persons having no principal place of business in India, their addresses in their home country shall be given in addition to their address for service in India

(4) In the case of a body corporate or any organisation or authority established by or under any law for the time being in force, the country of incorporation or the nature of registration, if any, as the case may be, shall be given

16. Statement of principal place of business in India in an application:- (1) Every application for registration of a geographical indication or as an authorised user shall state the principal place of business in India, if any, of the applicant or the authorised user or in the case of association of persons or producers of goods such of them as have a principal place of business in India

(2) Subject to the provisions of rules 17, 18, and 20, any written communication addressed to an applicant or his agent, or an authorised user or his agent or in the case of association of persons, the person authorised to act in the matter in connection with the registration of a geographical indication or their agent, at the address of his principal place of business in India given by him in the application shall be deemed to be properly addressed

17. Address for service:- (1) An address for service in India shall be given -

(a) by every applicant for registration of a geographical indication or by an authorised user of a geographical indication who has no principal place of business in India,

(b) in the case of an association of persons or producers for registration of a geographical indication if none of them has a principal place of business in India,

(c) by the applicant for a geographical indication who had his principal place of business in India at the date of making the application for registration but has subsequently ceased to have such place, and

(d) by every applicant or authorised user in any proceeding under the Act or the rules and every person filing a notice of opposition, who do not have a principal place of business in India

(e) by every person granted leave to intervene under Rule 67 (the intervener)

(f) Every proprietor of a registered geographical indication which is the subject of an application to the Registrar for the invalidation or rectification of the registered geographical indication

(g) by every applicant for cancelling, expunging and varying any entry on the register relating to a Geographical Indication or of an authorised user under sub-section (1) and (2) of Section 27

(2) Any written communication addressed to a person as aforesaid at an address for service in India given by him shall be deemed to be properly addressed

(3) Unless an address for service in India as required in sub-rule (1) is given, the Registrar shall be under no obligation to send any notice that may be required by the Act or the rules and no subsequent order or decision in the proceedings shall be called in question on the ground of any lack or non-service of notice

18. Address for service in application and opposition proceedings:- An applicant for registration of a geographical indication or as an authorised user or an opponent filing a notice of opposition may notwithstanding that he has a principal place of business in India, if he so desires, may furnish to the Registrar with an address in India to which communications in relation to the application or opposition proceedings only may be sent. Such address of the applicant or the authorised user or the opponent shall be deemed, unless subsequently cancelled, to be the actual address of the applicant or the authorised user or the opponent, as the case may be, and all communications and documents in relation to the application, or notice of opposition may be served by leaving them at, or sending them by post to such address of the applicant or the authorised user or the opponent, as the case may be

19. Non-availability of an address for service:- The Registrar may, at any time when a doubt arises as to the continued availability of an address for service in India entered in the register, request the person for whom it is entered by letter directed to any other address entered in the register or if no such address is entered in the register to the address at which the Registrar considers that the letter would reach him to confirm the address for service in India and if within two months of making such a request the Registrar receives no such confirmation, he may strike the entry in the register of the address for service in India and require such person to furnish a fresh address for service in India or his address at the principal place of business in India, if he has any at that time.

20. Agency:- (1) The authorisation of an agent for the purpose of Section 76 shall be executed on Form GI-10 or in such other written form as the Registrar may deem sufficient and proper.

(2) In the case of such authorisation, service upon the agent of any document relating to the proceeding or matter shall be deemed to be service upon the person so authorising him; all communications directed to be made to such person in respect of the proceeding or matter may be addressed to such agent, and all appearances before Registrar relating thereto may be made by or through such agent.

(3) In any particular case the Registrar may require the personal signature or presence of an applicant, opponent, proprietor, authorised user or other person.

21. Classification of goods:- (1) For the purposes of the registration of a geographical indication or as an authorised user, goods shall be classified in the manner specified in the Fourth Schedule.

(2) The goods mentioned in the Fourth Schedule only provide a means by which the general content of numbered international classes can be quickly identified. They correspond to the major content of each class and are not intended to be exhaustive in accordance with the International Classification of Goods. For determining the classification of particular goods and for full disclosure of the content of international classification, reference may be made to the alphabetical index of goods if any, published by the Registrar under sub-section (3) of section 8 or the current edition of International Classification of Goods for the purpose of registration of trade marks published by the World Intellectual Property Organisation or any subsequent edition as may be available.

(3) Where goods of more than one class are set out in an application for which only one application fee has been paid, the Registrar shall require the applicant to amend the application in order to restrict the goods to a single class.

22. Request to Registrar for search:- (1) Any person may request the Registrar on form GI-5 to cause a search to be made in respect of specified goods classified in any one class in the Fourth Schedule in order to ascertain whether any geographical indication is on record which resembles a trade mark or geographical indication of which two representations accompany the form. The Registrar shall cause a search to be made and inform the applicant of the result of such search.

(2) If within three months from date of communication of the result of the search aforesaid an application is made for the registration of the trade mark or geographical indication in question and the Registrar takes objection on the ground that the mark or the geographical indication resembles a geographical indication, which was not disclosed in the search, but was on record on the last of the date on which the search was made the applicant shall be entitled, after withdrawal of the application for the registration of the said trade mark or the geographical indication, to have repaid to him the fee paid for search in Form GI-5.

CHAPTER II

PROCEDURE FOR REGISTRATION OF GEOGRAPHICAL INDICATIONS

23. Form and signing of application.- (1) Every application for the registration of a geographical indication shall be made in the prescribed form and shall be signed by the applicant or his agent and must be made in triplicate alongwith three copies of a Statement of Case.

(2) An application to register a geographical indication for a specification of goods included in any one class shall be made in Form GI-1;

(3) An application to register a geographical indication under section 84(1) for a specification of goods included in any one class from a convention country shall be made in **Form GI-1**;

(4) A single application for the registration of a geographical indication for different classes of goods from a convention country under section 84(1) shall be made in **Form GI-1**;

(5) A single application for the registration of a geographical indications for different classes of goods shall be made in **Form GI-1**;

(6) Every application for the registration of a geographical indication for goods must satisfy the following conditions

a) The geographical indication must be defined with sufficient precision so that the right to obtain relief in respect of infringement of geographical indication can be determined,

b) The graphical representation must be able to stand in place of the geographical indication without the need for supporting samples,

c) It must be reasonably practicable for persons inspecting the Register or reading the Geographical Indications Journals to understand from the graphical representation what the geographical indications is

d) An application for the registration of a three dimensional geographical indication shall not be acted upon as such unless the application for registration contains a statement to that effect,

e) Where a colour combination is claimed as an element of a geographical indication in an application for the registration, it shall not be acted upon as such unless the application contains a statement to that effect and specifies the colours.

(7) An amendment to divide an application under proviso to section 15 shall be made in **Form GI-5**;

(8) Every application shall be in respect of one geographical indications only for as many class or classes of goods as may be made

(9) The Registrar may require a more concise description of a geographical indications if relates to colour combination, a three-dimensional geographical indication, design which are symbols of definite concepts, a configuration of goods or packaging to evaluate the substantive rights in the geographical indications

(10) Where an applicant files a single application for one or more classes and the Registrar determines that the goods applied for fall in class or classes in addition to those applied for, the applicant may restrict the specification of goods to the class applied for or amend the application to add additional class or classes on payment of the appropriate class fee and the divisional fee. The new class created through a division retains the benefit of original filing date or in the case of an application from a convention country, the convention application date under sub-section (1) of section 84 provided the claim was otherwise properly asserted in the original application

24 Application under convention arrangement.- (1) Where an application for registration of a geographical indications is filed by an applicant from a convention country under section 84, a certificate by the Registry or competent authority of the Geographical Indications Office of the convention country shall be included in the application for registration under sub-rule 3 or 4 of Rule 23, as the case may be, and it shall include the particulars of the geographical indication, the country and the date or dates of filing of the first application in the convention country and such other particulars as may be required by the Registrar.

(2) Unless such certificate has been filed at the time of the filing of the application for registration, there shall be filed, within two months of the filing of the application under sub-rule (3) or (4) of rule 23, as the case may be, certifying or verifying to the satisfaction of the Registrar the date of the filing of the application, the country, the representation of geographical indication, the class and goods covered by the application.

(3) The application relied under sub-rule (1) must be the applicants' first application in a convention country for the same geographical indications and for all or some of the goods under that application. The application must include a statement indicating the filing date of the foreign application relied upon, the convention country where it was filed, the serial number, if available and a statement indicating the convention application date as claimed

(4) Where a single application under sub section (3) of section 11 from a convention country is received in respect of a geographical indications for one or more classes of goods, the applicant must establish a continuous valid basis for the convention application date in all classes.

25. Statement of user in applications.— An application to register a geographical indication or as an authorised user shall, contain a statement of the period during which, and the person by whom it has been used in respect of the goods mentioned in the application. The applicant shall file an affidavit testifying to such user with exhibits showing the geographical indication as used, the volume of sales under that geographical indication, the definite territory of the country, region or locality in the country to which geographical indication relates and such other particulars as the Registrar on perusal of the application may call for from the applicants

26. Representation of Geographical Indication.— Every application for the registration of a geographical indication and where additional copies of the application are required every such copy, shall contain a representation of the geographical indication in the space provided on the application form for that purpose provided the size of such representation shall not exceed 33 centimetres by 20 centimetres with a margin of 4 cm on the left hand side.

27. Additional representations.— (1) Every application for the registration of a geographical indication shall, except as hereinafter provided, be made in triplicate and shall be accompanied by five additional representations of the geographical indication. The representations of the geographical indication on the application and each of its copies and the additional representations shall correspond exactly with one another. The additional representations shall in all cases be noted with the specification and class of goods for which registration is sought, the name and address of the applicant, together with the name and address of his agent, if any, the period of use, and such other particulars as required under sub-rule I to rule 32 by the Registrar and shall be signed by the applicant or his agent.

(2) Where an application contains a statement to the effect that the applicant wishes to claim combination of colours as a distinctive feature of the geographical indication, the application shall be accompanied with three reproduction of the geographical indication in black and white and five reproduction of the geographical indication in colour.

(3) (i) Where an application for the registration of a geographical indication consist of shape of goods or its packaging, the reproduction furnished shall consist of at least three different view of the geographical indication and a description by word of the geographical indication.

(ii) If the Registrar considers the different views and description of the geographical indication in sub-para (i) still does not sufficiently show the particulars of the shape of goods or its packaging he may call upon the applicant to furnish a specimen of the goods or packaging, as the case may be, as sold in respect of the geographical indication.

28. Representations to be durable and satisfactory.—(1) All representations in respect of a geographical indication shall be of a durable nature, and each additional representation required to be filed with an application for registration shall be mounted on a sheet of strong paper of the size of approx. 33 cm by 20 cm leaving a margin of not less than 4 centimetres on the left hand part of the sheet.

(2) If the Registrar is not satisfied with any representation of a geographical indication he may at any time require another representation satisfactory to him to be substituted before proceedings with the application.

29. Transliteration and translation.—(1) Where a geographical indication contains a word or words in characters other than Devnagari or Roman, there shall be endorsed on the application form and the additional representation thereof, a sufficient transliteration and translation to the satisfaction of the Registrar of each of such words, and every such endorsement shall state the language to which the word belongs and shall be signed by the applicant or his agent failing which the Registrar shall be under no obligation to take any action on the application.

(2) Where an application for a geographical indication or authorised user contains a word or words in a language other than Hindi or English, the Registrar may ask for an exact translation thereof together with the name of the language, and such translation and name, if he so requires, shall be endorsed and signed as aforesaid.

30. Name or description of goods on a Geographical Indication .-Where the name or description of any goods appears on a geographical indication, the Registrar may refuse to register such geographical indication

31. Deficiencies - Subject to sub rule (2) of rule 10 where an application for registration of a geographical indication does not satisfy requirements under section 11 or rule 23, the Registrar shall send notice thereof to the Applicants to remedy the deficiencies and if within one month from the date of receipt of the notice, the applicants fails to remedy any deficiency so notified by him the application may be treated as abandoned

PROCEDURE ON RECEIPT OF APPLICATION FOR REGISTRATION OF A GEOGRAPHICAL INDICATION

32(1). Content of application: Every application for the registration of a geographical indication shall be made in the prescribed forms and shall contain the following

- (1) a statement as to how the geographical indication serves to designate the goods as originating from the concerned territory of the country or region or locality in the country, as the case may be in respect of specific quality, reputation or other characteristics which are due exclusively or essentially to the geographical environment, with its inherent natural and human factors, and the production, processing or preparation of which takes place in such territory, region or locality as the case may be ,
- (2) the class of goods to which the geographical indication relates shall apply,
- (3) the geographical map of the territory of the country or region or locality in the country in which the goods are produced or originate or are being manufactured,
- (4) the particulars regarding the appearance of the geographical indication as to whether it is comprised of the words or figurative elements or both,
- (5) A statement containing such particulars of the producers of the concerned goods proposed to be initially registered. The statement may contain such other particulars of the producers mentioned in section 11(2)(f) including a collective reference to all the producers of the goods in respect of which the application is made
- (6) the statement contained in the application shall also include the following
 - a) an affidavit as to how the applicant claim to represent the interest of the association of persons or producers or any organization or authority established by or under any law ,
 - b) The standards benchmark for the use of the geographical indication or the industry standard as regards the production, exploitation, making or manufacture of the goods having specific quality reputation, or other characteristic of such goods that is essentially attributable to its geographical origin with the detailed description of the human creativity involved, if any or other characteristic from the definite territory of the country, region or locality in the country, as the case may be,
 - c) the particulars of the mechanism to ensure that the standards, quality, integrity and consistency or other special characteristic in respect of the goods to which the geographical indication relates which are maintained by the producers, maker or manufacturers of the goods, as the case may be,
 - d) three certified copies of the map of the territory, region or locality showing the title, name of publisher and date of issue along with the application,
 - e) the particulars of special human skill involved or the uniqueness of the geographical environment or other inherent characteristics associated with the geographical indication to which the application relates,
 - f) the full name and address of the association of persons or organisation or authority representing the interest of the producers of the concerned goods,
 - g)particulars of the inspection structure, if any, to regulate the use of the

definite territory region or locality mentioned in the application,
 (h)where the geographical indication is a homonymous indication to an already registered geographical indication, the material factors differentiating the application from the registered geographical indications and particulars of protective measures adopted by the applicant to ensure consumers of such goods are not confused or misled or confused in consequence of such registration,

(2). Acknowledgement of receipt of applications.- Every application for the registration of a geographical indication in respect of any goods shall, on receipt, be acknowledged by the Registrar. The acknowledgement shall be by way of return of one of the additional representations of the geographical indication filed by the applicant along with his application with the official number of the application duly entered thereon

33 Examination of application -Upon receipt of an application, the Registrar shall examine the application and the accompanying Statement of Case as required under rule 32(1) as to whether it meets the requirements of the Act and the Rules and for this purpose, he shall ordinarily constitute a Consultative Group of not more than seven representatives chaired by him from organization or authority or persons well versed in the varied intricacies of this law or field to ascertain the correctness of the particulars furnished in the Statement of Case referred to in rule 32(1) which shall ordinarily be finalised within three months from the date of constitution of the Consultative Group. Thereupon, the Registrar shall issue a Examination Report on the application to the applicant

34 (1) Objection to acceptance-Hearing.-If, on consideration of the application on merits and of any evidence of use or of a given quality, reputation or other characteristic of such goods that are essentially attributable to its geographical origin or of any other matter relevant which the applicant may be required to furnish, the Registrar has any objection to the acceptance of the application or proposes to accept it subject to such conditions, amendments, modifications or limitations as he may think right to impose, the Registrar shall communicate such objection or proposal in writing to the applicant

(2) If within two months from the date of communication mentioned in sub-rule (1), the applicant does not amend his application according to the proposal aforesaid, or submit his observations to the Registrar or apply for a hearing or fails to attend the hearing, as the case may be, the application shall be dismissed

35. Decision of Registrar.- (1) The decision of the Registrar under rule 34 or rule 37 after a hearing or without a hearing if the applicant has duly communicated his observations in writing and has stated that he does not desire to be heard, shall be communicated to the applicant in writing and if the applicant intends to appeal from such decision he may within one month from the date of receipt of such communication request the Registrar to state in writing the grounds of, and the materials used by him in arriving at his decision

(2) In a case where the Registrar makes any requirements to which the applicant does not object the applicant shall comply therewith before the Registrar issues a statement in writing under sub-rule (1)

(3) The date when the statement in writing under sub-rule (1) is sent shall be deemed to be the date of the Registrar's decision for the purpose of appeal

36. Correction and amendment of application.-An applicant for registration of a geographical indication may, whether before or after acceptance of his application but before the registration of the geographical indication, apply on **Form GI-5** accompanied by the prescribed fee for the correction of any error in or in connection with his application or any amendment of his application provided such proposed amendment does not relates to amendment of the geographical indication or amendment in the description of goods or to the definite, territory, region or locality, as the case may be, that would have the effect of substantially altering or substituting the original application

37 Withdrawal of acceptance by the Registrar.- (1) If, after the acceptance of an application but before the registration of the geographical indication, the Registrar has any objection to the acceptance of the application on the ground that it was accepted in error, or that the geographical indication ought not to have been accepted in the circumstances of the case, or proposes that the geographical indication should

be registered only subject to conditions or limitations, or to conditions additional to or different from the conditions or limitations subject to which the application has been accepted, the Registrar shall communicate such objection in writing to the applicant.

(2) Unless within thirty days from the date of the communication mentioned in sub-rule (1) the applicant amends his application to comply with the requirements of the Registrar or applies for a hearing, the acceptance of the application shall be deemed to be withdrawn by the Registrar, and the application shall proceed as if it had not been accepted.

(3) Where the applicant intimates the Registrar within the period mentioned in sub-rule (2) that he desires to be heard, the Registrar shall give notice to the applicant of a date when he will hear him. Such appointment shall be for a date at least 15 days after the date of the notice, unless the applicant consents to a shorter notice. The applicant may state that he does not desire to be heard and submit such submissions as he may consider desirable.

(4) The Registrar may, after hearing the applicant and on considering the submissions, if any, of the applicant pass such orders as he may deem fit.

ADVERTISEMENT OF APPLICATION

38. Manner of Advertisement.- (1) An application for the registration of a geographical indication required or permitted to be advertised by sub-section (1) of section 13 or to be re-advertised by sub-clause (2) of that section shall be ordinarily advertised in the Journal within three months of the acceptance of an application for advertisement.

(2) The Registrar may after notification in the Journal put the published Geographical Indications Journal on the internet, website or any other electronic media.

(3) The Registrar may after notification in the Journal make available the Geographical Indications Journal in CD-ROM on payment of the cost thereof.

39. Notification of correction or amendment of application.- In the case of an application to which Para (b) of sub-section (2) of section 13 applies, the Registrar may if he so decides, instead of causing the application to be advertised again, insert in the Journal a notification setting out the number of the application, the class in which it was made, the name and address of the principal place of business in India, if any, of the applicant or where the applicant has no principal place of business in India his address for service in India, the number of the Journal in which it was advertised and the correction or amendment made in the application.

40. Request to Registrar for particulars of advertisement of a Geographical Indication .-Any person may request the Registrar on Form GI-7 to be informed of the number, date and page of the Journal in which a geographical indication specified in the form was advertised and the Registrar shall furnish such particulars to the person making the request.

OPPOSITION TO REGISTRATION

41 (1). Notice of Opposition.-A notice of opposition to the registration of a geographical indication under sub-section (1) of section 14 or an authorised user under section 17(3)(e) shall be given in triplicate on Form GI-2 within three months or within such further period not exceeding one month in the aggregate from the date when such Journal was made available to the public (which date shall be certified as such by the Registrar) as the case may be, of the application for registration in the Journal. The notice shall include a statement of the grounds upon which the opponents objects to the registration of the geographical indication or of the authorised user, as the case may be.

(2) Where a Notice of Opposition is filed in respect of single application for the registration of a geographical indication it shall bear the fee in respect of each class in relation to which the opposition is filed

(3) Where an opposition is filed only for a particular class or classes in respect of a single application made under sub-section (3) of section 11, the application shall not proceed to registration until a request in Form GI-5 for division of the application together with the divisional fee is made by the applicant.

(4) Where in respect of a single application for the registration of a geographical indication no notice of opposition is filed in any class or classes, the application in respect of such class or classes shall proceed to registration after the division of the application in the class or classes in respect of which an opposition is pending.

(5) An application for an extension of the period within which a notice of opposition to the registration of a geographical indication or an authorised user may be given under sub-section(1) of section 14, shall be made on Form GI-2 accompanied by the prescribed fee before the expiry of the period of three months under sub-section (1) of section 14

(6) A copy of notice of opposition shall be ordinarily served by the Registrar to the applicants within two months of the receipt of the same by the appropriate office.

42. Verification of Notice of Opposition

(1) The notice of opposition shall be verified by the opponent.

(2) The verification shall specifically state by reference to the numbered paragraphs of the notice of opposition, what is verified of his own knowledge and what is verified upon information received and believed to be true.

(3) The verification shall be signed by the person making it and shall state the date and the place at which it was signed

43. Counterstatement.- (1) The counter-statement required by sub-section (2) of section 14 shall be sent in triplicate on Form GI-2 within two months from the receipt by the applicant of the copy of the notice of opposition from the Registrar and shall set out what facts, if any, alleged in the notice of opposition, are admitted by the applicant. A copy of the counter-statement shall be served by the Registrar on the person giving notice of opposition ordinarily within two month from the date of receipt of the same

(2) The counterstatement shall be verified in the same manner as the notice of opposition as stated in rule 42.

44. Evidence in support of opposition by the opponents.- (1) Within two months from services on him of a copy of the counterstatement or within such further period not exceeding one month in the aggregate thereafter as the Registrar may on request allow, the opponent shall either leave with the Registrar such evidence by way of affidavit as he may desire to adduce in support of his opposition or shall intimate to the Registrar and to the applicant in writing that he does not desire to adduce evidence in support of his opposition but intends to rely on the facts stated in the notice of opposition. He shall deliver to the applicant copies of any evidence that he leaves with the Registrar under this sub-rule and intimate the Registrar forthwith in writing of such delivery.

(2) If an opponent takes no action under sub-rule (1) within the time mentioned therein, he shall be deemed to have abandoned his opposition.

(3) An application for the extension of the period of one month mentioned in sub-rule (1) shall be made in Form GI-9 accompanied by prescribed fees before the expiry of the period of two months mentioned therein.

45. Evidence in support of application by the applicant.-(1) Within two months or within such further period not exceeding one months thereafter in the aggregate as the Registrar may on request allow, on the receipt by the applicant of the copies of affidavits in support of opposition or of the intimation that the opponent does not desire to adduce any evidence in support of his opposition, the applicant shall leave with the Registrar such evidence by way of affidavit as he desires to adduce in support of his application and shall deliver to the opponent copies thereof or shall intimate to the Registrar and the opponent that he does not desire to adduce any evidence but intends to rely on the facts stated in the counterstatement and or on

the evidence already left by him in connection with the application in question. In case the applicant relies on any evidence already left by him in connection with the application, he shall deliver to the opponent copies thereof.

(2) An application for the extension of the period of one month mentioned in sub-rule (1) shall be made in Form GI-9 accompanied by prescribed fees before the expiry of the period of two months mentioned therein.

46. Evidence in reply by opponent.— Within one month from the receipt by the opponent of the copies of the applicant's affidavit or within such further period not exceeding one month in the aggregate thereafter as the Registrar may on request on Form-GI 9 accompanied by the prescribed fee allow, the opponent may leave with the Registrar evidence by affidavit in reply and shall deliver to the applicant copies thereof. This evidence shall be confined to matters strictly in reply.

47. Further evidence.— No further evidence shall be left on either side, but in any proceedings before the Registrar, he may at any time, if he thinks fit, give leave to either the applicant or the opponent to leave any evidence upon such terms as to costs or otherwise as he may think fit.

48. Exhibits.— Where there are exhibits to affidavits filed in an opposition, a copy of the exhibit or impression of each exhibit shall be sent to the other party on his request and at his expense, or, if such copies or impression cannot conveniently be furnished, the original shall be left at the Registry in order that they may be open to inspection. The original exhibits shall be produced at the hearing unless the Registrar otherwise directs.

49. Translation of documents.— Where a document in a language other than Hindi or English is referred to in the notice of opposition or any other proceedings before the Registrar, counter-statement or an affidavit filed in an opposition, an attested translation thereof in English or Hindi shall be furnished in duplicate.

50. Hearing and decision.—(1) Upon completion of the evidence (if any), the Registrar shall give notice to the parties of a date when he will hear the arguments in the case. Such notice shall be ordinarily given within three months of completion of the evidence. The date of hearing shall be for a date at least one month after the date of the first notice, unless the parties consent to a shorter notice. Within fourteen days from the receipt of the first notice, any party who intends to appear shall so notify the Registrar. Any party who does not so notify the Registrar within the time last aforesaid shall be treated as not desiring to be heard and the Registrar shall proceed ex parte in the matter.

(2) If sufficient cause is shown not more than two requests for adjournment for one month each by either the opponent or the applicant to the proceeding may be considered by the Registrar on a request in Form GI-9 accompanied with the grounds for such request.

(3) If the applicant is not present at the adjourned date of hearing and has not notified his intention to appear at the hearing, the Registrar may treat the application as dismissed.

(4) If the opponent is not present at the adjourned date of hearing and has not notified his intention to appear at the hearing, the Registrar may treat the opposition as dismissed for want of prosecution and the application may proceed to registration.

(5) In every case of adjournment the Registrar shall fix a day for further hearing of the case and shall make such order as to cost occasioned by the adjournment or such higher costs as the Registrar deems fit.

(6) The fact that the agent or advocate on record of a party is engaged in another court, shall not be a ground for adjournment.

(7) Where illness of an advocate on record or agent or his inability to conduct the case for any reason is put forward as a ground for adjournment, the Tribunal shall not grant the adjournment unless it is satisfied that the advocate on record or agent, as the case may be, could not have engaged another agent or advocate in time.

(8) The Registrar shall take on record written arguments if submitted by a party to the proceeding.

(9) The Registrar shall have powers to limit time for oral arguments.

(10) The decision of the Registrar shall be notified to the parties in writing.

51. Security for costs.—The security for costs which the Registrar may require under sub-section (6) of section 14 may be fixed at any amount which he may consider proper, and such amount may be further enhanced by him at any stage in the opposition or other proceedings

NOTICE OF NON-COMPLETION OF REGISTRATION

52. Procedure for giving notice.— The notice which the Registrar is required by sub-section(3) of section 16 to give to an applicant, shall be sent on **Form -O1** to the applicant at the address of his principal place of business in India or if he has no principal place of business in India at the address for service in India as stated in the application but if the applicant has authorised an agent for the purpose of the application, the notice shall be sent to the agent and a duplicate thereof to the applicant. The notice shall specify twenty one days time from the date thereof or such further time as the Registrar may allow on a request made in the prescribed **Form GI-9** for completion of the registration

REGISTRATION

53. Entry in the Register.—(1) Where no Notice of Opposition is filed to an application for the registration of a geographical indication advertised or re-advertised in the Journal within the period specified in sub-section (1) of section 14 or where an opposition is filed and it is dismissed and the appeal period is over, the Registrar shall, subject to the provisions of sub-section (1) of section 16 enter the geographical indication in Part A of the register on receipt of a request

(2) The entry of a geographical indication in the register shall specify the date of filing of application, the actual date of the registration, the goods and the class in respect of which it is registered, and all particulars required by sub-section (1) of section 6 including –

(a) the name and description of the applicant, the address of the principal place of business in India, if any, of the proprietor of the geographical indication or in the case of an association of persons of such of the association of persons as have a principal place of business in India.

(b) where the proprietor of the geographical indication has no place of business in India his address for service in India as entered in the application for registration together with his address in his home country.

(c) in the case of an association of persons or producers, where none of the association of persons or producers has a principal place of business in India, the address for service in India as given in the application together with the address of each of the association of persons or producers in his home country.

(d) particulars of the trade, business, profession, occupation or other description of the proprietor or of the association of persons or producers of the geographical indication as entered in the application for registration;

(e) particulars affecting the scope of the registration or the rights conferred by the registration;

(f) The priority date ,if any, to be accorded pursuant to claim to a right of a convention application made under section 84;

(g) A summary of the particulars furnished under rule 32 as finally accepted by the Registrar; and;

(h)the appropriate office of the Geographical Indications Registry in relation to the Geographical Indication.

54. Death of applicant before registration.— In case of death of any applicant for the registration of a geographical indication after the date of his application and before the geographical indication has been entered in the register, the Registrar may, on proof of the applicant's death and on proof of the transmission of the interest of the deceased person, substitute in the application his successor in interest in place of the name of such deceased applicant and the application may proceed thereafter as so amended.

55. Certificate of registration.— (1) The certificate of registration of a geographical indication or an authorised user to be issued by the Registrar under sub-section (2) of section 16 shall be on **Form-O2**,

with such modification as the circumstances of a case may require, and the Registrar shall annex a copy of the geographical indication or authorised user to the certificate

(2) The Registrar may issue a duplicate or further copies of the certificate of registration of a geographical indication on request by the registered proprietor on **Form GI-7** accompanied by the prescribed fee. An unmounted representation of the geographical indication exactly as shown in the form of application for registration thereof at the time of registration shall accompany such request.

(3) The certificate of registration referred to in sub-rule (1) shall not be used in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

CHAPTER III AUTHORISED USER

56. Authorised User. —(1) An application to the Registrar for the registration under Section 17 by a producer as an authorised user of the registered geographical indication shall be made jointly by the registered proprietor and the proposed authorised user in **Form GI-3** and shall be accompanied by a Statement of Case of how he claims to be the producer of the registered geographical indication along with an affidavit

(2). A copy of the letter of consent from the registered proprietor of the geographical indication may accompany the application and where such consent letter is not furnished, a copy of the application shall be endorsed to the registered proprietor for information and the Registrar shall be intimated of due service by the proposed authorised user.

57. Upon receipt of an application for the registration as an authorised user in respect of a registered geographical indication, the Registrar shall cause it to be examined and shall issue a report.

58. Thereupon, the provision of Rule 34 to 52, and 54 and 55 shall apply *mutatis mutandis* to further proceedings in respect of an application for the registration of an authorised user of a registered geographical indication

59. Registration of an authorised user entry in the Register.—(1) Where no notice of opposition is filed to an application advertised or re-advertised in the Journal within the period specified under sub-clause (e) of sub-section (3) of Section 17 or where an opposition is filed and it is dismissed and the appeal period is over, the Registrar shall enter the authorised user in Part B of the register on receipt of a request for issuance of the registration certificate in **Form GI-3** together with the prescribed fee.

(2) The entry of an authorised user in the register shall specify the date of filing of application for registration as an authorised user, the actual date of the registration, the goods and class or classes in respect of which it is registered, and all particulars required by sub-section (1) of section 6 including:-

- (a)The address of the principal place of business in India, if any, of the registered proprietor of the geographical indication ,
- (b)Particulars of the geographical indication registered including the specification of goods and the class in which it is registered.
- (c)The address of the principal place of business in India, if any, of the authorised user.
- (d)Where the authorised user of a registered geographical indication has no place of business in India his address for service in India as entered in the application for registration together with his address in his home country.
- (e)Particulars of the trade, business, profession, occupation, dealership or other description of the authorised user of the geographical indication as entered in the application for registration.
- (f)The priority date, if any, to be accorded pursuant to a convention application made under section 84 and;
- (g)The appropriate office of Geographical Indications Registry in relation to the geographical indication .

(3) The Registrar may issue a duplicate or further copies of the certificate of registration as an authorised user on a request in **Form GI-7** accompanied by prescribed fee. An unmounted representation of the of

the geographical indication exactly as shown in the form of application for registration thereof at the time of registration shall accompany such request.

CHAPTER IV RENEWAL OF REGISTRATION AND RESTORATION

60. Renewal of registration.—(1) An application for the renewal of the registration of a geographical Indication or an authorised user of a registered geographical indication shall be made on **Form GI-4** or **Form GI-3** as the case may be and may be made at any time not more than six months before the expiration of the last registration of the Geographical Indication or the authorised user.

(2) Such application for renewal must be filed by the person who is the proprietor of the registered geographical indication failing which by any of the authorised users on record, as the case may be.

(3) If the proprietor, as set forth in the application for renewal is not the same person or the same legal entity as the registrant shown in the registration, continuity of title from the registrant to the present owner must be shown in the first instance.

(4) The Registrar may accept an application for renewal from the managing trustee, executors, administrators and the like, when supported by court order or other evidence of such persons authority to act on behalf of the present proprietor.

(5) For the removal of doubt, it is clarified that where the registered proprietor of the geographical indication has ceased to exist, the renewal of the registered geographical indication shall be effected by any of the authorised users of the registered geographical indication acting collectively whose name has been entered in Part B of the register on the due date of renewal.

(6) Before issuing a renewal certificate, the Registrar may call upon the registered proprietor to file an affidavit concerning the use of the registered geographical indication in India where he has reasons to believe that the registered geographical indication may not be in use in the market.

61. Notice before removal of Geographical Indication or authorised user from register.—(1) At a date not less than one month and not more than three months before the expiration of the last registration of a geographical indication or authorised user, as the case may be, if no application on **Form GI-4** or **Form GI-3** as the case may be, for renewal of the registration of a geographical indication or of an authorised user together with the prescribed fee has been received, the Registrar shall notify the registered proprietor or the authorised user, as the case may be, or in the case of an association of persons or producers of a registered geographical indication each of the association of persons, producers registered as registered proprietors or the person authorised to act on their behalf, if any, in writing on **Form O3 or O5**, as the case may be, of the approaching expiration at the address of their respective principal places of business in India as entered in the register or where such registered proprietor or authorised user has no principal place of business in India at his address for service in India entered in the Register.

(2) Where, in the case of a geographical indication or authorised user the registration of which (by reference to the date of application for registration) becomes due for renewal, the geographical indication or authorised user is registered at any time within six months before the date on which renewal is due, the registration may be renewed by the payment of the renewal fee within six months after the actual date of registration and where the renewal fee is not paid within that period the Registrar shall subject to rule 63, remove the geographical indication or authorised user from the register.

(3) Where, in the case of a geographical indication or authorised user the registration of which (by reference to the date of application for registration) becomes due for renewal, the geographical indication or authorised user is registered after the date of renewal, the registration may be renewed by the payment of the renewal fee within six months of the actual date of registration and where the renewal fee is not paid within that period the Registrar shall, subject to rule 63, remove the geographical indication or authorised user from the register.

62. Advertisement of removal of geographical indication or the authorised user from the register.—If at the expiration of last registration of a geographical indication or an authorised user, the renewal fees has not been paid, the Registrar may remove the geographical indication or the authorised user, as the case may be, from the register and advertise the fact forthwith in the Journal.

Provided the Registrar shall not remove the geographical indication or the authorised user from the Register if an application is made in **Form GI-4** within six months from the expiration of the last registration of the geographical indication or the authorised user accompanied by prescribed fees and appropriate surcharge.

63. Restoration and renewal of registration.- An application for the restoration of a geographical indication or authorised user to the register and renewal of its registration under sub-section (5) of section 18, shall be made in **Form GI-4** after six months and within one year from the expiration of the last registration of the geographical indication or the authorised user as the case may be, accompanied by the prescribed fee. The Registrar shall, while considering the request for registration, have regard to the interest of the persons who have either applied or registered identical or deceptively similar geographical indication or other affected persons in the intervening period.

64. Notice and advertisement of renewal and restoration.- Upon the renewal or restoration and renewal of registration, a notice to that effect shall be sent to the registered proprietor or the concerned authorised user and the said renewal or restoration and renewal shall be advertised in the Journal

CHAPTER V

RECTIFICATION AND CORRECTION OF REGISTER

ALTERATION OR RECTIFICATION OF REGISTER

65 Application to rectify or remove a geographical indication from the register.- An application to the Registrar under Section 27 for the cancelling, expunging or varying of any entry relating to a geographical indication or of the Statement of Case referred to under rule 32(1) recorded in the Register of Geographical Indication or an authorised user in the register shall be made in triplicate on **Form GI-6** or **Form GI-5**, as the case may be, shall be accompanied by a statement in triplicate setting out fully the nature of the applicant's interest, the facts upon which he bases his case and the relief which he seeks. Where the application is made by a person who is not the registered proprietor of the geographical indication in question, the application and the statement aforesaid shall be left at the Geographical Indications Registry in triplicate. In case there are authorised users, such application and statements shall be accompanied by as many copies thereof as there are authorised users on the register or alternatively furnish proof of publication in leading national newspapers circulated widely in the definite territory, region or locality to which the geographical indication relates notifying to the general public of proposed application for rectification or removal with full particulars thereof. A copy each of the application and statement shall be transmitted within two months by the Registrar to the registered proprietor and to any other person who appears from the register to have an interest in the geographical indication or makes a request for the same. The application shall be verified in the manner prescribed under Rule 42 for verification of notice of opposition.

66. Further procedure.- Within two months or within such further period not exceeding two months in the aggregate from the receipt by a registered proprietor of the copy of the application mentioned in rule 65 from the Registrar, he shall send to the Registrar and to the person making the application on **Form GI-2** a counterstatement in triplicate of the grounds on which the application is contested. The Registrar shall serve a copy of the counterstatement on the person making the application within one month of the receipt of the same. The provisions of rules 44 to 51 shall thereafter apply *mutatis mutandis* to the further proceedings on the application. The Registrar shall not, however, rectify the register or remove the geographical indication or any authorised user from the register merely because the registered proprietor or the authorised user has not filed a counterstatement unless he is satisfied that the delay in filing the counterstatement is wilful and is not justified by the circumstance of the case. In any case of doubt any party may apply to the Registrar for directions.

67. Intervention by third parties. - Any person alleging interest in a registered geographical indication in respect of which an application is made under rule 65 may apply on **Form GI-6** for leave to intervene, stating the nature of his interest, and the Registrar may refuse or grant such leave after hearing if so

required the parties concerned, upon such terms and conditions including undertakings or conditions as to security for cost as he may deem fit to impose.

68. Rectification of the register by the Registrar of his own motion.—(1) The notice, which the Registrar is required to give under sub-section (4) of section 27 shall be sent in writing to the registered proprietor and to any other person who appears from the register to have any interest in the registered geographical indication, and shall state the grounds on which the Registrar proposes to rectify the register and shall also specify the time, not being less than one month from the date of such notice, within which an application for a hearing shall be made.

(2) Unless within the time specified in the notice aforesaid, any person so notified sends to the Registrar a statement in writing setting out fully the facts upon which he relies to meet the grounds stated in the notice or applies for a hearing, he may be treated as not desiring to take part in the proceedings and the Registrar may act accordingly.

(3) If the Registrar decides to rectify the register he shall communicate his decision in writing.

ALTERATION OF ADDRESS

69. Alteration of address in register.—(1) A registered proprietor or an authorised user of a geographical indication the address of whose principal place of business in India or whose address in his home country, as the case may be, is changed so that the entry in the register is rendered incorrect shall forthwith request the Registrar on Form GI-5 to make the appropriate alteration of the address in the register, and the Registrar shall alter the register accordingly if he is satisfied in the matter.

(2) A registered proprietor or an authorised user of a geographical indication, whose address for service in India entered in the register is changed, whether by discontinuance of the entered address or otherwise, so that the entry in the register is rendered incorrect, shall forthwith request the Registrar on Form GI-5 to make the appropriate alteration of the address in the Register, and the Registrar shall alter the register accordingly if he is satisfied in the matter.

(3) A registered proprietor or an authorised user of a geographical indication the address of whose principal place of business in India or whose address for service in India is altered by a public authority, so that the changed address designates the same premises as entered in the register, may make the aforesaid request to the Registrar on Form GI-5 and if he does so he shall leave therewith a certificate of the alteration given by the said authority. If the Registrar is satisfied as to the facts of the case, he shall alter the register accordingly but shall not require any fees to be paid on the forms, notwithstanding the provisions of sub-rule (2) of rule 10 or sub-rule (2) of rule 11.

(4) (i) Where a registered proprietor makes a request under sub-rule (1), (2) or (3), he shall serve a copy of the request on the authorised user or users, if any, and inform the Registrar accordingly.

(ii) where the request aforesaid is made by an authorised user, he shall serve a copy thereof on the registered proprietor and other authorised users, if any or alternatively issue a public notice in at least two leading local newspapers circulated widely in the definite territory, region or locality to which geographical indication relates or issue a public notice in at least two leading local newspapers and inform the Registrar that he had done so.

(5) In case of the alteration of the address of a person entered in the register as the address for service in India of more than one registered proprietor or authorised users of Geographical Indications, the Registrar may, on proof that the said address is the address of the applicant and if satisfied that it is just to do so, accept an application from that person on Form GI-5 amended so as to suit the case, for the appropriate alteration of the entries of his address as the address for service in the several registrations, particulars of which shall be given in the form and may alter the entries accordingly.

(6) All applications under this rule shall be signed by the registered proprietor or the authorised user, as the case may be, or by an agent expressly authorised by him for the purpose of such an application, unless in exceptional circumstances the Registrar otherwise allows.

CORRECTION OF REGISTER

70. Application under Section 28.—Where an application has been made under Sub-section (1) of section 28 for the alteration of the register by correction, change, cancellation or striking out of goods or for the

entry of a memorandum in the register, the Registrar may require the applicant to furnish such evidence by affidavit or otherwise as the Registrar may think fit, as to the circumstances in which the application is made. Such application shall be made on Form GI-5 as may be appropriate and a copy thereof shall be served by the applicant on the authorised user or users, if any or issue a public notice in at least two leading local newspapers under the registration of the geographical indication in question and to any other person who appears from the register to have an interest in the geographical indication and inform the Registrar he has done so.

71. Alteration of registered Geographical Indication .- Where the registered proprietor of a geographical indication applies under section 29 for leave to add to or alter the registered geographical indication , he shall make the application in writing on Form GI-9 and shall furnish five copies of the geographical indication as it will appear when so added to or altered. A copy of the application and of the geographical indication so amended or altered shall be served by the applicant on every authorised users on the record or issue a public notice in at least two leading local newspapers and inform the Registrar he has done so.

72. Advertisement before decision and opposition etc .-(1)The Registrar shall consider the application and shall, advertise the application in the Journal before deciding it.

(2) Within three months from the date of advertisement under sub-rule (1), or within such period not exceeding one month in the aggregate any person may give notice of opposition to the application on Form GI-2 and may also send therewith a statement of his objections. The notice and the statement, if any, shall be sent in triplicate. In case there are any authorised users under the registration of the geographical indication in question, such notice and statement may also be accompanied by as many copies thereof as there are authorised users. A copy each of the notice and statement shall be transmitted by the person giving notice to registered proprietor and authorised user if any or alternatively issue a public notice in al least two leading local newspapers circulated widely in the definite territory, region or locality to which the geographical indication relates. The Registrar shall forward within two months a copy of the notice and statement to the registered proprietor and within two months from the receipt by the registered proprietor of such copies from the Registrar, he shall send to the Registrar on Form GI-2 a counter-statement in triplicate of the grounds on which the opposition is contested. If the registered proprietor sends such a counter-statement the Registrar shall serve a copy thereof on the person giving notice of opposition within one month and the provisions of rules 44 to 51 shall thereafter apply *mutatis mutandis* to the further proceedings on the opposition. The Registrar shall not refuse the application merely because the registered proprietor has not filed a counterstatement unless he is satisfied that the delay in filing the counterstatement is wilful and is not justified by the circumstance of the case . In any case of doubt any party may apply to the Registrar for directions

(3) If there is no opposition, within the time specified in sub-rule(2), the Registrar shall, after hearing the applicant if he so desires allow or refuse the application and shall communicate his decision in writing to the applicant

73. Decision - Advertisement – Notification.-If the Registrar decides to allow the application he shall alter the geographical indication in the register accordingly and insert in the Journal a notification that the geographical indication has been altered. If the application has not been advertised under rule 71, he shall also advertise in the Journal the geographical indications as altered

CHAPTER VI

Special Provisions relating to Trade Marks

74(1). Refusal or Invalidation of Registration of Trade Marks.- Where the Registrar of Trade Marks on his own motion decides to refuse the registration of a trade mark or invalidate a registered trade mark pursuant to sub-section (a) of Section 25 of the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999, he shall in writing notify the applicants or the registered proprietor of the trade mark , as the case may be, stating the reason for the same Thereafter, the Registrar shall decide the matter after

giving the applicant or the registered proprietor of the trade mark, as the case may be, an opportunity of being heard

(2). A request under sub-section (a) of section 25 to refuse a trade mark or invalidate a registered trade mark which contains or consists of a geographical indication not originating in the territory of a country, or a region, or locality in that territory which such geographical indication indicates , which is likely to cause confusion or mislead persons as to the true place of origin of such goods or class or classes of goods shall be made in the prescribed form under the **Trade Marks Rules, 2002**. Thereafter, in case of a request for refusal the Registrar of Trade Marks shall forward the same to the applicant and provide an opportunity of being heard to the applicant In case of a request for invalidation, the Registrar of Trade Marks shall forward the request to the registered proprietor and the procedure set out in Rule 93 of the **Trade Marks Rules, 2002** shall apply *mutatis mutandis* to further proceedings on the matter

75(1). Refusal or Invalidation of Registered Trade Mark Conflicting with a geographical indication notified under Section 22(2).- Where the Registrar of Trade Marks on his own motion decides to refuse an application or invalidate the registration of a trade mark pursuant to sub-section (b) of Section 25 of the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999, he shall notify in writing to the applicant or the registered proprietor of the trade mark, as the case may be, stating the reasons for the same. Thereafter, the Registrar shall decide the matter after giving the applicant or the registered proprietor of the trade mark, as the case may be, an opportunity of being heard

(2). Refusal or invalidation under Section 25(b) of notified geographical indications .-A request under sub-section (b) of section 25 to refuse an application for the registration of a trade mark or invalidate a registered trademark which conflict with or which contains or consists of a geographical indication identifying goods or class or classes of goods notified under sub-section (2) of section 22 shall be made in the prescribed form under the **Trade Marks Rules, 2002**. Thereafter, in case of request for refusal, the Registrar of Trade Marks shall forward the same to the applicant and provide an opportunity of being heard to the applicant In case of request for invalidation , the Registrar of Trade Mark shall forward the request to the registered proprietor and the procedure set out in Rule 93 of the **Trade Marks Rules, 2002** shall apply *mutatis mutandis* to further proceedings on the matter

76(1). Publication of refusal or invalidation of Geographical indications.- The Registrar of Trade Marks shall record and publish a reference to the refusal or the invalidation of the registration of a trade mark pursuant to section 25 of the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 and forwarded a copy of the publication to the Registrar of Geographical Indications

(2). The publication of the reference to the refusal or the invalidation of the registration of a trademark pursuant to section 25 of the Geographical Indication of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 shall include --

- (a) the representation of the mark,
- (b) the application or registration number of the trade mark, as the case may be,
- (c) the name and address of the applicant or the registered proprietor, as the case may be,
- (d) the date of application or the date of registration in the case of a registered trade mark, as the case may be,
- (e) the list of goods or class of goods in respect of which the trade mark was applied for or was registered, and
- (f) a summary of the ground on which the application for registration of a trade mark had been refused or the registration of the registered trade mark was invalidated

CHAPTER VII

PROCEDURE RELATING TO ADDITIONAL PROTECTION TO CERTAIN GOODS UNDER SECTION 22(2) OF GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

77. Additional protection to certain goods.- An application may be made to the Registrar in respect of goods notified by the Central Government under sub-section (2) of section 22 for additional protection for a registered geographical indications in Form GI-9 accompanied by prescribed fee in triplicate along with a Statement of Case. Such case shall be furnished in triplicate and shall be accompanied with the copy of the notification issued.

78. The application shall be made jointly by the registered proprietor of the geographical indication in India and by all the producers of the geographical indication whose name has been entered in the register as authorised user in Part B.

79. Consideration by the Registrar.- The Registrar on receipt of the application for additional protection for such goods in respect of a registered geographical indication in India shall examine whether there are measurable attributes to the particular geographical indication in relation to the goods or classes of goods in question with special regard to the reputation of the goods or classes of goods on a global scale, which requires the additional protection envisaged under sub-section (2) of section 22 be conferred against usurpation or imitation of the geographical indication even where the true origin of the goods or classes of goods is indicated or if the registered geographical indication is used in translated form or is accompanied by terms such as "kind", "type", "style", "imitation" or other like expressions.

80(1). Hearing before refusing an application.- If on consideration of the application or any other matter which the applicant may or may be required to furnish, the Registrar has any objections to the acceptance of the application or proposes to accept it subject to such conditions, as he may think right to impose, the Registrar shall communicate such objections or proposals in writing to the applicant.

(2). The decision of the Registrar under sub-rule(1) after a hearing or without a hearing if the applicant has duly communicated his observations in writing and has stated that he does not desire to be heard shall be communicated to the applicant in writing and if the applicant intends to appeal from such decisions, he may within two months from the date of such communication request the Registrar requiring him to state in writing the grounds and the material used by him in arriving at his decision

81(1). Entry in the Register.- Where the Registrar decides to allow the geographical indication in respect of which additional protection is to be provided as envisaged under sub-section (2) of Section 22, he shall enter in the Register a summary of the grounds and the material used by him in arriving at his decision to accord additional protection to the notified goods in respect of the relevant geographical indication application

(2) The entry in Part A of the Register shall state the date on which the application for additional protection was made, the name, description and principal place of business in India of the registered proprietor and if they do not carry on business in India their address for service in India

CHAPTER VIII
MISCELLANEOUS

82(A) Single application.-(1) Where an application for the registration of a geographical indication for goods is made under sub-section (3) of section 11, the specification of goods contained in it shall set out the classes in consecutive numerical order beginning with the lowest number and list under each class the goods appropriate to that class

(2) If the specification of goods contained in the original application for the registration of a geographical indication lists by reference to a class or classes in the Fourth Schedule in which they do not fall, the Registrar shall require the applicant to divide the application on payment of a divisional fee in

Form GI – 5 to the class or classes to which the application relates together with such class fee as may be appropriate

(3) Applications filed under sub-section 3 of section 11 when ordered to be advertised shall be published in a separate section of the Geographical Indications Journal

(4) The Registrar shall issue a single certificate of registration in respect of an application made under sub-section 3 of section 11 which has proceeded to registration

(B) Divisional Application.-(1) Where an application is made in **Form GI-5** under proviso to section 15 for the division of a single application, such an application shall be divided into two or more separate applications upon the payment of a division fee and such class fees as are appropriate.

(2) At any time before registration an applicant may request the Registrar for a division of his application for registration (the original applications) into two or more separate applications (divisional applications), indicating for each division the specification of goods. The Registrar shall treat each divisional application as a separate application for registration with the same filing date as the original application.

(3) In the case of a request to divide some, but not all, of the goods in a class, a divisional fee for separate application to be created by division shall be submitted

(4) If the request to divide does not include necessary fee or is otherwise deficient, the Registrar will notify the applicant of deficiency. The applicant must correct any such deficiency within thirty days. If the applicant fails to correct the deficiency within the time provided, the request will be considered as abandoned and the application will be proceeded further without regard to the request

(5) Where a request to divide an application is received, the Registrar shall assign an additional separate new serial number or numbers, as the case may be, and it will be cross referenced with the original application. Such additional separate application or applications shall be assigned same filing date as the original application

(6) For the removal doubt, it is clarified that no new registration is effected when a single application is divided. On the contrary, application already filed are merely separated or divided into individual files

83. Extension of time.- (1) An application for extension of time under section 64 (not being a time expressly provided in the Act or a time for the extension of which provision is made in the rules) shall be made on **Form GI- 9**.

(2) Upon an application made under sub-rule (1) the Registrar, if satisfied that the circumstances are such as to justify the extension of the time applied for, may subject to the provisions of the rules where a maximum time limit is prescribed and subject to such conditions as he may think fit to impose, extend the time and notify the parties accordingly and the extension may be granted though the time for doing the act or taking the proceeding for which it is applied for has already expired.

84. Exercise of discretionary power of Registrar.- The time within which a person entitled under Section 61 to an opportunity of being heard shall exercise his option of requiring to be heard shall, save as otherwise expressly provided in the Act or the rules, be one month from the date of a notice which the Registrar shall give to such person before determining the matter with reference to which such person is entitled to be heard. If within that month such person is required to be heard, the Registrar shall appoint a date for the hearing and shall give 10 day's notice thereof.

85. Notification of decision.-The decision of the Registrar in the exercise of any discretionary power given to him by the Act or the rules shall be notified to the person affected.

86. Amendments and correction of irregularity in procedure.- (1) Any document, communication or other representation respecting a geographical indication or an authorised user may be amended and any irregularity in procedure which in the opinion of the Registrar, may be obviated without detriment to the interests of any person, may be corrected, if the Registrar thinks fit and proper on such terms as he may direct.

(2) The Registrar may require the amendment of any application or representation of a geographical indication or any other document or the addition of any matter thereto in order to bring it in accordance with the formal requirements of the Act

87. Directions not otherwise prescribed.- Where in the opinion of the Registrar, it is necessary for the proper prosecution or completion of any proceedings under the Act or rules for a person to perform an act, file a document or produce evidence, which is not provided for by the Act or the rules, the Registrar may by notice in writing require the person to perform the Act, file the document or produce the evidence, specified in the notice.

88. Hearings.- (1) Subject to sub-rule (2) of rule 4 in relation to a geographical indication for which an application for registration is made on or after the notified date, the application as well as any proceeding under the Act and the rules shall, in the event of a hearing becoming necessary, be heard at the appropriate office of the Geographical Indications Registry at which such application was made under sub-section (4) of section 11, or at such place within the territorial jurisdiction of that office as the Registrar may deem proper.

(2) Where an officer exercising the powers of the Registrar who has heard any matter under the Act or the Rules, has reserved orders therein, is transferred from one office of the Registry to another or reverts to another appointment before passing an order or rendering decision therein, he may, if the Registrar so directs, pass the order or render the decision as if he had continued to be the officer in the office of the Registry where the matter was heard.

AWARD OF COSTS BY REGISTRAR

Costs in uncontested cases

89. Where any opposition duly instituted under the rules is not contested by the applicant, the Registrar in deciding whether costs should be awarded to the opponent shall consider whether the proceedings might have been avoided if reasonable notice had been given by the opponent to the applicant before the notice of opposition was filed.

90. Exception to rule 89.-Notwithstanding anything in rule 89, costs in respect of fees specified under entries, 7, 8 and 9 of the First Schedule and of all stamps used on and affixed to affidavits used in the proceedings shall follow the event

91. Scale of costs.- Subject to the provisions of rules 89 and 90, in all proceedings before the Registrar the Registrar may, save as otherwise expressly provided by the Act, award such costs, not exceeding the amount admissible therefor, as he considers reasonable having regard to all the circumstances of the case

REVIEW OF DECISION BY REGISTRAR

92. Application for review of Registrar's decision.-An application to the Registrar for the review of his decision under clause (c) of section 60 shall be made on Form GI-7 within one month from the date of such decision or within such further period not exceeding one month thereafter as the Registrar may on request allow, and shall be accompanied by a statement setting forth the grounds on which the review is sought. Where the decision in question concerns any other person in addition to the applicant, such application and statement shall be left in triplicate and the Registrar shall forthwith transmit a copy each of the application and statement to the other person concerned. The Registrar may, after giving the parties an opportunity of being heard, reject or grant the application, either unconditionally or subject to any conditions or limitations, as he thinks fit.

AFFIDAVITS

93. Form, etc. of Affidavits.—(1) The Affidavits required by the Act and the rules to be filed at the Geographical Indications Registry or furnished to the Registrar, unless otherwise provided in the Second Schedule, shall be headed in the matter or matters to which they relate, shall be drawn up in the first person, and shall be divided into paragraphs consecutively numbered, and each paragraph shall, as far as practicable, be confined to one subject. Every affidavit shall state the description and the true place of abode of the person making the same, shall bear the name and address of the person filing it and shall state on whose behalf it is filed.

(2) Where two or more persons join in an affidavit, each of them shall depose separately to such facts which are within his personal knowledge and those facts shall be stated in separate paragraphs.

(3) Affidavits shall be taken—

(a) In India—before any court or person having by law authority to receive evidence, or before any officer empowered by such Court as aforesaid to administer oaths or to take affidavits,

(b) in any country or place outside India—before a diplomatic or consular officer, within the meaning of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fee) Act, 1948, of such country or place, or before a notary public, or before a judge or magistrate, of the country or place.

(4) The person before whom an affidavit is taken shall state the date on which and the place where the same is taken and shall affix his seal, if any, or the seal of the Court to which he is attached, thereto and sign his name and description at the end thereof.

(5) Any affidavit purporting to have affixed, impressed or subscribed thereto or therein the seal or signature of any person authorised by sub-rule (3) to take an affidavit, in testimony of the affidavit having been taken before him, may be admitted by the Registrar without proof of the genuineness of the seal or signature or of the official character of that person.

(6) Alterations and interlineations shall, before an affidavit is sworn or affirmed, be authenticated by the initials of the person before whom the affidavit is taken.

(7) Where the deponent is illiterate, blind or unacquainted with the language in which the affidavit is written, a certificate by the person taking the affidavit that the affidavit was read, translated or explained in his presence to the deponent, that the deponent seemed perfectly to understand it and that the deponent made his signature or mark in his presence, shall appear in the jurat.

(8) Every affidavit filed before the Registrar in connection with any of the proceedings under the Act or the rules shall be duly stamped under the law for the time being in force.

INSPECTION OF DOCUMENTS BY THE PUBLIC

94. Inspection of documents.—The documents mentioned in sub-section (1) of section 78 shall be available for inspection at the Head office of the Geographical Indications Registry. A copy of the register and such of the other documents mentioned in section 78, as the Central Government may by notification in the Official Gazette direct, shall be available for inspection at each branch office of the Geographical Indications Registry as and when established. The inspection shall be on payment of the prescribed fee and at such times on all the days on which the offices of the Geographical Indications Registry are not closed to the public, as may be fixed by the Registrar.

95. Distribution of copies of Journal and other documents.—The Central Government may direct the Registrar to distribute the journal and any other document which it may consider necessary, to such places as may be fixed by the Central Government in consultation with the State Governments and notified from time to time in the Official Gazette.

CERTIFICATES

96. Certified copies of documents.—The Registrar may furnish certified copies of any entry in the register or certified copies of any documents referred to in sub-section (1) of section 78 or of any decision or order of the Registrar, or give a certificate other than a certificate under sub-section (2) of section 16 as to any entry, matter or thing which he is authorised or required by the Act or the rules to make or do, upon

receipt from any person of an application therefor on Form GI-7 accompanied by the prescribed fee. The Registrar shall not be obliged to include in any certificate or certified copy a copy of any geographical indication unless he is furnished by the applicant with a copy thereof suitable for the purpose:

97. Certificate for use in obtaining registration abroad.— (1) Where a certificate relating to the registration of a geographical indication is desired for use in obtaining registration in any territory outside India, the Registrar shall include in the certificate a copy of the geographical indication and may require the applicant for the certificate to furnish him with a copy of the geographical indication suitable for that purpose, and if the applicant fails to do so, the Registrar may refuse to issue the certificate

(2) Where a geographical indication is registered without limitation of colour, the copy of the geographical indication to be included in the certificate, may be either in the colour in which it appears upon the register or in any other colour or colours and it shall be stated in the certificate that the geographical indication is registered without limitation of colour.

(3) The Registrar may state in the certificate such particulars concerning the application for registration or the registration of the geographical indication as may deem fit to him, and may specify the terms and conditions and other limitation appearing on the Register

APPEALS TO THE INTELLECTUAL PROPERTY APPELLATE BOARD

98. Time for appeal.— (1) An appeal to the Intellectual Property Appellate Board from any decision of the Registrar under the Act or the rules shall be made within three months from the date of receipt of such decision or within such further time as the said Appellate Board may allow

(2) A copy of every application to the said Intellectual Property Appellate Board under the Act or the rules shall be served on the Registrar

CERTIFICATE OF VALIDITY

99. Certificate of validity to be noted.—Where the Intellectual Property Appellate Board has certified as provided in section 72 with regard to the validity of a registered geographical indication, the proprietor thereof may request the Registrar on Form GI-7 to add to the entry in the register a note that the certificate of validity has been granted in the course of the proceedings, particulars of which shall be given in the request. An officially certified copy of the certificate shall be sent with the request, and the Registrar shall record a note to that effect in the register and publish the note in the Journal

RETURN OF EXHIBITS AND DESTRUCTION OF RECORDS.

100. Return of exhibits.— (1) Where the exhibits produced in any matter or proceeding under the Act or the rules are no longer required in the Geographical Indications Registry, the Registrar may notify the party concerned to take back the exhibits within a time specified by him and if the party fails to do so, such exhibits shall be dealt with in the manner mentioned under sub-rule(2) below

(2) Where any exhibits have been produced in any proceeding, the Registrar may, if satisfied that it is no longer necessary to retain them, cause them to be destroyed, after the expiration of six months from the notified date

101. Destruction of records.— Where an application for the registration of a geographical indication or an authorised user has been withdrawn abandoned or refused or the geographical indication or the authorised user has been removed from the register, the Registrar may, at the expiration of three years after the

application is so withdrawn or is abandoned or is refused or after the geographical indication is removed from the register, as the case may be, destroy all or any of the records relating to the application for the geographical indication or the authorised user concerned

PART II

REGISTRATION OF GEOGRAPHICAL INDICATIONS AGENT

102. Register of Geographical Indications Agent.- The Registrar of Geographical Indications shall maintain a Register of Geographical Indications Agents wherein shall be entered the name, address of the place of residence, address of the principal place of business, the nationality, qualifications and date of registration of every registered Geographical Indications Agent

103. Registration of existing registered trade marks agent.-(1) Subject to rule 104 every person whose name is on the notified date on the Register of Trade Marks Agents maintained under the Trade Marks Rules, 2002 shall be deemed to be registered as a Geographical Indications Agent under the Act and the rules

- (2) The continuance fee of Geographical Indications Agents deemed to be registered under sub rule(1) shall be payable as and from the notified date.
- (3) The Registrar may publish the Dress Code for Registered geographical indications Agent in the Geographical Indications Journal.
- (4) The Registrar may publish in the Journal a code of conduct for registered geographical indications agents

104. Qualifications for registration.- Subject to the provisions of rule 105, a person shall be qualified to be registered as a Geographical Indications Agent if he-

- (i) is a citizen of India;
- (ii) is not less than 21 years of age,
- (iii) has passed the examination prescribed in rule 108 or is an Advocate within the meaning of the Advocates Act, 1961,
- (iv) is a graduate of any university in India or possess an equivalent qualification, and
- (v) is considered by the Registrar as a fit and proper person to be registered as a Geographical Indications Agent.

105. Persons debarred from registration.- A person shall not be eligible for registration as a Geographical Indications Agent if he –

- (i) has been adjudged by a competent Court to be of unsound mind,
- (ii) is an undischarged insolvent;
- (iii) being a discharged insolvent has not obtained from the Court a certificate to the effect that his insolvency was caused by misfortune without any misconduct on his part;
- (iv) has been convicted by a competent Court, whether within or without India of an offence punishable with transportation or imprisonment, unless the offence of which he has been convicted has been pardoned or unless on an application made by him, the Central Government by order in this behalf, has removed the disability;
- (v) being a legal practitioner has been held guilty of professional misconduct by any High Court in India or by any Court beyond the limits of India;
- (vi) being a chartered accountant, or a company secretary has been held guilty of negligence or misconduct by a High Court, or
- (vii) being a registered geographical indication agent has been held guilty of professional misconduct by the Registrar.

106. Manner of making application.— Subject to sub-rule (2) of rule 4, all applications under the provisions of this Part shall be made in triplicate, and shall be sent to or left at that office of the Geographical Indications Registry within whose territorial limits the principal place of business of the applicant is situate.

107. Application for registration as a geographical indications agent.—(1) Every person desiring to be registered as a Geographical Indications Agent shall make an application on Form GI-8.

(2) The applicant shall furnish such further information bearing on his application as may be required of him at any time by the Registrar.

108. Procedure on application and qualifying requirements.—(1) On receipt of an application for the registration of a person as a geographical indications agent, the Registrar, if satisfied that the applicant fulfils the prescribed qualifications, shall appoint a date in the due course on which the candidate will appear before him for a written examination in Geographical Indications Law and the Practice and Procedure in relation thereto and followed by an interview. The candidate will be expected to possess a detailed knowledge of the provisions of the Act and the rules and a knowledge of the elements on law of geographical indication.

(2) The qualifying mark for the written examination and for interview shall be 40 percent and 50 percent respectively and a candidate shall be declared to have passed the examination only if he obtained an aggregate of 50 per cent of the total marks.

109. Certificate of registration.—After a candidate has been interviewed and any further information bearing on his application, which the Registrar may consider necessary has been obtained and if the Registrar considers the applicant eligible and qualified for registration as a geographical indications agent, he shall send an intimation to that effect to the applicant and any person so intimated may pay the prescribed fee in Form GI-8 for his registration as a Geographical Indications Agent. Upon receipt of the same, the Registrar shall cause the applicant's name to be entered in the register of Geographical Indications Agents and shall issue to him a certificate on Form O-4 of his registration as a Geographical Indications Agents.

110. Continuance of a name in the Register of Geographical Indications Agents.—The continuance of a person's name in the Register of Geographical Indications Agents shall be subject to his payment of the fees prescribed in Form GI-8.

111. Removal of agent's name from the Register of Geographical Indications Agents.—

(1) The Registrar shall remove from the Register of Geographical Indications Agents the name of any registered Geographical Indications Agent—

- (a) from whom a request has been received to that effect, or
- (b) from whom the annual fee has not been received on the expiry of three months from the date on which it became due.

(2) The Registrar shall remove from the Register of Geographical Indications Agents the name of any registered Geographical Indications agent—

- (a) who is found to have been subject at the time of his registration, or thereafter has become subject to any of the disabilities stated in clauses (i) to (vi) of rule 105; or
- (b) whom the Registrar has declared not to be a fit and proper person to remain in the Register by reason of any act of negligence, misconduct or dishonesty committed in his professional capacity;
- (c) whose name has been entered in the register by an error or on account of misrepresentation or suppression of material fact:

Provided that before making such declaration under clause (b) and (c) the Registrar shall call upon the person concerned to show cause why his registration should not be cancelled and shall make such further enquiry, if any, as it may consider necessary.

- (3) The Registrar shall remove from the Register of Geographical Indications Agents the name of any registered geographical indications agent who is dead.
- (4) The removal of the name of any person from the Register of Geographical Indications Agents shall be notified in the Official Gazette and in the Journal and shall, wherever possible, be communicated to the person concerned.

112. Power of Registrar to refuse to deal with certain agents. (1) The Registrar may refuse to recognise—

- (a) any individual whose name has been removed from, and not restored to the Register;
- (b) any person, not being registered as a Geographical Indications Agent, who in the opinion of the Registrar is engaged wholly or mainly in acting as agent in applying for geographical indications in India or elsewhere in the name or for the benefit of the person by whom he is employed;
- (c) any company or firm, if any person whom the Registrar could refuse to recognise as agent in respect of any business under these rules, is acting as a director or manager of the company or is a partner in the firm.

(2) The Registrar shall also refuse to recognise as agent in respect of any business under this rule any person who neither resides nor has a place of business in India.

113. Restoration of removed names. -The Registrar may, on an application made on Form GI-8 within six months from the date of removal of his name from the Register of Geographical Indications Agent accompanied by the fee specified in the First Schedule from a person whose name has been removed under clause (b) of sub-rule(1) of rule 111, restore his name to the Register of Geographical Indications Agent and continue his name therein for a period of one year from the date on which his last annual fee became due.

114. Alteration in the Register of Geographical Indications Agents. - (1) A registered Geographical Indications Agent may apply for alteration of his name, address of the place of residence, address of the principal place of business or qualifications entered in the Register of Geographical Indications Agent. On receipt of such application the Registrar shall cause the necessary alteration to be made in the Register of Geographical Indications Agent.

(2) Every alteration made in the Register of Geographical Indications Agents shall be notified in the Journal.

115. Publication of the Register of Geographical Indications Agents. - The Register of Geographical Indications Agents shall be published from time to time and a complete list thereof at least once in two years in the Geographical Indications Journal as the Registrar may deem fit, the entries being arranged in the alphabetical order of the surnames of the registered Geographical Indications Agent and copies thereof shall be placed on sale.

116. Appeal. - An appeal shall lie to Intellectual Property Appellate Board from any order or decision of the Registrar in regard to the registration of Geographical Indications Agents under Part II of these rules, and the decision of the Appellate Board shall be final and binding.

THE FIRST SCHEDULE
[See rule 10(1)]

No. of Entry	On what payable	Amount in Rupees	Corresponding Form Numbers
(1)	(2)	(3)	(4)
1A	On application for the registration of a geographical indication for goods included in one class [Section 11(1), rule 23(2)].	5,000	GI-1
1B	On application for the registration of a geographical indication for goods included in one class from a convention country [Section 11(1), 84(1), rule 23(3)]	5,000	GI-1
1C	On a single application for the registration of a geographical indication for goods in different classes [Section 11(3) rule 23(5)].	5,000 for each class	GI-1
1D	On a single application for the registration of a geographical indication for goods in different classes from a convention country [Section 11(3), 84(1), rule 23(4)]	5,000 for each class	GI-1
2A	On a notice of opposition to the registration of a geographical indication under section 14(1) or an opposition to an authorised user Section 17(3)(e)	1,000 for each class	GI-2
2B	On a counter-statement in answer to a notice of opposition under section 14(2) or 17(3)(e) for each application opposed and in answer to an application under section 27 in respect of each geographical indication or in answer to a notice of opposition under section 29	1,000	GI-2
2C	On application for extension of time for filing notice of opposition [Section 14(1), 17(3)(e), 29(2), rule 41(5)]	300	GI-2
3A	On application for the registration of an authorised user of a registered geographical indication under section 17, Rule 56(1)	500	GI-3
3B	On request for issuance of a registration certificate as an authorised user, Rule 59(1)	100	GI-3
3C	For renewal of an authorised user 18(2), rule 60(1)	1,000	GI-3
4A	For renewal under section 18(1) of the registration of a geographical indication at the expiration of the last registration. Rule 60(1).	3,000	GI-4
4B	On application under section 18(5) for restoration of geographical indication or an authorised user removed from the Register. rule 63.	1000 plus applicable renewal fee	GI-4
4C	On application for renewal under proviso to section 18(4) Proviso to rule 62 within six months from the expiration of last	3,500	GI-4

5A	registration of geographical indication On request for alteration of the address of the principal place of business or of residence in India or of the address in the home country abroad in the Register of Geographical Indications or authorised user, Section 28, rule 69	300	GI-5
5B	On request to enter change in name or description of proprietor of geographical indication upon the Register	300	GI-5
5C	On request for correction of any error in the name , address or description of the registered proprietor or the authorised user of a geographical indication (Section 28(a))	300	GI-5
5D	On application for the rectification of the register in Part B for the removal of an authorised user Section 27, Rule 65	1,000	GI-5
5E	On division of goods in a class or on division of an application made for registration of a geographical indication in different classes under proviso to Section 15, rule 23(7)	1,000	GI-5
5F	For a search under rule 22 in respect of one class	500	GI-5
6A	On application under section 27 for rectification of the register or removal of a geographical indication or expunge or vary the Statement of the Case under rule 32(1) recorded in the Register or an authorised user from the register, Rule 65	1,000	GI-6
6B	On application for leave to intervene in proceedings relating to the rectification of the Register or for the removal of a geographical indication or an authorised user from the Register Rule 67 and 80(4)	500	GI-6
7A	On request for certificate of Registrar [other than a certificate under Section 69 or 78(1)] Rule 96	300	GI-7
7B	Affidavit in support of statement of case or other documents required under the Act or rules.	Nil	GI-7
7C	On request for entry in the Register and advertisement of a note of certificate of validity of the Appellate Board. Rule 99	200	GI-7
7D	On application for review of Registrar's decision	500	GI-7
7E	On request to registrar for particulars of advertisement of a geographical indication	100	GI-7
7F	On request to Registrar for a duplicate or further copy of certificate	200	GI-7
8A	Application for registration of a	1,000	GI-8

	geographical indications agent. Rule 107.		
8B.	On request for issuance of certificate as geographical indications agent. Rule 109.	1,000	GI-8
8C	<p>For continuance of the name of a person in the Register of Geographical Indication Agent under rule 110;</p> <ul style="list-style-type: none"> - For every year (excluding the first year) to be paid on 1st April in each year. - For the first year to be paid along with the fee for registration, in the case of a person registered at any time between the 1st April, and 30th September <p>N.B A year for this purpose will commence on the 1st day of April and end on the 31st day of March following.</p>	1,000	GI-8
8D	On application for restoration of the name of a person to the Register of Geographical Indications under rule 113	1,000 plus continuance fee under entry No.8C	GI-8
9C.	On application for extension of time not being a time expressly provided in the Act or prescribed in the rules. Rule 83.	300	GI-9
9B	On application for leave to add or alter a registered geographical indication [except where the application is made by an or of a public authority or in consequence of a statutory requirement Section 29]	300	GI-9
9A	On application to Registrar for additional protection to certain goods Section 22(2), rule 77(1)	25,000	GI-9
10A	On application for cancellation of an entry in the Register or to strike out goods. (Section 28(c) or (d)).	300	GI-10
10B	Form of authorisation of agent in a matter or proceedings under the Act Section 76, Rule 20	Nil	GI-10
11	On petition (not otherwise charged) for obtaining the Registrar's order on any interlocutory matter in a contested proceeding	500	
12	<p>For inspecting the document mentioned in Section 78(1)-</p> <ul style="list-style-type: none"> a) relating to any particular geographical indication or authorised user thereof for every hour or part thereof; b) computer search (when made available) for every 15 minutes, c) Search of index mentioned in section 78 for every hour or part thereof 	100 100 100	
13	For copying of documents (photocopy or typed) for every page or part thereof in excess of one page	10	

THE SECOND SCHEDULE
FORMS
[List of forms]

Form No	Section of the Act	Title	Entry Number
(1)	(2)	(3)	(4)
GI-1	Section 11(1), rule 23(2)	Application for the registration of a geographical indication for goods included in one class	1A
GI-1	Sections 11(1), 84(1), rule 23(3)	Application for the registration of a geographical indication for goods included in one class from a convention country	1B
GI-1	Sections 11(3), rule 23(5)	A single application for the registration of a geographical indication for goods in different classes	1C
GI-1	Sections 11(3), 84(1), rule 23(4)	A single application for the registration of a geographical indication for goods in different classes from a convention country	1D
GI-2	Sections 14(1), 17(3)(e) Rule 41	Notice of opposition to the registration of a geographical indication or an opposition or an authorised user	2A
GI-2	Section 14(2), 17(3)(e), 27 & 29, rule 43(1), 58, 72(2)	Form of counterstatement	2B
GI-2	Section 14(1), 17(3)(e), 29(2), rule 41(5), 72(2)	Application for extension of time for filing notice of opposition	2C
GI-3	Section 17(1), rule 56(1)	Application for the registration of an authorised user of a registered geographical indication	3A
GI-3	Section 18(5), rule 59	Request for issuance of a registration certificate as an authorised user	3B
GI-3	18(2), rule 60(1)	For renewal of an authorised user	3C
GI-4	Section 18(4), Rule 60	Renewal of the registration of a geographical indication at the expiration of the last registration	4A
GI-4	Sections 18(5), rule 63	Application for restoration of geographical indication or an authorised user removed from the Register	4B
GI-4	Proviso to section 18(4) Proviso to rule 62	Application for renewal within six months from the expiration of last registration of geographical indication	4C
GI-5	Section 28, rule 69	On request for alteration of the address of the principal place of business or of residence in India or of the address in the home country abroad in the Register of Geographical Indications or authorised user	5A
GI-5	28 (c)	Request to enter change in name or description of proprietor of geographical indication upon the Register	5B
GI-5	28(a)	Request for correction of any error in the name , address or description of the registered proprietor or the authorised user of a geographical indication	5C

GI-5	Section 27, Rule 65	of a geographical indication Application for the rectification of the register in Part B for the removal of an authorised user	5D
GI-5	Rule 22	A request for search in respect of one class.	5E
GI-5	Proviso to Section 15, rule 23(7)	Division of an application made for registration of a geographical indication in different classes	5F
GI-6	Section 27	Application for rectification of the register or removal of a geographical indication or expunge or vary the Statement of the Case under rule 32(1) recorded in the Register from the register	6A
GI-6	Rule 67 and 80(4)	Application for leave to intervene in proceedings relating to the rectification of the Register or for the removal of a geographical indication or an authorised user from the Register	6B
GI-7	Section 69 or 78(1)], Rule 96	Request for certificate of Registrar [other than a certificate under Section 16(2)].	7A
GI-7	Rule 93	Affidavit in support of statement of case or other documents required under the Act or rules.	7B
GI-7	72, rule 99	Request for entry in the Register and advertisement of a note of certificate of validity of the Appellate Board.	7C
GI-7	63, rule 92	Application for review of Registrar's decision	7D
GI-7	Rule 40	Request to registrar for particulars of advertisement of a geographical indication	7E
GI-7	Rule 55(2)	Request to Registrar for a duplicate or further copy of certificate.	7F
GI-8	Rule 107	Application for registration of a geographical indications agent	8A
GI-8	Rule 109.	On request for issuance of certificate as geographical indications agent	8B
GI-8	Rule 110.	For continuance of the name of a person in the Register of Geographical Indication Agent under rule 110; <ul style="list-style-type: none"> - For every year (excluding the first year) to be paid on 1st April in each year. - For the first year to be paid along with the fee for registration, in the case of a person registered at any time between the 1st April, and 30th September. <p>N.B: A year for this purpose will commence on the 1st day of April and end on the 31st day of March following.</p>	8C
GI-8	Rule 113	On application for restoration of the name of a person to the Register of Geographical	8D

		Indications under rule 113	
GI-9	22(2), rule 77	On application to Registrar for additional protection to certain goods.	9A
GI-9	29	Application for leave to add or alter a registered geographical indication [except where the application is made by an or of a public authority or in consequence of a statutory requirement]	9B
GI-9	64, rule 83	Application for extension of time not being a time expressly provided in the Act or prescribed in the rules.	9C
GI-10	28 (c) or (d)	Application for cancellation of an entry in the Register or to strike out goods.	10A
GI-10	76, Rule 20	Form of authorisation of agent in a matter or proceedings under the Act.	10B

THE THIRD SCHEDULE
Forms to be used by the Registrar

LIST OF FORMS

Form No.		Title
0-1	Section 16(3)	Notice of non-completion of registration
0-2	Rule 55(1)	Certificate of registration of geographical indication
0-3	Rule 61	Notice of expiration of last registration
0-4	Rule 102 indications agent.	Certificate of registration of a person as a geographical indications agent.
0-5	Rule 55(1) user.	Notice of expiration of last registration of an authorised user.

FORM 0-1

GOVERNMENT OF INDIA
GEOGRAPHICAL INDICATION REGISTRY
GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

Notice of non-completion of registration..

No.

Notice is hereby given as required by section 16(3) that the registration of the geographical indication , in respect of which application numbered as above was made on the day of ..20.., has not been completed by reason of default on the part of the applicant Unless registration is completed within twenty-one days from the date of this notice, the application will be treated as abandoned

All communications relating to this application may be sent to the following address in India -

Dated this day of ... 200.. .

Registrar of Geographical Indications

To, _____

FORM 0-2

GOVERNMENT OF INDIA
GEOGRAPHICAL INDICATION REGISTRY
GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT,1999
**Certificate of registration of geographical indication under Section 16(1) or of unauthorised user
under section 17(3)(e)**

Geographical Indication No.....
 Authorised user No
 Date.....

Certified that the Geographical Indication (of which a representation is annexed hereto) /authorised user has been registered in the register in the name ofin Class....under NO.as of the datein respect of

Sealed at my direction thisday of200.....

Registrar of Geographical Indications.

Registration is for 10 years from the date first above-mentioned and may then be renewed for a period of 10 years, and also at the expiration of each period of 10 years thereafter.

This certificate is not for use in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

FORM 0-3
GOVERNMENT OF INDIA
GEOGRAPHICAL INDICATION REGISTRY
GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT,1999

Notice of expiration of last registration under Section 18(4) of Geographical Indications Act 1999
Agent

Registered geographical indication No.....

Class.....

Notice is hereby given as required in section 18(4) of the Geographical Indication Of Goods (Registration And Protection) Act,1999 that the registration of the aforesaid geographical indication will expire on and that the registration can be renewed for a further period of ten years on receipt in the Geographical Indication Registry of an application in the enclosed Form GI 4 accompanied by prescribed fee of Rs 3,000 on or before the said date.

Dated this day of200.....

Registrar of Geographical Indications

FORM 0-4
GOVERNMENT OF INDIA
GEOGRAPHICAL INDICATION REGISTRY
GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT,1999

Certificate of registration as Geographical Indication Agent

Rule-109

No

'This is to certify that

of

was registered on this day of 200 in the Register of Geographical Indication Agent maintained under rule-102 Of Geographical Indication of Goods (Registration and Protection) Rules, 2002.

Registrar of Geographical Indications

FORM 0-5
GOVERNMENT OF INDIA
GEOGRAPHICAL INDICATION REGISTRY
GEOGRAPHICAL INDICATION OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) ACT, 1999

Notice of expiration of last registration under section 18(4)

Registered authorised user No

Notice is hereby given as required under section 18(4) of the Geographical Indication Of Goods (Registration And Protection) Act,1999 that the registration of the aforesaid authorised user will expire on and that the registration can be renewed for a further period of ten years on receipt in the Geographical Indication Registry of an application in the enclosed Form GI 3 accompanied by the prescribed fee of Rs. 1,000 on or before the said date

Dated.....day.....200-

Registrar of Geographical Indications

THE FOURTH SCHEDULE

Classification of goods—Name of the classes

(Parts of an article or apparatus are, in general, classified with the actual article or apparatus, except where such parts constitute articles included in other classes)

- Class 1.** Chemical used in industry, science, photography, agriculture, horticulture and forestry, unprocessed artificial resins, unprocessed plastics; manures, fire extinguishing compositions, tempering and soldering preparations, chemical substances for preserving foodstuffs; tanning substances; adhesive used in industry
- Class 2** Paints, varnishes, lacquers, preservatives against rust and against deterioration of wood, colorants; mordents, raw natural resins, metals in foil and powder form for painters, decorators; printers and artists
- Class 3** Bleaching preparations and other substances for laundry use, cleaning, polishing; scouring and abrasive preparations; soaps; perfumery, essential oils, cosmetics, hair lotions, dentifrices
- Class 4** Industrial oils and greases, lubricants; dust absorbing, wetting and binding compositions; fuels(including motor spirit) and illuminants, candles, wicks
- Class 5** Pharmaceutical, veterinary and sanitary preparations; dietetic substances adapted for medical use, food for babies; plasters, materials for dressings; materials for stopping teeth, dental wax; disinfectants; preparation for destroying vermin; fungicides, herbicides
- Class 6.** Common metals and their alloys; metal building materials; transportable buildings of metal, materials of metal for railway tracks, non-electric cables and wires of common metal; ironmongery, small items of metal hardware; pipes and tubes of metal; safes; goods of common metal not included in other classes; ores
- Class 7** Machines and machine tools; motors and engines (except for land vehicles); machine coupling and transmission components (except for land vehicles), agricultural implements other than hand-operated; incubators for eggs
- Class 8.** Hand tools and implements (hand-operated); cutlery, side arms, razors
- Class 9** Scientific, nautical, surveying, electric, photographic, cinematographic, optical, weighing, measuring, signalling, checking (supervision), life saving and teaching apparatus and instruments; apparatus for recording, transmission or reproduction of sound or images, magnetic data carriers, recording discs, automatic vending machines and mechanisms for coin-operated apparatus; cash registers, calculating machines, data processing equipment and computers, fire extinguishing apparatus
- Class 10.** Surgical, medical, dental and veterinary apparatus and instruments, artificial limbs, eyes and teeth; orthopaedic articles; suture materials
- Class 11.** Apparatus for lighting, heating, steam generating, cooking, refrigerating, drying ventilating, water supply and sanitary purposes
- Class 12.** Vehicles; apparatus for locomotion by land, air or water
- Class 13.** Firearms; ammunition and projectiles; explosives; fire works

Class 14.	Precious metals and their alloys and goods in precious metals or coated therewith, not included in other classes, jewellery, precious stones, horological and other chronometric instruments
Class 15.	Musical instruments
Class 16.	Paper, cardboard and goods made from these materials, not included in other classes, printed matter, bookbinding material, photographs, stationery, adhesives for stationery or household purposes, artists' materials, paint brushes, typewriters and office requisites (except furniture), instructional and teaching material (except apparatus), plastic materials for packaging (not included in other classes), playing cards, printers' type, printing blocks
Class 17.	Rubber, gutta percha, gum, asbestos, mica and goods made from these materials and not included in other classes, plastics in extruded form for use in manufacture; packing, stopping and insulating materials, flexible pipes, not of metal
Class 18.	Leather and imitations of leather, and goods made of these materials and not included in other classes, animal skins, hides, trunks and travelling bags; umbrellas, parasols and walking sticks; whips, harness and saddlery
Class 19.	Building materials, (non-metallic), non-metallic rigid pipes for building; asphalt, pitch and bitumen, non-metallic transportable buildings, monuments, not of metal
Class 20.	Furniture, mirrors, picture frames, goods(not included in other classes) of wood, cork, reed, cane, wicker, horn, bone, ivory, whalebone, shell, amber, mother- of-pearl, meerschaum and substitutes for all these materials, or of plastics
Class 21.	Household or kitchen utensils and containers(not of precious metal or coated therewith); combs and sponges; brushes(except paints brushes); brush making materials; articles for cleaning purposes; steelwool; unworked or semi-worked glass (except glass used in building); glassware, porcelain and earthenware not included in other classes
Class 22.	Ropes, string, nets, awnings, tarpaulins, sails, sacks and bags (not included in other classes) padding and stuffing materials(except of rubber or plastics); raw fibrous textile materials
Class 23.	Yarns and threads, for textile use
Class 24.	Textiles and textile goods, not included in other classes; bed and table covers.
Class 25.	Clothing, footwear, headgear
Class 26.	Lace and embroidery, ribbons and braid; buttons, hooks and eyes, pins and needles; artificial flowers
Class 27.	Carpets, rugs, mats and matting, linoleum and other materials for covering existing floors; wall hangings(non-textile)
Class 28.	Games and playthings, gymnastic and sporting articles not included in other classes; decorations for Christmas trees
Class 29.	Meat, fish, poultry and game; meat extracts; preserved, dried and cooked fruits and vegetables; jellies, jams, fruit sauces; eggs, milk and milk products; edible oils and fats

Class 30. Coffee, tea, cocoa, sugar, rice, tapioca, sago, artificial coffee, flour and preparations made from cereals, bread, pastry and confectionery, ices; honey, treacle; yeast, baking powder; salt, mustard; vinegar, sauces, (condiments); spices; ice

Class 31. Agricultural, horticultural and forestry products and grains not included in other classes; live animals; fresh fruits and vegetables; seeds, natural plants and flowers; foodstuffs for animals, malt

Class 32. Beers, mineral and aerated waters, and other non-alcoholic drinks; fruit drinks and fruit juices, syrups and other preparations for making beverages

Class 33. Alcoholic beverages(except beers)

Class 34. Tobacco, smokers' articles, matches

THE FIFTH SCHEDULE
Scale of costs allowable in Rule 91 proceedings before the Registrar

Entry No	Matter in respect of which costs to be awarded	Amount
1.	For one day's hearing involving examination of witnesses	Rs 1000
2.	For one day's hearing when there is no examination of witnesses	Rs. 500
3.	For adjournment of hearing granted on the petition of any party	Rs 500 plus cost of resummoning the other parties' witness who were due to be examined on the day
4.	For striking out scandalous matter from an affidavit	Rs.200
5.	For attendance of witnesses - Subsistence allowance Travelling allowance ..	Rs.500 (vide note below) fare by rail or steamer second class each way and if there is no rail or steamer communication Rs 5 or 2.50 per km depending upon the rank and status of the witness

Note. the rates of subsistence allowance and travelling allowance for witness shall vary according to the status of the witness subject to the maximum prescribed above

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS

(REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999

(To be filed in triplicate alongwith the Statement of Case accompanied by five additional representation of the geographical indication)

One representation to be fixed within the space and five others to be send separately

FORM GI-1

A	Application for the registration of a geographical indication in Part A of the Register Section 11(1), Rule 23(2) Fee: Rs. 5,000 (See entry No.1A of the First Schedule)	
B	Application for the registration of a geographical indication in Part A of the Register from a convention country Section 11(1), 84(1), rule 23(3) Fee. Rs 5,000 (See entry No.1Bof the First Schedule)	
<p>1 Application is hereby made by (a) _____ for the registration in Part A of the Register of the accompanying geographical indication furnishing the following particulars.</p> <ul style="list-style-type: none"> - Name of the Applicant. - Address: - List of association of persons/producers/organisation/authority: - Type of goods: - Specification: - Name of the geographical indication[and particulars] - Description of the goods: - Geographical area of production and map. - Proof of origin[Historical records] - Method of Production: - Uniqueness - Inspection Body - Other <p>Along with the Statement of Case in Class (b) _____ (b) _____ in respect of (c) _____ in the name(s) of (d) _____ whose address is (e) _____ who claims to represent the interest of the producers of the said goods to which the geographical indication relates and which is in continuous use since _____ in respect of the said goods</p> <p>2 The application shall include such other particulars called for in rule 32(1) in the Statement of Case</p> <p>3 All communications relating to this application may be sent to the following address in India:</p> <p>4 In the case of an application from a convention country the following additional particulars shall also be furnished</p> <p>a) Designation of the country of origin of the geographical indication</p> <p>b) Evidence as to the existing protection of the geographical indication in its country of origin, such as the title and the date of the relevant legislative or administrative provisions, the judicial decisions or the date and number of the registration, and copies, of such documentation</p>		

(5)SIGNATURE

NAME OF THE SIGNATORY
(IN BLOCK LETTERS)

C	A single application for the registration of a geographical indication in Part A of the Register for goods falling in different classes Section 11(3), rule 23(5) Fee Rs 5,000 for each class (See entry No. 1C of the First Schedule)	
D	A single application for the registration of a geographical indication in Part A of the Register for goods falling in different classes from a convention country Section 11(3), rule 23(4) Fee Rs 5,000 for each class (See entry No. 1D of the First Schedule)	
<p>1. Application is hereby made by (a) _____ for the registration in Part A of the Register of the accompanying geographical indication furnishing the following particulars:</p> <ul style="list-style-type: none"> - Name of the Applicant - Address - List of association of persons/producers/organisation/authority - Type of goods. - Specification - Name of the geographical indication[and particulars] - Description of the goods. - Geographical area of production and map. - Proof of origin[historical records] - Method of Production - Uniqueness - Inspection Body. - Other: <p>along with the Statement of Case in Class</p> <p>(i) class a in respect of b</p> <p>(ii) class a in respect of b</p> <p>(iii) class a in respect of b</p> <p>in the name(s) of c..... whose address is(d) who claim(s) to represent the interest of the producers of the goods to which the geographical indication relates and which geographical indication is used continuously since in respect of the said goods.</p> <p>2. The application shall include such other particulars called for in rule 32(1) in the Statement of Case</p> <p>3. All communications relating to this application may be sent to the following address in India:</p> <p>4. In the case of an application from a convention country the following additional particulars shall also be furnished</p> <p>a) Designation of the country of origin of the geographical indication</p> <p>b) Evidence as to the existing protection of the geographical indication in its country of origin, such as the title and the date of the relevant legislative or administrative provisions, the judicial decisions or the date and number of the registration, and copies, of such documentation</p>		
(5)SIGNATURE		
NAME OF THE SIGNATORY (IN BLOCK LETTERS)		
<p><i>For instruction please see overleaf</i></p>		

GI-1A to 1D

The Registrar of Geographical Indications,
The office of Geographical Indications Registry

- a) Strike out whichever is not applicable
- b) The Registrars' direction may be obtained if the class of the goods is not known
- c) Here specify the goods Only goods included in one and the same class to be specified
- d) Insert legibly the full name, description (occupation and calling and nationality of the applicant)
In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions
of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should
be stated See rule 15
- e) Signature of the applicant or his agent

**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS
(REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999**

(To be filed in triplicate)

FORM GI-2

A	<p>Notice of opposition to application for registration of a geographical indication or an authorized user [Section 14(1), 17(3) (3), rule 41(1)] Fee : Rs.1,000/- for each class (See entry No.2 (A) of the First Schedule</p> <p>In the matter of Application No _____ by _____ I(or we)' hereby give notice of my (or our) intention to oppose the registration of the geographical indication/authorised user advertised under the above number for class _____ in the Geographical Indications Journal dated the _____ day of _____ 20____ No _____ page _____</p> <p>The grounds of opposition are as follows -</p> <p>3.</p> <p>All communications in relation to these proceedings may be sent to the following address in India</p> <p>Dated this _____ day of _____ 20_____</p>	
4 SIGNATURE		
B	<p>Form of Counterstatement Sections 2, 14, 17(3),27, Rules 43(1), 66 (To be filed in triplicate) Fee: Rs. 1,000/- (See entry No.2 (B) of the First Schedule)</p> <p>In the matter of an opposition No _____ to application No _____ in class _____ for the registration of a geographical indication</p> <p>I (or we)' _____ the applicant(s) for registration of the above geographical indication, hereby give notice that the following are the grounds on which I (or we) rely for my(or our) application -</p> <p>I (or we) admit the following allegations in the notice of opposition</p> <p>2 All communications in relation to these proceedings may be sent to the following address in India</p> <p>..... </p> <p>Dated thisday of.....20.....</p>	
		<p>2..... SIGNATURE NAME OF SIGNATORY IN BLOCK LETTERS</p>

C	<p>Application for extension of time for giving notice of opposition Section 14(1), 17(3)(c) and 29(2), Rule 41(5) Fee: Rs. 300.00 (See entry No.2 (C) of the First Schedule)</p> <p>In the matter of application No..... in class</p> <p>I(or We) (1)..... hereby apply for extension of time of (2)..... for giving notice of opposition to the registration of the geographical indication or authorised user under the above number in the Geographical Indications Journal dated the day of 20..</p> <p>The reasons for making this application are as follows.—</p> <p>All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-</p> <p>Dated this day of 20..</p> <p style="text-align: right;">Signature(3)..... NAME OF SIGNATORY IN BLOCK LETTERS</p> <p>For instruction please see overleaf</p>	
----------	--	--

GI-2A

To,

The Registrar of Geographical Indications,
The office of Geographical Indications Registry.

- 1 State full name and address. An address for service in India should be given if the opponent has no place of business or of residence in India.
- 2 If registration is opposed on the ground that the geographical indication resembles a trade mark or a geographical indication already on the register the numbers and the journals in which it has been advertised are to be set out.
- 3 Signature of the opponent or of his agent.

GI-2B

- 1 State the full name and address as stated in the application for registration
- 2 Signature of the applicant or of his agent

GI-2C

- 1 State full name & address.
- 2 Insert the period of execution required which shall not exceed one month beyond these months from the date of advertisement or re-advertisement, as the case may be, of the application in the Journal.
- 3 Signature of the applicant or of his agent

**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS
(REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999**
FORM GI-3

A	<p>Application for the registration of an authorised user Section 17(1), Rule 56(1)</p> <p>Fee : Rs.500/-</p> <p>(To be filed in triplicate accompanied by the agreement, if any, between the registered proprietor and the proposed authorised user or duly authenticated copy thereof, and other documents mentioned in rule 56 along with an affidavit setting forth particulars and statements required by rule 56 and with two copies of each of the aforesaid documents)</p> <p>(See entry No 3 (A) of the First Schedule)</p>	
----------	--	--

Application is hereby made by 1 _____ who is (are) the registered proprietor(s) of the geographical indication 2 _____ registered in class _____ in respect of goods _____ and _____ being the proposed authorised user in Part B of the Register of the above mentioned registered geographical indication . A statement of case of hose the applicant claims to be producer is enclosed herewith A copy of consent letter from the Registered Proprietor is enclosed/not enclosed

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of .. 20.... .

4

4 SIGNATURE

B	<p>Request for issuance of Registration Certificate as an Authorised User</p> <p>Section 16(2)17(3)(g), Rule 59(1)</p> <p>Fee: Rs.100 (See entry No.3B of the First Schedule).</p>	
----------	---	--

The Registrar is hereby requested under Section 17(3)(g)) read with rule 59(1) to issue the Authorised User Certificate in respect of application No _____ for the registered geographical indication _____ under registered No _____ in Class _____ in Part B of the Register.

Dated thisday of.....20.....

2.....
SIGNATURE

For instruction please see overleaf

**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS
(REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999
FORM GI-3**

C	Renewal of registration of authorized user Section 18(2), rule 60(1) [Fee: Rs.1000.00 (See entry No.3C of the First Schedule)	
<p>I(or We) (1) hereby leave the prescribed fee of Rs. for renewal of registration of the authorized user No in class The notice of renewal of registration may be sent to the following address in India</p> <p>Dated this day of 20..</p> <p style="text-align: right;">Signature(2)... NAME OF SIGNATORY IN BLOCK LETTERS</p> <p>To The Registrar of Geographical Indications, The office of the Geographical Indications Registry.</p> <p>1. Insert full name and address of the authorized user 2 Signature of the authorized user or his agent. 3 State the name of the place of the appropriate office of the Geographical Indications Registry – See rule 4</p> <p>Note – This form will be returned if it is filed more than six months before the expiration of the last registration.</p>		

To
The Registrar of Geographical Indications,
The office of Geographical Indication Registry.

GI-31A

1. Insert particulars of the registered proprietor.
2. Insert name and address
3. Signature of the Registered Proprietor/Producer or his agent

GI-3B

1. Signature of the Producer

GI-3C

1. Insert particulars of the registered proprietor
2. Signature of the producer or his agent

**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS
(REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999**
FORM GI-4

A	Fee: Rs. 3,000 (See entry No.4A of the First Schedule) Renewal of registration of geographical indication Section 18(1), Rule 61	
----------	---	--

I (or we) 2 hereby leave the prescribed fee of
 Rs. for renewal of registration of the geographical indication No. in Class All communication
 relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20.....

4

4 SIGNATURE

B	Restoration of geographical indication or an authorized user removed from the register for non-payment of renewal fee. Section 18(5) Rule 63. Fee: Rs. 1,000/- plus the applicable renewal fee prescribed in entry Nos. 4A or 3C of the First Schedule	
----------	---	--

I (or we) ' hereby apply that the geographical indication numbered..... in class be restored to the register and the registration of the said geographical indication in the class aforesaid be renewed, and that the notice of restoration and renewal be sent to the following address in India.

Dated this day of 20.....

2.....
SIGNATURE

C	Fee: Rs.3500 (See entry No.4C of the First Schedule) Application for payment of surcharge towards renewal of a geographical indication under proviso to sub-section (4) of section 18.	
----------	---	--

I (or we) ' the registered proprietor/s hereby make by apply for the renewal of registration of registered geographical indications No. in class which has expired on and tender the prescribed surcharge in respect thereof and the renewal certificate be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20..

Signature
Name of signatory in Block Letters

For instructions please see overleaf

To

The Registrar of Geographical Indications
The Office of the Geographical Indications Registry, Chennai

GI-4A

1. Strike out whichever is not applicable.
2. Insert here the name and address of the Registered Proprietor.
3. Signature of the registered proprietor or of his agent.

GI-4B

- 1 Insert full name, address and nationality of the registered proprietor
2. Signature of the registered proprietor or of his agent

GI-4C

1. Insert here the full name and address of the Registered Proprietor

2. Signature of the registered proprietor or of his agent

**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS
(REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999**
(To be filed in triplicate)
FORM GI-5

A	<p>Request for alteration of the address of the principal place of business or of residence in India or of the address in the home country abroad in the Register of Geographical Indications are authorised user, Section 28, rule 69.</p> <p>Fee: Rs. 300/-</p> <p>(See entry No.5A of the First Schedule)</p> <p>In the matter of geographical indication No registered in Class.....</p> <p>I/We of being the registered proprietor/authorised user of the geographical indication numbered as above, request that the address of my(our) principal place of business (or residence) in India or address in my (our) home country abroad in the Register of Geographical Indications be altered to The change of address was ordered by on the day of 20..... An officially certified copy of the order is enclosed herewith.</p> <p>All communications on this request may be sent to the following address in India.</p> <p>Dated thisday of.....20.....</p> <p style="text-align: right;">2..... SIGNATURE</p>	
B	<p>Request to enter change of name or description of association of person or producers or any organisation or authority in whose name a geographical indication is registered. Section 28(b).</p> <p>Fee: Rs. 300</p> <p>(See entry No 5B of the First Schedule)</p> <p>I (or we) ' hereby request that my (or our) name (s) and description (s) may be entered in the Register of Geographical Indication as2 proprietor (s)/ authorised user (s) of the geographical indication No.3 registered in class</p> <p>I am (we are) entitled to 3 the said geographical indication.</p> <p>.....use the said Geographical Indication as authorised user(s). There has been no change in the actual proprietorships 2/identity of authorised user(s) of the said geographical indication, but 4</p> <p>The entry at present standing in the register gives my (or our) name(s) and description (3) as follows.-</p> <p>5 A copy of this request has been served upon the authorised user(s)/proprietor(s)</p> <p>All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-</p> <p>Dated thisday of20.....</p> <p style="text-align: right;">6 .. SIGNATURE</p>	
<i>For instruction please see overleaf</i>		

**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS
(REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999**
FORM GI-5

C

Request for correction of any error in the name, address or description of the registered proprietor or the authorised user of a geographical indication. Section 28(a)
Fee: Rs.300
(See entry No. 5C of First Schedule)

In the matter of geographical indication No registered in class

I (or we) of
being the registered proprietor 2 of the geographical indication numbered as above, authorised user

request that the 2address of my (our) principal place of business 2(or residence) in India or address in my(our) home country abroad in the Register of Geographical Indication be altered to
3The change of address was ordered by4 on the day of 20..... An officially certified copy of the order is enclosed herewith.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-
All communications on this request may be sent to the following address in India

Dated thisday of.....20.....

2.....
SIGNATURE

D

Application for the rectification of the register in Part B for the removal of an authorised user. Section 27, and Rule 65.
Fee: 1,000 (See entry No. 5D of First Schedule)

In the matter of Geographical Indication No..... registered in the name of in Class

I (or We) ' hereby apply that the entry in the register in respect of the abovementioned authorised user of registered geographical indication No..... may be (removed)2 (rectified) in the following manner:-

The grounds of my (our) application are as follows:-

The 3.Office of the Geographical Indications Registry has been entered in the register as the appropriate office in relation to this geographical indication.

No action concerning the geographical indication in question is pending in any Court

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

4

SIGNATURE

4 SIGNATURE

For instruction please see overleaf

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS

(REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999

FORM GI-5

E

Application for the division of an application made for the registration of a geographical indication in different classes of goods.
Proviso to Section 15 rule 23(7), 82(B)
Fee: 1000 (See entry 5E of the First Schedule)

In the matter of Geographical Indication No in Class. in the name of filed on

I (or we)¹ hereby request the Registrar to divide the application No. or for the division of the registered geographical indication No. in class into or for the division of a single application in class/ classes into in the following class or classes² or to divide the specification of goods or services in Class as indicated below:

A copy of the Registrar order on the request may be sent to the following address in India :-

Dated this day of 20.....

2.....
SIGNATURE

F

Fee: Rs.500.00 (See entry No.5F of the First Schedule)

Request for search under rule 22

The Registrar is hereby requested under rule 22 to search in class' in respect of² to ascertain whether any geographical indication are on record which resemble the trade mark sent or geographical indication herewith in triplicate (each representation being mounted on a sheet of strong paper approximately 33 centimetres by 20 centimetres in size.)

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of .. 20 ..

4

SIGNATURE

4 SIGNATURE

For instruction please see overleaf

To

The Registrar of Geographical Indications
The Office of Geographical Indications Registry ,Chennai

GI-5A

1. Strike out word(s) not applicable.
2. Insert the name of the public authority ordering the change and the date thereof
3. Signature of the registered proprietor/authorised user or of his agent.

GI-5B

1. Insert present name and address of registered proprietor or authorised user
2. Strike out the words that are not applicable
3. State the circumstances under which the change of name took place.
4. Strike out if not applicable
5. Signature of applicant or of his agent

Footnote. No fee, however, payable where the application for alteration or change of name is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory

GI-5C

1. Strike out word(s) not applicable
2. Insert the name of the public authority ordering the change and the date thereof
3. Signature of registered proprietor or of his agent

Footnote No fee is, however, payable in case the alteration is made as a result of an order of a public authority in India

GI-5D

1. State full name, address and nationality An address for service in India should be stated if the applicant has no place of business or of residence in India
2. Strike out the word that is not applicable
3. Signature of the applicant or his agent

GI-5E

1. Insert the full name, address and nationality of the applicant.
2. Mention the goods or services and the class or classes in which it is to be registered in ascending numerical order
3. Signature of the applicant or his agent

GI-5F

1. The Registrar's direction may be obtained if the class is not known
2. Here specify the goods (in the class stated) in respect of which the search is to be made
3. Signature of the applicant or his agent

Footnote: No fee is payable in cases where the directions of the Central Government for exemption from payment of fee have been obtained.

**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS
(REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999**
FORM GI-6

A	<p>Application for the rectification of the register or the removal of a geographical indication from the register or to expunge or vary the Statement of Case under rule 32(1) recorded in the Register. section 27, and Rule 65.</p> <p>Fee: Rs. 1,000</p> <p>(See entry No 6A in the First Schedule)</p>	
----------	---	--

In the matter of Geographical Indication No registered in the name of in Class I (or We)' hereby apply that the entry in the register in respect of the abovementioned Geographical Indication may be (removed)2 (rectified) in the following manner -

The grounds of my (our) application are as follows -

The 3 Office of the Geographical Indication Registry has been entered in the register as the appropriate office in relation to this geographical indication
No action concerning the geographical indication in question is pending in any Court

All communications relating to this application may be sent to the following address in India -

Dated this day of 20

4

SIGNATURE

4 SIGNATURE

B	<p>Application for leave to intervene in proceedings relating to the rectification of the register or the removal of a geographical indication from the register or the cancellation of an authorised user of a geographical indication from the register Rule 67 80(4)</p> <p>Fee: Rs. 500</p> <p>(See entries No 6B of the First Schedule)</p>	
----------	---	--

In the matter of the Geographical Indication No registered in the name of in class I (we)'

hereby apply for leave to intervene in the proceedings relating to the rectification or removal of the entry in the register in respect of the above mentioned geographical indication/additional protection under section 22(2)or cancellation of an authorised user

My (our) interest in the Geographical Indication

A copy of the Registrar order on the request may be sent to the following address in India -

Dated thisday of.....20.....

2.....

SIGNATURE

I or instruction please see overleaf

To

The Registrar of Geographical Indications
The Office of Geographical Indications Registry,Chennai

GI-6A

1 State full name, address and nationality An address for service in India should be stated if the applicant has no place of business or of residence in India

2 Strike out the word that is not applicable

3 Signature

GI- 6B

1 State full name, address and nationality
 2 Signature

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS
(REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999
FORM GI-7

A	<p>Request for certificate of the Registrar [Section 78(2)]. Fee: Rs. 300 (See entry No. 7A of the First Schedule)</p> <p>In the matter of geographical indication No. registered in Class I (or we) 2 hereby request the Registrar to furnish me (us) with his certificate to the effect that a certified copy</p> <p>..... 3a certificate of the registration of geographical indication for use in obtaining registration in5 The certificate/certified copy be sent to the following address in India. A copy of the Registrar order on the request may be sent to the following address in India -</p> <p>Dated this day of 20....</p> <p style="text-align: right;">2..... SIGNATURE</p>
B	<p>Affidavit (only to be furnished where required by the Act or the rules) (See entry No. 7B of the First Schedule)</p> <p>I, of do hereby solemnly and sincerely declare that the particulars set out in the statement of case, exhibit marked and left by me in connection with [2] in respect of the geographical indication No. in class are true and comprise every material fact and document affecting the present proprietorship of the geographical indication, to the best of my knowledge, information and belief.</p> <p>Dated this day of 20....</p> <p style="text-align: right;">4</p> <p>SIGNATURE</p> <p style="text-align: right;">4 SIGNATURE</p>
C	<p>Request for entry in the register and advertisement of a notice of certificate of validity by the Appellate Board Under rule 99 Fee: 200/- (See entry No. 7C of the First Schedule)</p> <p>In the matter of geographical indication No. registered in class in the name of I (or we) hereby request the Registrar to add to the entry relating to the above numbered geographical indication in the register, and to advertise in the Geographical Indication Journal, a note that in 2 the Appellate Board certified that the validity of the said registration came into question and was decided in favour of the proprietor of the geographical indication in the terms of accompanying officially certified copy of the certificate of validity</p> <p>All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-</p> <p>Dated this day of 20....</p> <p style="text-align: right;">4</p> <p>SIGNATURE</p> <p style="text-align: right;">4 SIGNATURE</p>

For instruction please see overleaf

**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS
(REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999**
FORM GI-7

D	Application for review of Registrar's decision Section 60(c) Rule 92 Fee: 500 (See entry 7D of the First Schedule)	
----------	---	--

In the matter of'
I (or we)2 being the in the above matter hereby apply to the Registrar for
the review of this decision dated the day of 20 , in the above matter

The grounds for making this application are set forth in the accompanying statement

All communications relating to this application may be sent to the following address in India -

Dated this day of 20

4

4 SIGNATURE

E	Request to Registrar for particulars of advertisement of a geographical indication, Rule 40 Fee 100 (See entry 7E of the First Schedule)	
----------	---	--

I (or we)' hereby request that I (or we) may be informed of the number, date and page of the Journal in which the geographical indication sought to be registered under Application No in the name of is advertised

The information may be sent to the following address in India 2-

Dated this day of 20

3

SIGNATURE

**NAME OF SIGNATORY
IN BLOCK LETTERS**

F	Fee: Rs. 200 (See entry No. 7F) Request for duplicate or further copy of the certificate of registration /authorised user rule 55(2)/59(3).	
----------	--	--

(If the applicant had furnished a label for advertisement, this Form must be accompanied by one unmounted representation of the geographical indication exactly as shown in the Form of application at the time of registration)

I (or we)' request the Registrar to furnish me (us) with 3 duplicate /further copy of the certificate of registration issued to me (us) under sub-section (2) of section 16 in respect of my (our) geographical indication NO registered in class in the Register

Dated this day of 20

4

SIGNATURE

4 SIGNATURE

* *For instruction please see overleaf*

To

**The Registrar of Geographical Indications
The Office of Geographical Indications Registry, Chennai**

GI-7A

1. Insert name, address and nationality of the person making the request
2. Set out the particulars which the Registrar is required to certify or state particulars of the document of which a certified copy is required.
3. Insert the name of country or state.
4. Signature

GI-7B

1. Insert full name, address and nationality of deponent.
2. Insert particulars of the proceedings concerned.
3. To be signed here by the person making the declaration.
4. Signature and title of authority before whom affidavit is taken. In India affidavit may be taken before any Court or person having by law authority to receive evidence or before an officer empowered by a Court to administer oath. Outside India affidavit may be taken before a Diplomatic or Consular Officer within the meaning of the Diplomatic and Consular officers (Oaths and Fees) Act, 1948, of such country or place or before a Notary of the place if the notarial acts done by notaries of the place have been recognised by the Central Government under Section 14 of the Notaries Act, 1952.
To be stamped under the law for the time being in force

GI-7C

1. State the name and address of the registered proprietor
2. State the nature of the proceedings with the names of the parties to them, in which the certificate was given.
3. Signature.

GI-7D

1. Here Insert the words and reference number identifying the matter in respect of which the application is made
2. State full name and address
3. Signature.

GI-7E

1. State full name and address.
2. Signature.

GI-7F

1. Insert the name and address of the registered proprietor
2. Strike out whichever is not applicable.
3. Signature of the registered proprietor or the authorised user of his agent.

**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS
(REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999**
FORM GI-8

A

**Application for registration as a Geographical Indications Agent,
Rule 107**

To be filed in triplicate)

Fee: Rs. 1,000

(See entry No 8A of the First Schedule)

I beg to apply for registration as a trade marks agent under THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION AND PROTECTION) RULES, 2002

1 A certificate of character from. is enclosed herewith.

I, hereby declare that I am not subject to any of the disabilities stated in clauses (i), (ii),(iii),(iv),(v) and (vi) of rule 105 of the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Rules, 2002 and that the information given below is true to the best of my knowledge and belief

- 1 Name in full beginning with surname if any (in capital letters).
2. Address of the place of residence
- 3 Principal place of business.
- 4 Father's name....
5. Nationality
6. Date and place of birth.
- 7 Occupation in full.
8. Particulars of qualifications for registration as a Geographical Indications Agent.....
- 9 Whether at any time removed from the Register of Geographical Indications Agent and if so the reason for such removal.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20

4
4 SIGNATURE

To

The Registrar of Geographical Indications
 The Office of Geographical Indications Registry, Chennai

GI-8A to GI-8D

1. The certificate testifying to the character of the candidate should be from a person not related to the candidate and being a District Magistrate, a Chief Presidency Magistrate or the Chief Administrative Officer of the District where the candidate usually resides, or from any other person whom the Registrar may consider fit.
2. Either original diplomas, certificates and other documents in support of qualifications claimed, or copies thereof duly attested by a magistrate, a notary public or a J.P. must be sent with the application

Particulars such as the amount of experience in the Geographical Indications Registry or with a commercial firm of repute, may be specified.

3 Signature

**THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS
 (REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999**
 FORM GI-9

A	Application for additional protection for certain goods. Section 22(2), rule 77 Fee: Rs.25,000.00 <small>(See entry No. 9A of the First Schedule)</small>	
I(or We) (1) being the registered proprietor of the geographical indications in class hereby apply for additional protection under Section 22(2) of the Act The statement of case required to be submitted under rule 77(1) is enclosed with. All communications relating to this application may be sent to the following address in India:- All communications relating to this application may be sent to the following address in India - Dated this day of 20 . . .		
4 SIGNATURE		
B	Application by registered proprietor under Section 29 for an addition or alteration of a registered geographical indication. Fee: Rs.300/- <small>See entry No.9B of the First Schedule and footnote below.</small>	
In the matter of geographical indication No. registered in class Application is hereby made by (1) being the registered proprietor(s) of the registered Geographical Indication numbered as above for leave to add or alter the said geographical indication in the following particulars, that is to say (2) Five copies of the geographical indication as it will appear when altered are filed herewith. (3) A copy of this application and a copy of the geographical indication as it will appear when so altered has been published in two leading newspapers circulated in the area (copy enclosed) All communications relating to this application may be sent to the following address in India:- Dated this day of 20		
Signature(4)..... NAME OF SIGNATORY IN BLOCK LETTERS		

C	Fee: 300 (See entry 9C of the First Schedule) Application for extension of time [not being a time expressly provided in the Act or prescribed by rule] Section 64 rule 83(1)	
In the matter of' I (or we)2..... being the' in the above matter hereby apply for an extension of time of 3.....for4 on the following grounds.- All communications relating to this application may be sent to the following address in India - Dated this day of19.....		
5 SIGNATURE NAME OF SIGNATORY		
<i>For instruction please see overleaf</i>		

GI-9C

- 1 Identify the subject matter
- 2 State full name and address
- 3 Insert the period of extension required which shall not
- 4 State the purpose for which extension of time is required

THE GEOGRAPHICAL INDICATIONS OF GOODS (REGISTRATION & PROTECTION) ACT, 1999 FORM GI-10		
A	Application by registered proprietor of a geographical indication for the cancellation of entry thereof in the register or to strike out any goods or classes of goods from those in respect of which the geographical indication is registered. Section 28 (c) or (d). Fee: Rs. 300 (See entries No.10A of the First Schedule)	
In the matter of geographical indication No. Class, Name of registered proprietor Address as entered in the register..... Application is hereby made by the aforesaid registered proprietor that the entry in the Register of geographical indication No.....in classmay be cancelled. 2A copy of the application has been served on the Authorised User(s) All communications relating to this application may be sent to the following address in India:- Dated this day of20..... .		
3 SIGNATURE NAME OF SIGNATORY IN BLOCK LETTERS		

B	Form of Authorisation of Agent in a matter or proceeding under the Act (Section 76 and rule 20)	
<p>I(or we) hereby authorise 2 of to act as my (or our) agent for 3 .. . and request that all notices, requisitions and communications relating thereto may be sent to such agent at the above address.</p> <p>I (or we) hereby revoke all previous authorisations, if any, in respect of the proceeding.</p> <p>All communications relating to this application may be sent to the following address in India.-</p> <p>Dated this .. . day of .. . 20 .. . 4 .. .</p> <div style="text-align: right;"> SIGNATURE NAME OF SIGNATORY IN BLOCK LETTERS </div>		

For instruction please see overleaf

To

The Registrar of Geographical Indication
The Office of the Geographical Indications Registry, Chennai

GI-10A

- 1 Strike out whichever is not necessary
- 2 Strike out if not applicable
- 3. Signature of the registered proprietor or of his agent
- 4. Signature

[F. No. 14(1)/2000-PP&C]

A. E. AHMAD, Jt. Secy.

